वर्ष-07 - अंक 295
पृष्ट-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
शनिवार, 01 अगस्त 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

swatantraprabhat.com

स्वतंत्र प्रभात

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

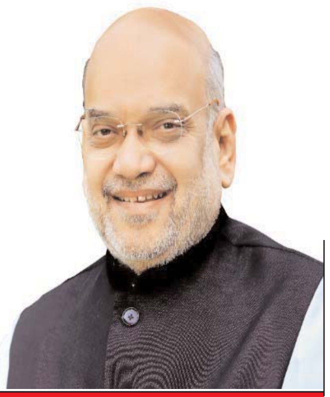

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून गाज़ियाबाद, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बदहाली की मार झेल रहा अयोध्या खेड़ा का आंगनबाड़ी 3
पशुधन संरक्षण में लखनऊ का उल्लेखनीय योगदान......................... 4
मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बंधु समिति 11

वंदे भारत से पहली बार पहुंचा जीवित हृदय

अहमदाबाद(एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से जीवित हृदय (लाइव हार्ट) का सफल परिवहन किया। सूरत से अहमदाबाद तक मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस (20901) के जरिए हृदय को महज ढाई घंटे में सुरक्षित पहुंचाया गया, जिससे समय पर प्रत्यारोपण की प्रक्रिया शुरू हो सकी। यह जीवित हृदय अहमदाबाद स्थित यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती मरीज के हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए भेजा गया था। अंग प्रत्यारोपण में हर मिनट की अहमियत होती है, इसलिए पूरे अभियान को बेहद सावधानी और सटीक समय-प्रबंधन के साथ अंजाम दिया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, सूरत से ट्रेन के रवाना होने से लेकर अहमदाबाद पहुंचने और वहां से अस्पताल तक हृदय को पहुंचाने के लिए विशेष रणनीति बनाई गई। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 से अस्पताल तक ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया गया, ताकि रास्ते में कहीं भी रुकावट न आए। इस अभियान को सफल बनाने में भारतीय रेलवे, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), गुजरात पुलिस और चिकित्सकों की टीम ने संयुक्त रूप से काम किया। स्टेशन पर पहुंचते ही आरपीएफ और गुजरात पुलिस के सहयोग से हृदय को तुरंत एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे प्रत्यारोपण प्रक्रिया निर्धारित समय पर शुरू हो सकी। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस की तेज रफ्तार, समयबद्ध संचालन और विश्वसनीय सेवा ने इस जीवन रक्षक मिशन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका कहना है कि ऐसे अभियानों में प्रत्येक मिनट की कीमत होती है और सभी संबंधित एजेंसियों के बेहतर समन्वय से ही यह संभव हो पाया। भारतीय रेलवे ने इस उपलब्धि को मानवता की सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अधिकारियों के अनुसार, रेलवे अब केवल यात्रियों और माल ढुलाई तक सीमित नहीं है, बल्कि आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में भी प्रभावी भूमिका निभाने की क्षमता रखता है। इस सफल अभियान ने यह साबित कर दिया है कि आधुनिक रेल सेवाएं जरूरत पड़ने पर जीवन बचाने के मिशन में भी अहम भूमिका निभा सकती हैं। भविष्य में अंग प्रत्यारोपण जैसे संवेदनशील मामलों में वंदे भारत जैसी तेज गति की ट्रेनों का उपयोग मरीजों के लिए नई उम्मीद बन सकता है।

भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर सख्त भारत

नई दिल्ली(एजेंसी)। पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने व्यापारिक जहाजों और भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर अपना रुख और सख्त कर दिया है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से टेलीफोन पर बातचीत कर स्पष्ट कहा कि किसी भी परिस्थिति में व्यापारिक जहाजों और नाविकों पर हमले स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी पक्ष की ओर से किए जाने वाले ऐसे हमलों की कड़ी निंदा करता है और क्षेत्रीय तनाव कम करने के लिए संवाद एवं कूटनीति का समर्थन करता है। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बातचीत की जानकारी साझा करते हुए बताया कि ईरानी विदेश मंत्री ने उन्हें क्षेत्र के ताजा घटनाक्रम और जारी कूटनीतिक प्रयासों से अवगत कराया। इस दौरान जयशंकर ने कहा कि मौजूदा हालात में समुद्री मार्गों की सुरक्षा और व्यापारिक जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नाविकों की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा जिम्मेदारी है और इस दिशा में सभी पक्षों को संयम बरतना चाहिए। इससे एक दिन पहले विदेश मंत्री ने यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा से भी टेलीफोन पर बातचीत की थी। बातचीत के

दौरान उन्होंने काला सागर में व्यापारिक जहाजों और भारतीय नाविकों पर हुए हमलों को लेकर भारत की गंभीर चिंता व्यक्त की। जयशंकर ने दो टूक कहा कि किसी भी पक्ष की ओर से व्यापारिक जहाजों और भारतीय नाविकों को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने यूक्रेन संघर्ष, काला सागर की स्थिति और शांति प्रयासों पर भी चर्चा की तथा एक बार फिर स्पष्ट किया कि भारत हर विवाद का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से चाहता है। हाल के दिनों में काला सागर क्षेत्र में हुए हमलों में भारतीय नाविकों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। एमवी ओमोरफी नामक व्यापारी जहाज पर हुए हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई थी। इसके बाद भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित यूक्रेन के राजदूत ओलेक्सांद्र पोलिशचुक को तलब कर इस घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान अब तक पांच भारतीय नाविकों की जान जा चुकी है, जबकि दो अन्य भारतीय नाविक अब भी लापता बताए जा रहे हैं। इन घटनाओं के बाद भारत लगातार संबंधित देशों के समक्ष भारतीय नागरिकों और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा का मुद्दा उठा रहा है। इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मंत्रिमंडलीय सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत भारतीय और विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर तैनात नाविकों की सुरक्षा की समीक्षा की। बैठक में प्रधानमंत्री ने संबंधित मंत्रालयों को निर्देश दिए कि ऐसा प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए, जिससे नाविकों और उनके परिवारों को समय पर जानकारी, आपातकालीन सहायता और आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया जा सके। सरकार का कहना है कि समुद्री व्यापार वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और भारतीय नाविक विश्वभर के व्यापारिक जहाजों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भारत की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। विदेश मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया है कि सरकार भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर लगातार निगरानी बनाए हुए है और आवश्यकता पड़ने पर हर संभव कूटनीतिक एवं मानवीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा, चार और खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे

प्रीति, अंकुश, जैस्मीन और अरुंधति ने जीते सेमीफाइनल, भारत की स्वर्ण पदक की उम्मीदें मजबूत

ग्लास्गो(एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। नौवें दिन भारत के चार और मुक्केबाजों ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही भारतीय मुक्केबाजी दल का दबदबा कायम है और अब कई खिलाड़ी स्वर्ण पदक जीतने से सिर्फ एक कदम दूर हैं। महिला वर्ग में प्रीति पवार, जैस्मीन लंबोरिया और अरुंधति चौधरी, जबकि पुरुष वर्ग में अंकुश ने दमदार जीत दर्ज कर फाइनल का टिकट पक्का किया। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार ने जाम्बिया की कैथरीन मवापे को 5-0 से एकतरफा शिकस्त दी। भिवानी की 22 वर्षीय मुक्केबाज ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने सटीक पंचों व प्रभावी जवाबी हमलों से प्रतिद्वंद्वी पर लगातार दबाव बनाए रखा। निर्णायकों ने सर्वसम्मति से उन्हें विजेता घोषित किया। अब स्वर्ण पदक के मुकाबले में उनका सामना कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो से होगा। पुरुष 80 किलोग्राम वर्ग में अंकुश ने कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। शुरुआती दोनों राउंड में अंकुश ने आक्रामक और संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। ओफोरी मुकाबले के दौरान कई बार 'क्लिंचिंग' का सहारा लेने को मजबूर हुए, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने धैर्य बनाए रखते हुए लगातार सटीक पंच लगाए और एकतरफा जीत अपने नाम कर ली। महिला 57 किलोग्राम वर्ग में जैस्मीन लंबोरिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने रेपलांग मासेलेला को रेफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने (आरएससी) के आधार पर हराया। जैस्मीन पूरे मुकाबले में पूरी तरह हावी रहीं और विपक्षी मुक्केबाज को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। अब वह स्वर्ण पदक के लिए रिंग में उतरेंगी। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर महिला 70 किलोग्राम वर्ग में देखने को मिला, जहां अरुंधति चौधरी ने मौजूदा चैंपियन वेल्स की रोजी एक्लेस को 4-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अरुंधति ने मुकाबले की शुरुआत से ही शानदार लय दिखाई और पहले दो राउंड में ऐसा दबाव बनाया कि रोजी को 'स्टैंडिंग काउंट' का सामना करना पड़ा। पूरे मुकाबले में भारतीय मुक्केबाज ने संयम, आक्रामकता और बेहतरीन रणनीति का परिचय देते हुए गत चैंपियन को वापसी का मौका नहीं दिया। भारतीय मुक्केबाजों के इस दमदार प्रदर्शन से पदक तालिका में भारत की स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त ख़बरें

राष्ट्रमंडल खेलों में अस्मिता डे ने रचा इतिहास

ग्लास्गो। राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय जूडो खिलाड़ी अस्मिता डे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। महिला 48 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में उन्होंने कनाडा की हेडी काच को रोमांचक मुकाबले में हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही अस्मिता राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में जूडो स्पर्धा में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। शुरुआती दौर में अस्मिता 0-1 से पिछड़ गई थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्धारित चार मिनट का समय समाप्त होने के बाद भी दोनों खिलाड़ियों के बीच फैसला नहीं हो सका, जिसके बाद मुकाबला सडेन डेथ में पहुंचा। सडेन डेथ में अस्मिता ने संयम, तकनीक और आत्मविश्वास का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए निर्णायक अंक हासिल किया और मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा लिया। उनकी इस जीत के साथ भारतीय जूडो को राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक का गौरव प्राप्त हुआ।

पाकिस्तानी कश्मीर' शब्द पर भारत सख्त, विदेश मंत्रालय ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) को लेकर अमेरिकी समाचार पत्र न्यूयॉर्क टाइम्स की एक हेडलाइन में इस्तेमाल किए गए 'पाकिस्तानी कश्मीर' शब्द पर कड़ी आपत्ति जताई है। भारत ने कहा कि यह शब्दावली तथ्यात्मक और कानूनी रूप से गलत है। विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों से अपील की है कि वे इस क्षेत्र के लिए सही और मान्य नाम का ही इस्तेमाल करें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि भारत का रुख इस मुद्दे पर पूरी तरह स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों का पूरा क्षेत्र भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। भारत पहले भी इस स्थिति को स्पष्ट करता रहा है और आगे भी अपने रुख पर कायम रहेगा। जायसवाल ने कहा कि सभी साझेदार देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और मीडिया संस्थानों को इस क्षेत्र का उल्लेख करते समय सही नाम और तथ्यात्मक जानकारी का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में भारत की नीति और स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। विदेश मंत्रालय की यह प्रतिक्रिया न्यूयॉर्क टाइम्स की उस हेडलाइन के बाद आई, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के लिए 'पाकिस्तानी कश्मीर' शब्द का इस्तेमाल किया गया था।

पीएम मोदी ने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बर्नहैम से की पहली बातचीत

तकनीक, रक्षा, व्यापार और स्वच्छ ऊर्जा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम से पहली बार टेलीफोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें नई जिम्मेदारी संभालने पर बधाई दी और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बातचीत की

जानकारी साझा करते हुए कहा कि दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए मिलकर काम किया जाएगा। उन्होंने इसे भारत और ब्रिटेन के मजबूत एवं भरोसेमंद रिश्तों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण बातचीत बताया। वार्ता के दौरान तकनीक, नवाचार, रक्षा, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा, व्यापार और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को विस्तार देने पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने इन क्षेत्रों में साझेदारी को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में लागू भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे व्यापार और निवेश के नए अवसर पैदा हुए हैं। दोनों देशों ने इस समझौते का पूरा लाभ उठाकर आर्थिक सहयोग और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया। बातचीत के अंत में दोनों नेताओं ने रक्षा, सुरक्षा, नवाचार, शिक्षा और आर्थिक सहयोग सहित सभी प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत बनाने तथा द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता जताई।

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में ताहिर हुसैन समेत पांच को उम्रकैद

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में वर्ष 2020 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के बहुचर्चित मामले में कड़कड़डूमा अदालत ने पूर्व आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने ताहिर हुसैन, नजीर, आसिम, जावेद और अनास को हत्या, अपहरण और दंगा भड़काने सहित विभिन्न धाराओं में दोषी करार दिया। अदालत के अनुसार, 24 फरवरी 2020 को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर भड़के दंगों के दौरान अंकित शर्मा घर से आवश्यक सामान लेने निकले थे। इसी दौरान वे हिंसक भीड़ की चपेट में आ गए और उनकी हत्या कर दी गई। मामले की जांच के दौरान सामने आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अंकित शर्मा के शरीर पर धारदार हथियार और कुंद वस्तुओं से किए गए 51 चोटों के निशान पाए गए थे। जांच के अनुसार, हत्या के बाद उनका शव चांद बाग पुलिया के पास एक नाले में फेंक दिया गया था। बाद में पुलिस ने शव बरामद कर जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अंकित शर्मा के पिता ने दयालपुर थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में ताहिर हुसैन और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाया था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल किया और अदालत में सुनवाई चली। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत ने पांचों दोषियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 365 (अपहरण), 147, 148, 149, 153ए और अन्य संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

सीमा से सटे जिलों में नकली नोटों पर आरबीआई सख्त

नई दिल्ली(एजेंसी)। नकली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) पर रोक लगाने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंकों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे जिलों में स्थित सभी बैंक शाखाओं में नोटों की असलियत जांचने और छंटाई करने वाली मशीनें अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएं। आरबीआई ने कहा कि कुछ बैंकों द्वारा नकली नोटों की पहचान और रिपोर्टिंग को लेकर पर्याप्त सतर्कता नहीं बरती जा रही थी। इसे देखते हुए बैंकों को अपनी व्यवस्थाओं की समीक्षा कर नकली नोटों की पहचान, जब्ती और रिपोर्टिंग प्रक्रिया को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। आरबीआई के निर्देश के अनुसार, बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि शाखाओं में जमा होने वाले सभी नोटों की जांच मशीनों के माध्यम से की जाए। यदि कोई नोट नकली पाया जाता है तो उसे तुरंत जब्त किया जाएगा। नकली नोट को किसी भी स्थिति में ग्राहक को वापस नहीं किया जाएगा और न ही बैंक परिसर में नष्ट किया जाएगा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि नकली भारतीय मुद्रा नोटों की जानकारी निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार संबंधित एजेंसियों को उपलब्ध करानी होगी, ताकि नकली नोटों के नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

'भुली' योजना में महिलाओं का बढ़ा उत्साह, एक हजार से अधिक आवेदन

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार के ग्राम्य विकास विभाग की 'भुली' योजना को महिलाओं का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। योजना के तहत अब तक राज्यभर से एक हजार से अधिक महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों ने आवेदन किया है। चयनित लाभार्थियों को रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए 1.66 लाख रुपये से 7.50 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त सॉफ्ट ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। ग्राम्य विकास विभाग के अनुसार, योजना का उद्देश्य महिला उद्यमियों और महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों

को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत राज्य की 150 महिला उद्यमियों अथवा महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों का चयन किया जाएगा। चयनित समूहों को वित्तीय सहायता के साथ-साथ तकनीकी विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी मिलेगा, जिससे वे अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकें। योजना की शर्तों के अनुसार, चयनित समूहों को अपने कारोबार में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही उन्हें अपनी क्षमता के अनुसार तीन से चार स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना होगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ सकें। आवेदनों की बात करें तो पिथौरागढ़ सबसे आगे है, जहां से 168 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके बाद उत्तरकाशी से 161, चमोली से 124, चंपावत से 92, पौड़ी गढ़वाल से 71, नैनीताल से 69, टिहरी गढ़वाल से 66, रुद्रप्रयाग से 64, हरिद्वार से 56, अल्मोड़ा से 44, देहरादून से 41, उधम सिंह नगर से 24 और बागेश्वर से 21 आवेदन प्राप्त हुए हैं। ग्राम्य विकास मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से स्पष्ट है कि योजना को अच्छा समर्थन मिल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि 'भुली' योजना महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक प्रगति और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इसी प्रकार की कई योजनाओं का प्रभावी ढंग से संचालन कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिए अहम निर्देश, पीड़ित भारतीय परिवारों की हरसंभव मदद के आदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान नौकरी का झांसा देकर रूस भेजे गए और बाद में युद्ध क्षेत्र में पहुंचा दिए गए भारतीय नागरिकों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने कहा कि युद्ध में मारे गए, घायल हुए और लापता भारतीय नागरिकों के परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए विदेश मंत्रालय में एक समर्पित नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए, जो प्रभावित परिवारों से नियमित संपर्क बनाए रखे और उन्हें हर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि पीड़ित परिवार पहले से ही मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट

का सामना कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासनिक प्रक्रियाओं में देरी या जानकारी के अभाव से उनकी परेशानियां और नहीं बढ़नी चाहिए। अदालत ने सरकार से संवेदनशीलता के साथ मामले का समाधान करने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया कि एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए, जो युद्ध में प्रभावित भारतीय नागरिकों के परिजनों के साथ लगातार संपर्क में रहे। यह अधिकारी परिवारों को खोजबीन, पार्थिव शरीर की स्वदेश वापसी, मुआवजा प्रक्रिया और अन्य सरकारी प्रयासों की नियमित जानकारी देगा। अदालत ने यह भी कहा कि जिन भारतीय नागरिकों की मौत हुई है, उनकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर डीएनए नमूनों का मिलान कराया जाए, ताकि पार्थिव शरीर सही परिवारों तक पहुंच सके। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के समक्ष मुआवजा दावा (क्लेम) दाखिल कराने में विदेश मंत्रालय प्रभावित परिवारों की पूरी मदद करे। अदालत ने कहा कि मुआवजा प्रक्रिया से जुड़ी सभी जानकारियां और आवश्यक दस्तावेज परिवारों को उनकी मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराए जाएं, जिससे उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई न हो। इसके साथ ही राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरणों को निर्देश दिया गया कि वे सभी प्रभावित परिवारों को निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराएं। इसमें मुआवजा दावा दाखिल करने, आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने, कानूनी औपचारिकताएं पूरी कराने तथा पार्थिव शरीर की स्वदेश वापसी से संबंधित प्रक्रियाओं में सहयोग शामिल होगा। यह मामला उन भारतीय युवाओं से जुड़ा है, जिन्हें कथित तौर पर ट्रैवल एजेंटों ने रूस में आकर्षक नौकरी का झांसा देकर भेजा था। परिजनों का आरोप है कि रूस पहुंचने के बाद कई युवाओं को उनकी इच्छा के विरुद्ध रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया। युद्ध के दौरान कई भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, कुछ गंभीर रूप से घायल हुए, जबकि कई अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

'देश चलाना है तो कानून भी बनाने होंगे'

संसद में हंगामे पर रिजिजू का विपक्ष को जवाब

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद में विधेयकों को बिना पर्याप्त चर्चा के पारित कराने के विपक्ष के आरोपों पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता संसद के तय कामकाज को पूरा करना और देशहित में जरूरी कानून बनाना है। रिजिजू ने कहा कि देश चलाने के लिए कानूनों की आवश्यकता होती है और संसद का कामकाज लगातार बाधित नहीं किया जा सकता। विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने कहा कि सरकार पर बिना चर्चा के विधेयक पारित कराने के आरोप कोई नई बात नहीं हैं। कांग्रेस समेत विपक्षी दल पहले भी इस तरह के आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद में विधेयकों पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध कराया गया है और सरकार ने हमेशा

लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन किया है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि संसद का उद्देश्य केवल बहस करना ही नहीं, बल्कि देश की जरूरतों के अनुसार कानून बनाना भी है। उन्होंने कहा कि बजट, विकास योजनाओं और अन्य महत्वपूर्ण विषयों को मंजूरी देने के लिए संसद का सुचारू संचालन जरूरी है। रिजिजू ने कहा कि यदि लगातार हंगामे के कारण सरकार जरूरी विधेयक पारित नहीं करा पाएगी तो इससे संसद की कार्यप्रणाली प्रभावित होगी। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर संसद अपने निर्धारित कार्य पूरे नहीं कर पाएगी तो फिर उसके संचालन का उद्देश्य ही क्या रह जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन को लेकर सपा ने की बैठक

बांसी (सिद्धार्थनगर)। समाजवादी पार्टी नगर कार्यालय पर बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती के जनपद आगमन पर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नगर के पदाधिकारी, समाजवादी पार्टी के सभासद एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सपा जिला उपाध्यक्ष मो. इदरीश पटवारी ने सभी से अपील करते हुए कहा कि 1 अगस्त शनिवार को आर. के पैलेस में समाजवादी पार्टी PDA जन पंचायत सम्मेलन का आयोजन दिन में 11 किया गया है। बैठक में मुख्य आतिथि समाजवादी पार्टी के बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाईलाल भारती होगें, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लाल जी यादव करेंगे। उन्होंने पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता साथियों पार्टी समर्थकों से अपील किया कि आप सभी समय से सम्मेलन में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाए।

डायट बांसी में आयोजित हुआ एनसीएससी मार्गदर्शिका का विमोचन

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की मार्गदर्शिका का विमोचन उप प्राचार्य लालजी कुमार पांडेय, वरिष्ठ प्रवक्ता अनिल मिश्र, रामचंद्र मौर्य, श्रवण कुमार ने शुक्रवार को डायट बांसी में किया। कहा कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिरुचि को विकसित करने के लक्ष्य को लेकर राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस छात्र-छात्राओं को अवसर प्रदान कर रहा है। इसकी सार्थकता तभी होगी जब प्रत्येक विद्यार्थी अपने परिवेश से जुड़ी समस्याओं के वैज्ञानिक निदान के लिए तत्पर हो। एनसीएससी के जिला समन्वयक अंशुमान सिंह ने बताया कि इस वर्ष के आयोजन का मुख्य विषय 'सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार' निर्धारित किया गया है। इस प्रतियोगिता में 10-14 वर्ष के छात्र जूनियर और 14-17 वर्ष के सीनियर आयु वर्ग के विद्यार्थी अपने आसपास की किसी स्थानीय समस्या को चुनकर उसके समाधान पर एक लघु शोध पत्र तैयार करेंगे। बताया कि छात्र दो-दो के समूह में आधिकारिक वेबसाइट पर 15 अगस्त तक अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। अंशुमान सिंह ने उत्कृष्ट प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए मार्गदर्शक शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित करने की आवश्यकता बताई है। इस दौरान प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव, बद्रीनाथ त्रिपाठी, धर्मेंद्र कुमार, डीसी निपुण आशीष सिंह, कार्तिकेय पांडेय, पंकज कुमार, प्रतिभा सिंह, सत्येंद्र सिंह, अमित मणि, नरेंद्र यादव, अनन्तदीप, संदीप द्विवेदी, अनुराग श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

सरकारी गाड़ियों से अफसरों का रोजाना आवागमन, ईंधन खर्च पर उठे सवाल

आलापुर तहसील में सरकारी आवास छोड़ किराये के मकानों में रह रहे अधिकारी, सरकारी संसाधनों के उपयोग पर स्थानीय लोगों ने जताई चिंता

आलापुर (अंबेडकर नगर)। आलापुर तहसील में अधिकारियों के सरकारी वाहनों के उपयोग और ईंधन खर्च को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय सूत्रों और क्षेत्रीय चर्चाओं के अनुसार, कुछ अधिकारी तहसील मुख्यालय स्थित सरकारी आवास में रहने के बजाय जिला मुख्यालय अथवा अन्य स्थानों पर किराये के मकानों में रह रहे हैं। इसके चलते सरकारी वाहनों से उनके दैनिक आवागमन में ईंधन की अधिक खपत होने का दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि हाल ही में तैनात उपजिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार सिंह तहसील परिसर के सरकारी आवास के बजाय अकबरपुर में रह रहे हैं, जबकि उपजिलाधिकारी (न्यायिक) राहुल कुमार गुप्ता जलालपुर से प्रतिदिन सरकारी वाहन से आलापुर आते-जाते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इससे सरकारी ईंधन और संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। आलापुर तहसील को भूमि विवादों और राजस्व संबंधी मामलों की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि अधिकारी तहसील मुख्यालय में ही निवास करें तो आपात स्थितियों में मौके पर पहुंचना आसान होगा और आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकेगा। क्षेत्रीय लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि जब सरकारी आवास उपलब्ध हैं, तब निजी आवास में रहकर सरकारी वाहनों से नियमित आवागमन की आवश्यकता और औचित्य क्या है। उन्होंने सरकारी संसाधनों के उपयोग की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

सम्मानपूर्वक विदाई समारोह आयोजित

» मृतक आश्रित कोटे से मिली थी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में नियुक्ति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। थाना हरैया में तैनात अनुचर अशोक कुमार सिंह के सेवानिवृत्त होने पर पुलिस लाइन बस्ती में सम्मानपूर्वक विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अशोक कुमार सिंह हरैया थाना क्षेत्र के ग्राम गोभिया, तहसील हरैया, जनपद बस्ती के निवासी हैं। उनके पिता स्वर्गीय मार्कण्डेय सिंह सीतापुर में यातायात पुलिस विभाग में तैनात थे, जिनका वर्ष 1975 में आकस्मिक निधन हो गया था। इसके बाद मृतक आश्रित कोटे में नियुक्ति के लिए लंबे संघर्ष के उपरांत वर्ष 1993 में लगभग 30 वर्ष की आयु में उन्हें सीतापुर में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर नियुक्ति मिली। कुछ समय बाद उनका स्थानांतरण बस्ती जनपद हो गया, जहां उन्होंने सीओ कार्यालय हरैया, सीओ कलवारी, थाना हरैया, सोनहा, रुधौली, वाल्टरगंज, पैकोलिया, नगर, पुलिस चौकी बभनान, छावनी, परशुरामपुर, दुबौलिया, कलवारी, कप्तानगंज, मुंडेरवा, लालगंज तथा पुलिस अधीक्षक के गोपनीय कार्यालय (मेस) सहित विभिन्न इकाइयों में अपनी सेवाएं दीं। अंततः वे थाना हरैया से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने पुलिस विभाग में कुल 31 वर्ष 9 माह 10 दिन तक सेवाएं प्रदान कीं। विदाई समारोह में सीओ हरैया स्वर्णिमा सिंह, सीओ लाइन, प्रतिसार निरीक्षक, प्रभारी साइबर सेल धर्मेन्द्र यादव सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। समारोह में उनके परिवार एवं रिश्तेदारों में रंजीत सिंह, रजनीश, सौरभ, सतीश, सुधीर, निर्भर, परमात्मा, प्रमोद, बिट्टू, सुभाष, वीरू, श्यामनाथ, आकाश सिंह, दिव्यम सिंह, रौनक सहित बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार और शुभचिंतक उपस्थित रहे।

भाजपा ने शुरू किया समरसता संकल्प अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

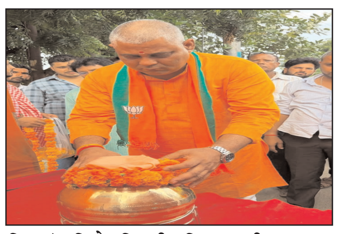

गौरीगंज अमेठी। संत शिरोमणि श्री रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर जनपद अमेठी में समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 29 जुलाई 2026 को संत शिरोमणि श्री रविदास जी महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, काशी में विधि-विधान से कलश पूजन संपन्न हुआ। पूजन उपरांत भारतीय जनता पार्टी अमेठी का कलश जिला मंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक अरुण मिश्रा 'राजा' द्वारा प्राप्त किया गया।काशी से प्रस्थान कर यह पावन कलश शुक्रवार, 31 जुलाई 2026 को जनपद अमेठी की सीमा स्थित साधन चौराहा, मुंशीगंज पहुँचा, जहाँ भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आमजन द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।भाजपा प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि संत शिरोमणि श्री रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में जनपद अमेठी के सभी 19 मंडलों में कलश पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक मंडल में न्यूनतम पाँच स्थानों पर कलश पूजन एवं समरसता संकल्प कार्यक्रम आयोजित कर संत रविदास जी के समता, सद्भाव, सामाजिक समरसता एवं मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम 02 से 25 अगस्त 2026 तक जनपद के सभी 19 मंडलों में निरंतर आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से सामाजिक समरसता, समानता एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति जन-जागरण का कार्य किया जाएगा।

हर विधानसभा क्षेत्र में बनेगा उत्सव भवन

उन्नाव। ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक एवं मांगलिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन ने जनपद की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक उत्सव भवन बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए पात्र ग्राम पंचायतों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। जनपद में कुल छह उत्सव भवन बनाए जाएंगे। प्रत्येक भवन के निर्माण पर 1.41 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। भवन निर्माण के लिए संबंधित ग्राम पंचायत में कम से कम तीन हजार वर्गमीटर भूमि उपलब्ध होना आवश्यक है। साथ ही भूमि आबादी क्षेत्र में स्थित हो तथा वहां तक पक्की सड़क की सुविधा भी होनी चाहिए। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि शासन के निर्धारित मानकों को पूरा करने वाली ग्राम पंचायतों का चयन कर निर्माण कार्य कराया जाएगा। इन उत्सव भवनों में ग्रामीणों को विवाह, सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे कम खर्च में स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

समयबद्ध कार्रवाई के दिए गए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों एवं छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योति सिंह सहित जनपदीय छात्रवृत्ति अनुश्रवण समिति के सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने शासन द्वारा जारी छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की समय-सारिणी की विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी शिक्षण संस्थानों को निर्धारित समयसीमा के भीतर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। बताया गया कि कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए मास्टर डाटा तैयार करने की अंतिम तिथि 5 अगस्त 2026 तथा उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रोफाइल अपडेट करने की अंतिम तिथि 15 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। वहीं विश्वविद्यालय एवं संबद्ध एजेंसियों द्वारा पाठ्यक्रम, सीट एवं शुल्क आदि का सत्यापन 30 अगस्त 2026 तक किया जाना है। बैठक में अवगत कराया गया कि कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि रिन्यूअल छात्रों हेतु 25 अगस्त तथा नवीन (फ्रेश) छात्रों हेतु 21 सितंबर 2026 निर्धारित है। उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए यह तिथि क्रमशः 15 अक्टूबर एवं 31 अक्टूबर 2026 तय की गई है। शासन के निर्देशों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि इस वर्ष किसी भी स्थिति में तिथियों का विस्तार नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिक्षण संस्थान कक्षाध्यापकों को नोडल के रूप में नामित करते हुए छात्रवृत्ति संबंधी समस्त जानकारी नोटिस बोर्ड एवं अन्य माध्यमों से पात्र छात्र-छात्राओं तक पहुंचाना सुनिश्चित करे, ताकि सभी लाभार्थियों के आवेदन समय से पूर्ण हो सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि समयसीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई न होने से यदि कोई छात्र योजना के लाभ से वंचित होता है तो संबंधित संस्थान की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी। बैठक के दौरान शिक्षण संस्थानों द्वारा उठाई गई विभिन्न समस्याओं पर भी चर्चा की गई। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने ओटीआर, बायोमैट्रिक सत्यापन, छात्रों के बैंक खातों की एनपीसीआई मैपिंग तथा संस्थागत छात्रवृत्ति समितियों की स्वीकृति के उपरांत आवेदनों के निस्तारण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जनपद की बेहतर रैंकिंग बनाए रखने के लिए प्रत्येक माह प्राप्त आवेदनों का उसी माह की अंतिम तिथि से पूर्व निस्तारण सुनिश्चित करने पर बल दिया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी संस्थानों को मास्टर डाटा शीघ्र पूर्ण करने तथा लॉगिन पर लंबित आवेदनों की साप्ताहिक समीक्षा कर उनका नियमित निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में जिला समाज कल्याण अधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं शिक्षण संस्थानों का आभार व्यक्त करते हुए शासन की इस महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजना के सफल संचालन में सहयोग की अपेक्षा की। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक, राजकीय महाविद्यालय मुसाफिरखाना के प्राचार्य, राजकीय पॉलिटेक्निक के प्राचार्य, राजकीय आईटीआई गौरीगंज के प्राचार्य, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, लीड बैंक प्रबंधक सहित जनपद के समस्त शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य एवं छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

मत्स्य पालन से आत्मनिर्भरता पर कार्यशाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कालेज के ऑडिटोरियम में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला / जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अथिति के रूप में डा0 संजय कुमार निषाद मत्स्य मंत्री उ0प्र0 सरकार, विशिष्ट अतिथि धर्मराज निषाद विधायक कटेहरी, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, उप निदेशक कृषि एवं जिला कृषि अधिकारी एवं उप निदेशक मत्स्य मुख्यालय लखनऊ, उप निदेशक मत्स्य अयोध्या मण्डल अयोध्या, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य अम्बेडकरनगर एवं मत्स्य विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री द्वारा उपस्थित मत्स्य पालकों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लाभार्थी पर की योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को अधिक से अधिक योजनाओं से मत्स्य पालकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान मत्स्य मंत्री द्वारा मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषाद राज वोट सब्सिडी योजना के लाभार्थियों को डेमो चेक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसी के साथ ही मत्स्य पालक कल्याण कोष योजना के अंतर्गत विभिन्न लाभार्थियों को 'मोपेड विथ आइस बॉक्स' प्रदान किया गया तथा मत्स्य पालकों को केसीसी कार्ड वितरित किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जनपद के मत्स्य पालकों प्रगतिशील किसानों एवं सम्बन्धित पट्टा धारकों को आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों, बैज्ञानिक प्रबन्धन एवं शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान कर मत्स्य उत्पादन में वृद्धि हेतु प्रेरित किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञयों ने गुणवक्ता युक्त संतुलित आहार, तालाब प्रबन्धन, रोग नियन्त्रण, जल गुणवत्ता प्रबन्धन, एकीकृत मत्स्य पालन, तथा मत्स्य पालन से आय बढ़ाने के प्रभावी उपायों पर विस्तार से जानकारी दी साथ ही राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं के सम्बन्ध में प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। अन्त में मुख्य अतिथि एवं विशेज्ञयों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ सफलता पूर्वक सम्मपन हुआ।

कांवड़ यात्रा मार्ग से निराश्रित गोवंश हटाने के निर्देश, गोशालाओं में सुरक्षित संरक्षण के आदेश

उन्नाव। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पशुपालन विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को यात्रा मार्गों से निराश्रित गोवंश हटाकर गो-आश्रय स्थलों में सुरक्षित पहुंचाने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा 31 जुलाई 2026 को जारी आदेश में जनपद के सभी खंड विकास अधिकारियों एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों से कहा गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कांवड़ यात्रा मार्गों का निरीक्षण कर विचरण कर रहे निराश्रित गोवंश को तत्काल चिन्हित करें और उन्हें निकटवर्ती अस्थायी अथवा स्थायी गो-आश्रय स्थलों में सुरक्षित संरक्षित कराएं। इससे कांवड़ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और दुर्घटनाओं की संभावना भी कम हो सके। आदेश में यह भी कहा गया है कि गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश के लिए पर्याप्त चारा, स्वच्छ पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही की गई कार्रवाई की फोटो सहित विस्तृत आख्या शीघ्र मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। इस संबंध में उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारियों, जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), जिलाधिकारी तथा पशुपालन विभाग के निदेशक को भी आदेश की प्रतिलिपि भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कांवड़ियों की सेवा को पालिका ने बनाए विश्रामालय व प्याऊ

उन्नाव। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के अवसर पर नगर पालिका परिषद उन्नाव ने शिवभक्त कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए लखनऊ बाईपास स्थित माँ अन्नपूर्णा धाम के निकट तथा गांधी नगर तिराहे पर विश्रामालय और प्याऊ का शुभारंभ किया। पालिका अध्यक्ष श्रीमती श्वेता भानू मिश्रा ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सेवा सामाजिक दायित्व के साथ पुण्य का कार्य है। उन्होंने बताया कि विश्रामालयों में बैठने एवं विश्राम की व्यवस्था, स्वच्छ एवं शीतल पेयजल, छाया तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति और अन्य व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी भी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही नगरवासियों से श्रद्धालुओं का सम्मान करने, यातायात नियमों का पालन करने तथा सेवा व सहयोग की भावना से यात्रा को सफल बनाने की अपील की।

25 सूत्रीय मांगों पर कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट के आह्वान पर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर शिक्षकों से संबंधित लंबित पच्चीस सूत्रीय मांगों के निस्तारण के लिए शिक्षकों ने धरना प्रदर्शन किया। धरने के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सह जिला विद्यालय निरीक्षक अनूप कुशवाहा को दिया गया। धरने में अवलोक कुमार, नीरज वर्मा, जयराम, फूलचंद, विजय, मोहम्मद उमर, दरवेश सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

ज्ञापन में पुरानी पेंशन बहाली, अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों का राजकीयकरण, सेवा सुरक्षा बहाली, वित्त विहिन शिक्षकों की सेवा नियमावली, मदरसा शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को मुख्यमंत्री कैशलेश चिकित्सा सहायता प्रदान करने, प्रधानाचार्य भर्ती की लिखित परीक्षा तथा विगत महीने में हुई राजकीय प्रवक्ता भर्ती परीक्षा का अवशेष बकाया शिक्षकों को शीघ्र भुगतान से संबंधित मुद्दे शामिल रहें। धरने को प्रदेश कोषाध्यक्ष बिजेन्द्र कुमार, प्रदेश मंत्री ध्रुव नारायण चौधरी, अटेवा के मंडलीय महामंत्री दीपक सिंह प्रेमी, जिला संयोजक अटेवा तौआब अली, जिलाध्यक्ष एकजुट अजय वर्मा, महामंत्री एकजुट डा. सत्यप्रकाश मौर्य, विरेन्द्र वरुण, राकेश सिंह, बाबूराम, शिवमूर्ति चतुर्वेदी सहित अनेकों पदाधिकारियों, शिक्षकों ने संबोधित किया।

कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय समितियों की समीक्षा बैठक

पेयजल, स्वच्छता, पोषण, स्वास्थ्य और निराश्रित गोवंश संरक्षण की प्रगति पर हुई समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय विभिन्न समितियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पेयजल, स्वच्छता, पोषण, स्वास्थ्य, एड्स, क्षय रोग तथा निराश्रित गोवंश संरक्षण सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में सीडीओ ने जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की समीक्षा करते हुए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।

जिला स्वच्छता समिति की समीक्षा के दौरान प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों की स्थापना में देरी पर नाराजगी जताते हुए तीन सप्ताह के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वच्छता अभियान में निष्क्रिय ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने और ग्राम पंचायतों में उपलब्ध धनराशि से उपयोगी कार्य कराने के निर्देश भी दिए। जिला पोषण समिति की बैठक में ई-कवच पोर्टल एवं संभव अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीडीओ ने निराश्रित गोवंश संरक्षण केंद्रों में चारा, पानी, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में एड्स नियंत्रण, क्षय रोग उन्मूलन और जिला स्वास्थ्य समिति की योजनाओं की भी समीक्षा की गई। सीडीओ ने अधिकारियों से शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप समयबद्ध तरीके से योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और विभागीय समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव निगम, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्रावण मास का पावन पर्व दिनांक 30 जुलाई, 2026 से 28 अगस्त, 2026 (रक्षाबंधन) तक परम्परागत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवधि में शिवभक्त एवं कांवड़िये विभिन्न पवित्र स्थलों से गंगाजल एवं अन्य पवित्र जल लाकर जनपद के शिवालयों एवं मंदिरों में भगवान शिव का जलाभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना करेंगे। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार तथा अन्य प्रमुख पर्वों के अवसर पर जनपद के शिवालयों एवं मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा शांति, कानून-व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। इसी क्रम में सम्पूर्ण जनपद को 09 जोन में विभाजित करते हुए 09 जोनल मजिस्ट्रेट, 78 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 09 स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है।

सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत भ्रमण कर कानून-व्यवस्था, यातायात, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं पर प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान प्राप्त होने वाली सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 24×7 कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कंट्रोल रूम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी 08-08 घंटे की तीन पालियों में लगाई गई है।

जनसामान्य एवं श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु कंट्रोल रूम का सम्पर्क नंबर-7376113790 तथा नोडल अधिकारी (कंट्रोल रूम) का सम्पर्क नंबर-9161432808 निर्धारित किया गया है। किसी भी प्रकार की सूचना, समस्या अथवा आपात स्थिति में इन नंबरों पर तत्काल संपर्क किया जा सकता है। जिसका जिला प्रशासन द्वारा त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं एवं आमजन से श्रावण मास के दौरान प्रशासन का सहयोग करने, यातायात एवं सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम अथवा निकटतम पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी को देने की अपील की है।

कांवड़ मार्ग से निराश्रित गोवंश हटाने के निर्देश

उन्नाव। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पशुपालन विभाग ने यात्रा मार्गों से निराश्रित गोवंश हटाकर उन्हें गो-आश्रय स्थलों में सुरक्षित पहुंचाने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने जनपद के सभी खंड विकास अधिकारियों और नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कांवड़ यात्रा मार्गों का निरीक्षण कर विचरण कर रहे निराश्रित गोवंश को चिन्हित कर निकटवर्ती अस्थायी अथवा स्थायी गो-आश्रय स्थलों में सुरक्षित संरक्षित कराएं। निर्देशों में कहा गया है कि गो-आश्रय स्थलों पर गोवंश के लिए पर्याप्त चारा, स्वच्छ पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि उनके संरक्षण में किसी प्रकार की असुविधा न हो। विभाग ने अधिकारियों से की गई कार्रवाई की फोटो सहित विस्तृत आख्या शीघ्र मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। आदेश की प्रतिलिपि संबंधित अधिकारियों एवं उच्चाधिकारियों को भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है।

डीएम ने जैविक खाद निर्माण की प्रगति परखी

डिजिटल लाइब्रेरी का भी किया निरीक्षण, किसानों को जैविक खाद अपनाने हेतु जागरूकता कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने विकास खण्ड टांडा की ग्राम पंचायत वड्डूपुर में तैयार की गई जैविक खाद का निरीक्षण किया गया। एनटीपीसी द्वारा उत्सर्जित बॉटम ऐश से निर्मित यह जैविक खाद लक्ष्मी आजीविका स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार की गई है समूह की अध्यक्ष सुमित्रा यादव ने बेगूसराय (बिहार) से जैविक खाद निर्माण का प्रशिक्षण प्राप्त कर समूह की महिलाओं के सहयोग से उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद का निर्माण किया है।

जिलाधिकारी ने निर्मित जैविक खाद का अवलोकन करते हुए उसकी गुणवत्ता की सराहना की तथा समूह के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए इसे ग्रामीण आजीविका संवर्धन एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया। उन्होंने समूह की महिलाओं को भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण जैविक खाद के उत्पादन एवं विपणन के लिए प्रेरित किया। साथ ही साथ खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि विकास खण्ड स्तर पर उपायुक्त स्वतः रोजगार के अध्यक्षता में वर्कशॉप का आयोजन करके किसानों को (प्रमुख रूप से एनटीपीसी के आस-पास के गांवों के) इस जैविक खाद को क्रय करने हेतु प्रेरित किया जाए।

भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत स्थित पंचायत लर्निंग सेंटर में संचालित डिजिटल लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां अध्ययनरत बच्चों से संवाद कर उपलब्ध सुविधाओं, डिजिटल शिक्षण संसाधनों तथा उनकी पढ़ाई की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित करते हुए डिजिटल लाइब्रेरी का बेहतर उपयोग करने की सलाह दी। इस अवसर पर उपायुक्त स्वतः रोजगार, खंड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (ग्राम्य विकास), ग्राम पंचायत सचिव, बीएमएम, लक्ष्मी आजीविका स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष सुमित्रा यादव तथा समूह की अन्य महिला सदस्य उपस्थित रहीं।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर डीएम सख्त, दो कर्मियों की बर्खास्तगी के निर्देश

खराब प्रगति पर नवाबगंज व हसनगंज सीएचसी को फटकार, आयुष्मान कार्ड, टीकाकरण और संस्थागत प्रसव में तेजी लाने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन, संचारी रोग नियंत्रण, आयुष्मान भारत योजना और अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही मिलने पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया। समीक्षा में ब्लॉक बिछिया के उपकेंद्र धूरकेत की सीएचओ शिवांगी सिंह और उपकेंद्र डीह की आशा शैल सिंह के लंबे समय से बिना सूचना अनुपस्थित रहने का मामला सामने आने पर जिलाधिकारी ने दोनों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने के निर्देश दिए।

बैठक में नवाबगंज और हसनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की खराब प्रगति पर भी नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने, आशा व आशा संगिनी का मानदेय प्रत्येक माह की 10 तारीख तक भुगतान करने तथा एंबुलेंस की प्रतिक्रिया समय में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रसव सरकारी अस्पतालों में कराने और निजी अस्पतालों में होने वाले प्रसवों की निगरानी करने पर भी जोर दिया।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा करते हुए डीएम ने घर-घर सर्वे कर मलेरिया, हैजा, टाइफाइड, खांसी और जुकाम जैसे रोगों की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नियमित टीकाकरण अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने, अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने और स्वास्थ्य कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के आदेश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.आर. सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बदहाली की मार झेल रहा अयोध्या खेड़ा का आंगनबाड़ी केंद्र, जोखिम में नौनिहालों की सुरक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विकास खण्ड मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत कोडरा रायपुर स्थित अयोध्या खेड़ा आंगनबाड़ी केंद्र बदहाली का शिकार है। केंद्र परिसर में उगी ऊंची घास और भवन के अंदर टूटी फर्श के बीच मासूम बच्चों, गर्भवती महिलाओं व धात्री माताओं को जान जोखिम में डालकर आना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, केंद्र परिसर में चारों ओर घनी घास उग आई है। बरसात के मौसम में यहां सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है। वहीं केंद्र के अंदर कई स्थानों पर फर्श उखड़ चुकी है, जिससे छोटे बच्चों के गिरकर चोटिल होने की आशंका बनी रहती है। इसके बावजूद बच्चों को इसी जर्जर भवन में बैठाकर पोषण एवं शिक्षण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि केंद्र की खराब स्थिति की जानकारी कई बार संबंधित

अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक न तो परिसर की सफाई कराई गई और न ही भवन की मरम्मत कराई गई। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए थे, लेकिन अयोध्या खेड़ा केंद्र की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। ग्रामीणों का कहना है कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रारंभिक शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में इसकी उपेक्षा बच्चों की सुरक्षा और भविष्य के साथ खिलवाड़ है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा संबंधित अधिकारियों से केंद्र परिसर की तत्काल सफाई कराने, भवन की मरम्मत कराने और बच्चों के लिए सुरक्षित व स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने की मांग की है।

> **बरसात के मौसम में यहां सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है। वहीं केंद्र के अंदर कई स्थानों पर फर्श उखड़ चुकी है, जिससे छोटे बच्चों के गिरकर चोटिल होने की आशंका बनी रहती है। इसके बावजूद बच्चों को इसी जर्जर भवन में बैठाकर पोषण एवं शिक्षण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।**

उनका कहना है कि यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ और कोई अप्रिय घटना हुई तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और अधिकारियों की होगी।

लखनऊ में भिड़ेंगी आठ टीमें, यूपी प्रो हैंडबॉल लीग का आगाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 31 जुलाई 2026 पहले सीजन के सफल और रोमांचक आयोजन के बाद यूपी प्रो हैंडबॉल लीग (यूपीपीएचएल) अब अपने दूसरे संस्करण के लिए तैयार है। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में एसएन पाण्डेय खेल संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित होने वाली इस लीग का दूसरा सीजन जनवरी 2027 में लखनऊ में खेला जाएगा। इस बार लीग में छह के स्थान पर आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें पहली बार लखनऊ की टीम भी शामिल होगी। इस बार विजेता टीम को 2.50 लाख रुपए व उपविजेता टीम को 1.50 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा आइकॉनिक ओलंपिक गेम्स अकादमी की ओर से दोनों ही टीमों को 50-50 हजार रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के काउंसिल मेंबर डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय (कार्यकारी निदेशक-

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया, सीईओ- यूपी प्रो हैंडबॉल लीग) ने लीग के लोगो का अनावरण किया। उन्होंने इस अवसर पर भारत के विभिन्न राज्यों के उत्कृष्ट 10 अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि पहले सीजन की सफलता ने दूसरे संस्करण को और अधिक भव्य एवं प्रतिस्पर्धी स्वरूप में आयोजित करने का विश्वास दिया है। मुझे विश्वास है कि दूसरा सीजन प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का बेहतर अवसर देगा। उन्होंने आगे कहा कि यूपी प्रो हैंडबॉल लीग का उद्देश्य केवल एक प्रतियोगिता आयोजित करना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश में हैंडबॉल का मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना है। पहले सीजन में हमें खिलाड़ियों, टीमों और खेल प्रेमियों से जिस तरह का समर्थन मिला, उसने हमें दूसरे संस्करण को और अधिक भव्य एवं पेशेवर स्तर पर आयोजित करने का विश्वास दिया है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और प्रदेश के साथ-साथ देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी समान अवसर मिलेगा। हमारा उद्देश्य उत्तर प्रदेश को हैंडबॉल का मजबूत केंद्र बनाना और इस लीग के माध्यम से नई प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। दूसरे सीजन को और अधिक प्रतिस्पर्धी एवं पेशेवर बनाने के उद्देश्य से इस बार टीमों की संख्या बढ़ाकर आठ की गई है। प्रत्येक टीम में 18 खिलाड़ी होंगे, जिनमें 9 खिलाड़ी यूपी के होंगे जबकि 9 खिलाड़ी अन्य राज्यों एवं विभागों से होंगे।

आरक्षण मुक्त भारत की मांग को लेकर स्वर्ण मोर्चा करेगा शांतिपूर्ण धरना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 28 जुलाई स्वर्ण मोर्चा (राष्ट्रीय संगठन) ने लखनऊ के शहीद स्मारक पर 31 जुलाई से 2 अगस्त तक शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक धरना आयोजित करने के लिए पुलिस आयुक्त से अनुमति मांगी है। इस संबंध में संगठन की ओर से एक ज्ञापन पुलिस आयुक्त कार्यालय को सौंपा गया। ज्ञापन के अनुसार, प्रस्तावित धरने का उद्देश्य आरक्षण व्यवस्था, सामाजिक समानता तथा शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना है। संगठन ने अपने प्रमुख मांग-पत्र में 'आरक्षण हटाओ, देश बचाओ ', 'जाति नहीं, समानता लाओ ', 'सभी जातियां एक समान' तथा 'शिक्षा और चिकित्सा निःशुल्क हो' जैसे मुद्दों को शामिल किया है। स्वर्ण मोर्चा ने प्रशासन को आश्वस्त किया है कि धरना पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और कानून-व्यवस्था संबंधी सभी दिशा-निर्देशों

का पालन किया जाएगा। संगठन ने यह भी स्पष्ट किया है कि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार के भड़काऊ, अशोभनीय या सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने वाले नारे अथवा गतिविधियों का प्रयोग नहीं किया जाएगा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप सिंह और राष्ट्रीय महासचिव अभिनव नाथ त्रिपाठी ने प्रशासन से कार्यक्रम के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए आवश्यक अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया है। प्रशासन द्वारा अनुमति मिलने के बाद कार्यक्रम की अंतिम रूपरेखा जारी की जाएगी।

भाजपा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को किया बर्बाद: अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष का आरोप- स्कूल बंद किए जा रहे, छात्रों और युवाओं के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है, जिससे छात्रों और युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा से दूर करना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में 22 हजार से अधिक प्राथमिक विद्यालयों को विलय (मर्जर) और अन्य कारणों का हवाला देकर बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के मंदिरों की बदहाली के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि जहां से बच्चों की शिक्षा की

शुरुआत होती है, भाजपा सरकार वहीं से व्यवस्था को कमजोर कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों में छात्रों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। कई विद्यालयों के भवन जर्जर स्थिति में हैं, कहीं बिजली और पंखों की समस्या है तो कहीं बारिश के दौरान छतों से पानी टपकने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के एजेंडे में शिक्षा और रोजगार कभी प्राथमिकता नहीं रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की गलत नीतियों के कारण प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था लगातार कमजोर हो रही है और छात्र-नौजवान अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि देशभर के छात्र भाजपा की शिक्षा नीतियों से नाराज हैं और आने वाले समय में युवा इसका जवाब देंगे। अखिलेश यादव ने भाजपा पर नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार ने नए स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बनाने के बजाय पुराने संस्थानों को कमजोर किया है। सपा अध्यक्ष ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार इसे तोड़ने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि विश्वविद्यालयों को नुकसान पहुंचाने वाले कभी समाज के हितैषी नहीं रहे। उन्होंने शिक्षा संस्थानों की सुरक्षा और मजबूती की मांग की।

> **अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा से दूर करना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि उार प्रदेश में 22 हजार से अधिक प्राथमिक विद्यालयों को विलय (मर्जर) और अन्य कारणों का हवाला देकर बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के मंदिरों की बदहाली के लिए भाजपा सरकार जिमेदार है।**

संक्षिप्त खबरें

राजकीय आईटीआई अलीगंज में प्रवेश शुरू, आवेदन की अंतिम तिथि 4 अगस्त

लखनऊ। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश की ओर से प्रदेश के सभी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज, लखनऊ में विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 4 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। राजकीय आईटीआई अलीगंज के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि अभ्यर्थी अपनी शैक्षिक योग्यता के अनुसार कक्षा-8 या कक्षा-10 उत्तीर्ण होने के आधार पर लखनऊ जनपद के आईटीआई में संचालित विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी परिषद की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान में फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, वायरमैन, वेल्डर, प्लंबर, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, ड्राफ्ट्समैन (मैकेनिकल एवं सिविल), इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, मोटर वाहन मैकेनिक सहित कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

मध्यस्थता अभियान 3.0 शुरू, आपसी सुलह से होगा विवादों का त्वरित समाधान

लखनऊ। लंबित विवादों के शीघ्र और स्थायी समाधान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की ओर से 'मध्यस्थता अभियान 3.0' शुरू किया जा रहा है। यह अभियान 1 अगस्त 2026 से 30 दिसंबर 2026 तक संचालित होगा। अभियान का उद्देश्य पक्षकारों के बीच आपसी संवाद, सुलह और समझौते के माध्यम से विवादों का त्वरित निस्तारण करना है। यह अभियान उच्चतम न्यायालय की मीडिएशन एवं कन्सिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के तहत चलाया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के प्रभारी सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि मध्यस्थता एक स्वैच्छिक, गोपनीय और न्यायसंगत प्रक्रिया है।

कारगिल विजय दिवस पर छात्राओं ने दी देशभक्ति की प्रस्तुति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर नगर निगम गर्ल्स इंटर कॉलेज, कश्मीरी मोहल्ला की छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। छात्राओं ने अपने गीत, नृत्य एवं प्रेरक प्रस्तुतियों के माध्यम से कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए उपस्थित सभी लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार किया। विद्यालय परिवार ने भी कारगिल के अमर वीरों के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मृदुला द्विवेदी एवं शिक्षकों ने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी में देशप्रेम, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

टूटी पुल की रेलिंग दे रही हादसे को न्योता

- लोहे की टूटी रैलिंग की जगह बंधी नारियल रस्सी।
- कांवड़ यात्रा में बचे मात्र दो दिन।कभी भी हो सकता हादसा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। कांवड़ यात्रा शुरू होने में मात्र दो ही दिन शेष बचे हैं फिर भी जहांगीराबाद स्थित केवानी नदी के पुल की टूटकर गायब हुई लोहे की रैलिंग आज तक सही नहीं कराई जा सकी है जिससे इस मार्ग से होकर निकलने वाले कांवड़ियों के लिए खतरा बना हुआ है।गायब लोहे की रैलिंग की जगह किसी ने नारियल की रस्सी बांध दी है। कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है। बहुत समय पहले से पुल की पूर्वी रैलिंग एक जगह पर काफी दूरी तक टूटकर गायब है फिर भी आजतक किसी जिम्मेदार अधिकारी की नजर इस पर नहीं पड़ी जबकि प्रतिदिन इस बहुचालित सीतापुर-बहराइच मार्ग पर दिन-रात हजारों लोगों का आवागमन बना रहता है। इसके अलावा अधिकारी भी इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं।यह टूटी रैलिंग किसी बड़ी दुर्घटना के इंतजार में है। गौरतलब है कि श्रावण मास शुरू हो चुका है और पूरे माह के प्रत्येक रविवार व सोमवार को लाखों की संख्या में कांवड़िया चहलारी घाट से पवित्र सरयू (घाघरा) नदी से जल भरकर कांवड़ लेकर पैदल एवं वाहनों से बिसवां स्थित पत्थर शिवाला में भगवान शिव का जलाभिषेक करने जाते हैं। इस पवित्र केवानी नदी से भी काफी कांवड़िया जल भरते हैं। श्रावण मास के प्रत्येक रविवार को पूरी रात कांवड़ियों का इसी मार्ग से होकर निकलना होता है। यदि रैलिंग की मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इस सम्बन्ध में ए0ई0 पी0डब्ल्यू0डी0 जितेन्द्र मिश्र ने बताया कि मुझे जानकारी नहीं है। मैंने नहीं देखा है। मैं अभी किसी को भेजकर दिखवाता हूं और जो भी मरम्मत होनी है उसे शीघ्र करवा दिया जायेगा।

कृत्रिम गर्भाधान योजना के लिए यूपी सरकार ने मंजूर किए 2 करोड़ रुपये

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में पशुधन विकास को गति देने और कृत्रिम गर्भाधान योजना के बेहतर संचालन के लिए चालू वित्तीय वर्ष में 2 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस संबंध में पशुधन विभाग की ओर से शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश के अनुसार, स्वीकृत धनराशि का उपयोग कृत्रिम गर्भाधान योजना के सुनियोजित और सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के लिए किया जाएगा। पशुपालन विभाग के निदेशक, प्रशासन एवं विकास को निर्देश दिए गए हैं कि धनराशि का आहरण और व्यय निर्धारित कार्ययोजना तथा योजना की गाइडलाइन के अनुसार ही सुनिश्चित किया जाए। सरकार ने स्पष्ट किया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उसी मद और उद्देश्य के लिए किया जाएगा, जिसके लिए इसे मंजूरी दी गई है। इसके अलावा विभाग को खर्च का पूरा विवरण और उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराना होगा।

लखनऊ में अतिक्रमण, गंदगी और प्रतिबंधित पॉलीथीन के खिलाफ नगर निगम का बड़ा अभियान

विभिन्न जोनों में कार्रवाई, ठेले-गुमटियां हटाई, चालान कर वसूला शमन शुल्क

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। शहर को अतिक्रमण मुक्त, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर निगम लखनऊ ने शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर चलाए गए इस विशेष अभियान में अवैध अतिक्रमण, सड़क किनारे फैली गंदगी, प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग और यातायात में बाधा बनने वाली गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। नगर निगम की टीमों ने अलग-अलग जोनों में पहुंचकर अतिक्रमण हटाने के साथ ही सफाई व्यवस्था को भी दुरुस्त कराया। अभियान के दौरान कई स्थानों पर चालान काटे गए और नियमों का उल्लंघन करने वालों से शमन शुल्क भी वसूला गया। जोन-2 में जोनल अधिकारी मनोज कुमार यादव के

नेतृत्व में कन्वेंशन सेंटर के आसपास, मेडिकल चौराहा, ऐशबाग चौराहा, गुड शेड रोड और भूसा मंडी रोड क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नालियों की सफाई, सड़कों की सफाई, कूड़ा उठान और एंटी लार्वा छिड़काव का कार्य कराया गया। नगर निगम की टीम ने प्रवर्तन दल (296) के सहयोग से गंदगी फैलाने वालों और प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालों पर कार्रवाई की। इस दौरान गंदगी फैलाने के मामले में दो चालान कर 3 हजार रुपये तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर दो चालान कर 3 हजार रुपये शमन शुल्क वसूला गया। नगर निगम जोन-5 की टीम ने हरदोई रोड से विक्रम नगर पुल तक सड़क किनारे किए गए अवैध अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान सड़क पर लगाए गए 8 ठेले, 3 गुमटियां और 3 काउंटर हटाए गए। इसके अलावा टीम ने एक लोहे की बेंच और दो ठेले भी जब्त किए। अतिक्रमण करने वालों को भविष्य में दोबारा कब्जा न करने की चेतावनी दी गई। इस अभियान में अतिक्रमण के खिलाफ 3 हजार रुपये तथा गंदगी एवं प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग पर भी 3 हजार रुपये शमन शुल्क वसूला गया। कार्रवाई जोनल अधिकारी विनीत कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। इसमें कर अधीक्षक सभाजीत सिंह, जोनल सेनेटरी अधिकारी सचिन सक्सेना, राजस्व निरीक्षक राजू कुमार, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक सुभाष चौधरी, प्रवर्तन दल और पुलिस बल शामिल रहे। जोन-8 क्षेत्र में भी नगर निगम ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। जोनल अधिकारी आशीष सिंह के नेतृत्व में तेलीबाग चौराहे से सेक्टर-5 तक कार्रवाई की गई।

जैन आर्यिका संघ का महमूदाबाद में मंगल चतुर्मास प्रारंभ,श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। नगर स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्री 108 विराग सागर जी मुनिराज की शिष्या आर्यिका श्री 105 विविक्त श्री माताजी ससंघ का मंगल चतुर्मास विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ संपन्न हुआ। चतुर्मास स्थापना एवं कलश प्रतिष्ठा का आयोजन प्रतिष्ठाचार्य भैया आशीष पुण्यान्स तथा संगीतकार लोकेश जैन (भोपाल) के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में दरियाबाद, फतेहपुर, पेतेपुर, बेलहरा, बाराबंकी, रामपुर मथुरा,त्रिलोकपुर बिसवां, भिंड (मध्य प्रदेश), बड़ागांव सहित विभिन्न नगरों से आए श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्य अर्जित किया।

मंदिर परिसर में पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने आर्यिका संघ का आशीर्वाद प्राप्त कर धर्म, संयम एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन के सफल संचालन में जैन समाज के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा।

संपादकीय

एंटी पेपर लीक विधेयक को मंजूरी

विपक्ष के हंगामे के बीच एंटी पेपर लीक विधेयक को संसद में मंजूर मिल गयी। विपक्ष का कहना है कि जब तक परीक्षा प्रणाली में बदलाव नहीं होगा तब तक आप कितने भी कठिन कानून बना लें उसका कोई फायदा नहीं मिलेगा। इस विधेयक के मुताबिक अगर पेपर लीक मामले में कोई पकड़ा जाएगा तो उसके खिलाफ 50 लाख तक का जुर्माना और 10 साल तक की सज़ा का प्रावधान है। देश में पिछले कुछ वर्षों के दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया है। नीट पेपर लीक मामले पर सीजेपी के आंदोलन के बाद केन्द्र सरकार ने यह निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में भर्ती परीक्षाएं और प्रवेश परीक्षाएं पेपर लीक की वजह से रद्द करनी पड़ीं। इससे न केवल अभ्यर्थियों का समय और धन बर्बाद हुआ, बल्कि सरकारी भर्ती व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी गंभीर सवाल खड़े हुए। इसी चुनौती से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने एंटी पेपर लीक विधेयक लाया, जिसे संसद की मंजूरी मिलने के बाद कानून का रूप दिया गया। इसका उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना है। यह कानून संगठित परीक्षा माफियाओं पर कठोर कार्रवाई का प्रावधान करता है। पेपर लीक क्यों बना राष्ट्रीय चिंता का विषय ? भारत में हर वर्ष करोड़ों युवा सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए विभिन्न परीक्षाएं देते हैं। कई परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने से परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं और दोबारा आयोजित करनी पड़ीं। इसका सबसे बड़ा नुकसान उन ईमानदार अभ्यर्थियों को हुआ, जिन्होंने वर्षों तक मेहनत की थी। पेपर लीक केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास पर हमला है। इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है और योग्य उम्मीदवारों के अवसर प्रभावित होते हैं। इस कानून में कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं– सार्वजनिक परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक कराने, खरीदने, बेचने या प्रसारित करने को गंभीर अपराध माना गया है। संगठित गिरोहों और परीक्षा माफियाओं के खिलाफ कठोर दंड का प्रावधान है। दोषी पाए जाने पर लंबी अवधि की कारावास और भारी आर्थिक दंड लगाया जा सकता है। परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों की जवाबदेही भी तय की गई है ।इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रश्नपत्र लीक करने वालों पर भी समान रूप से कार्रवाई होगी। जांच एजेंसियों को ऐसे मामलों की गहन जांच के लिए विशेष अधिकार दिए गए हैं। युवाओं को क्या मिलेगा लाभ ? यदि कानून का प्रभावी ढंग से पालन किया गया तो इसके कई सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। परीक्षाओं की विश्वसनीयता बढ़ेगी। योग्य उम्मीदवारों को निष्पक्ष अवसर मिलेगा। भर्ती प्रक्रियाओं में देरी कम हो सकती है। परीक्षा माफियाओं के नेटवर्क पर अंकुश लगेगा। युवाओं का सरकारी संस्थाओं पर विश्वास मजबूत होगा। क्या केवल कानून बनाना पर्याप्त है ? विशेषज्ञों का मानना है कि केवल कठोर कानून बना देने से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। इसके साथ–साथ कई अन्य सुधार भी आवश्यक हैं। प्रश्नपत्र तैयार करने और सुरक्षित रखने की आधुनिक व्यवस्था विकसित की जाए। डिजिटल सुरक्षा को मजबूत किया जाए। परीक्षा केंद्रों की निगरानी तकनीकी माध्यमों से हो। परीक्षा कर्मचारियों का उचित सत्यापन किया जाए। समयबद्ध जांच और त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जाए। यदि कानून का क्रियान्वयन कमजोर रहा, तो कठोर दंड का भी अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ेगा। राज्यों की भूमिका अधिकांश भर्ती परीक्षाएं राज्य सरकारें आयोजित करती हैं। इसलिए राज्यों को भी अपनी परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित बनाना होगा। केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से ही इस कानून का पूरा लाभ मिल सकेगा। कुछ विशेषज्ञों ने यह भी कहा है कि कानून का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ होना चाहिए ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई न हो। जांच निष्पक्ष, वैज्ञानिक और साक्ष्यों के आधार पर होनी चाहिए। इसके अलावा, साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए डिजिटल सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा। एंटी पेपर लीक विधेयक को संसद से मंजूरी मिलना देश की परीक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह संदेश देता है कि सरकार परीक्षा माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई के पक्ष में है। हालांकि, किसी भी कानून की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। यदि सरकार, परीक्षा एजेंसियां, जांच संस्थाएं और राज्य प्रशासन मिलकर इस कानून को ईमानदारी से लागू करें, तो लाखों युवाओं का विश्वास बहाल हो सकता है और प्रतियोगी परीक्षाएं वास्तव में निष्पक्ष एवं पारदर्शी बन सकती हैं। अंततः किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी निष्पक्ष चयन प्रणाली होती है, और उसे सुरक्षित रखना सरकार तथा समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

मेष -आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। लंबे समय से रुका कार्य पूरा होने की संभावना है। परिवार के साथ समय सुखद बीतेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ -व्यापार में लाभ के योग बन रहे हैं। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखें। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। सेहत का ध्यान रखें।

मिथुन–आज नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। कार्यस्थल पर आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। अनावश्यक विवाद से बचें और धैर्य रखें। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग हैं।

कर्क–परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न होगा। संपत्ति से जुड़े मामलों में लाभ मिल सकता है। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह -आज भाग्य का साथ मिलेगा। सरकारी कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। व्यापार में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक साबित हो सकती है। परिवार का सहयोग मिलेगा।

कन्या–काम का दबाव अधिक रह सकता है, लेकिन मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। किसी नए निवेश से पहले विशेषज्ञ की सलाह लें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

तुला -आज का दिन संतुलित रहेगा। व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृश्चिक -लंबे समय से अटके कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। यात्रा लाभदायक हो सकती है। सेहत का ध्यान रखें।

धनु–भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलने के संकेत हैं। निवेश के लिए समय अनुकूल है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर–धैर्य और संयम बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन अनुभव से उनका समाधान निकाल लेंगे। आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। परिवार के बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कुंभ –नौकरी और व्यापार में प्रगति के योग हैं। नए संपर्क भविष्य में लाभ पहुंचा सकते हैं। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी यात्रा की योजना बन सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मीन–आज रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में खुशियों का वातावरण रहेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ रहेगा। पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है।

पशुधन संरक्षण में लखनऊ का उल्लेखनीय योगदान

(आदर अदीब पावेल बन्धु)
जिला सूचना अधिकारी

पशु चिकित्सा विभाग लखनऊ जनपद में पशुधन संरक्षण, पशु स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, गौसंवर्धन, डेयरी विकास तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विगत 09 वर्षों में विभाग ने पशुपालकों की आय वृद्धि, पशुधन उत्पादकता बढ़ाने, निराश्रित गोवंश संरक्षण तथा विभिन्न पशुधन विकास योजनाओं के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। विभाग की योजनाएं केवल उपचार सेवाओं तक सीमित न रहकर पशुधन आधारित आजीविका, संरक्षण और समावेशी विकास का मजबूत माध्यम बनकर उभरी हैं। पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशुओं के उपचार, टीकाकरण, रोग नियंत्रण तथा कृत्रिम गर्भाधान जैसी सेवाओं के माध्यम से पशुधन को सुरक्षित और उत्पादक बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। खुरपका–मुंहपका, ब्रूसेलोसिस तथा अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु व्यापक टीकाकरण अभियान चलाए गए, जिससे पशुधन संरक्षण को बल मिला है। निराश्रित बेसहारा गौवंश संरक्षण योजना के अंतर्गत जनपद लखनऊ में पिछले 09 वर्षों में 31,343 गौवंशों का संरक्षण 101 गौ आश्रय स्थलों में किया गया है। यह उपलब्धि गौसंरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण, पोषण और उपचार के लिए आश्रय स्थलों की स्थापना तथा संचालन ने पशु कल्याण और सामाजिक सहभागिता दोनों को बढ़ावा दिया है। गौसंरक्षण को और मजबूत बनाने की दिशा में वृहद गौ संरक्षण केंद्र निर्माण योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में जनपद लखनऊ में 14 वृहद गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण रु. 16.11 करोड़ की लागत से कराया गया है। यह आधारभूत संरचना न केवल निराश्रित गोवंश संरक्षण को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि पशु कल्याण की स्थायी व्यवस्था भी विकसित कर रही है। इन केंद्रों के निर्माण से गोवंश संरक्षण के लिए व्यवस्थित और दीर्घकालिक व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। दुग्ध उत्पादन संवर्धन और पशुपालकों की आय बढ़ाने की दिशा में नंदिनीधमनी नंदिनी योजना भी महत्वपूर्ण रही है। इस योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में जनपद लखनऊ में 09 लाभार्थियों को मिनी नंदिनी योजना का लाभ प्रदान किया गया है। यह योजना डेयरी गतिविधियों को बढ़ावा देकर स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित कर रही है। इसी प्रकार नेशनल लाइव स्टॉक मिशन के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में जनपद लखनऊ में 09 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। इस मिशन के माध्यम से पशुधन आधारित आजीविका, नस्ल सुधार, उत्पादन क्षमता वृद्धि और आधुनिक पशुपालन को प्रोत्साहन मिला है। यह मिशन पशुधन क्षेत्र में नवाचार और उत्पादकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। कुक्कुट विकास योजना 2022 के अंतर्गत भी जनपद लखनऊ में 09 लाभार्थियों को लाभ प्रदान किया गया है। इस योजना ने मुर्गी पालन को स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के स्रोत के रूप में प्रोत्साहित किया है। विशेषकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए कुक्कुट पालन आर्थिक सशक्तीकरण का प्रभावी साधन बनकर उभरा है।पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन तकनीकों, संतुलित आहार, रोग प्रबंधन और डेयरी संचालन संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। इन प्रयासों से पशुपालकों की दक्षता बढ़ी है और वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा मिला है। नस्ल सुधार के क्षेत्र में कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली नस्लों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि और पशुपालकों की आय में सुधार देखने को मिला है। विभाग द्वारा पशुधन को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। पशु चिकित्सा विभाग द्वारा मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स तथा ग्रामीण पशु स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से दूरस्थ क्षेत्रों तक उपचार सुविधा पहुंचाई गई है। समय पर उपचार और आपातकालीन सेवाओं ने पशुधन हानि को कम करने में सहायता की है। लखनऊ में पशुपालन आधारित आजीविका को सशक्त बनाने के लिए डेयरी, बकरी पालन तथा कुक्कुट पालन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है और किसानों की आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित हुए हैं। महिला सशक्तीकरण में भी पशुपालन योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। महिलाओं को डेयरी और लघु पशुपालन गतिविधियों से जोड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित किया गया है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से भी इन योजनाओं को गति मिली है। पशु चिकित्सा विभाग द्वारा चारा विकास, पशु पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों पर भी विशेष बल दिया गया है। संतुलित पोषण और वैज्ञानिक प्रबंधन से पशुओं की उत्पादकता और स्वास्थ्य दोनों में सुधार हुआ है। यदि उपलब्धियों को समग्र रूप में देखें तो गौसंरक्षण, पशुधन विकास, डेयरी प्रोत्साहन, कुक्कुट पालन और आधारभूत संरचना विकास जैसे क्षेत्रों में विभाग ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 31,343 गौवंश संरक्षण, 101 गौ आश्रय स्थल, 14 वृहद गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण, 16.11 करोड़ रुपये की लागत से आधारभूत संरचना विकास, तथा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को सहायता विभाग की सक्रिय कार्यप्रणाली को दर्शाती है। विभाग की सफलता में नियमित मॉनिटरिंग, पारदर्शी क्रियान्वयन और योजनाओं की सतत समीक्षा की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समय–समय पर निरीक्षण और समीक्षा के माध्यम से योजनाओं की प्रभावशीलता सुनिश्चित की गई है। आज पशु चिकित्सा विभाग लखनऊ केवल पशु उपचार तक सीमित न रहकर पशुधन आधारित आर्थिक विकास, सामाजिक सहभागिता और ग्रामीण समृद्धि का प्रमुख माध्यम बन चुका है। विभाग की योजनाएं किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण परिवारों को सशक्त बना रही हैं।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि पशु चिकित्सा विभाग लखनऊ ने विगत 09 वर्षों में पशुधन संरक्षण, गौसंवर्धन और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलधियां अर्जित की हैं। निराश्रित गौवंश संरक्षण योजना, मिनी नंदिनी योजना, नेशनल लाइव स्टॉक मिशन, कुकुट विकास योजना तथा वृहद गौ संरक्षण केंद्र निर्माण जैसी पहलें विभाग की प्रभावी कार्यशैली और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। ये उपलधियां लखनऊ के समग्र विकास और ग्रामीण समृद्धि को नई दिशा प्रदान कर रही हैं।

आंदोलन ने दिया मीडिया को आत्ममंथन का मौका

राजधानी दिल्ली के जंतर–मंतर पर विद्यार्थियों–युवाओं का आंदोलन शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के साथ भले ही समाप्त हो गया हो, पर उसकी गूंज एक लम्बे अर्से तक सुनाई देगी। इन तीस–पैंतीस दिनों के आंदोलन के दौरान बहुत कुछ ऐसा हुआ है जो अर्से तक याद रखा जायेगा। इस बहुत कुछ में युवाओं द्वारा 'गोदी मीडिया' के विरुद्ध लगाये गये नारे भी हैं जिन पर स्वयं मीडिया वालों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। जिस तरह मुख्यधारा के कुछ समाचार चैनलों के खिलाफ प्रदर्शनकारी आवाज़ उठा रहे थे वह अपने आप में मीडिया के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। जंतर–मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कुछ मीडिया कर्मियों पर जिस तरह के हमले हुए, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता। युवाओं को पूरा हक है कि वे मीडिया के प्रति अपने असंतोष का इज़हार करें, उनका गुस्सा भी जायज हो सकता है, पर पत्रकारों पर शारीरिक हमले का समर्थन नहीं किया जा सकता। यह सब कहने के बाद एक सवाल जो पूरी गंभीरता के साथ उठता है वह मीडिया की छवि का है। 'गोदी मीडिया' के नाम से मीडिया के जिस वर्ग को आज देश में जाना जा रहा है, वह कुल मिलाकर सरकार–समर्थक वर्ग ही है। सरकार की कमियों और अच्छाइयों दोनों को सामने लाना पत्रकारिता का काम है ।जनतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका बहुत स्पष्ट है–यह भूमिका ईमानदार पहरेदारी की है। जनतंत्र का चौथा स्तंभ है यह पहरेदार और इस स्तंभ की सबसे बड़ी ताकत इसकी विश्वसनीयता है। समाज पत्रकार से यह अपेक्षा करता है कि वह जो देख–समझ रहा है उसे ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ समाज के सामने रखेगा। यही उसकी निष्पक्षता का मानदण्ड है। था एक ज़माना जब अखबार में लिखे शब्द पर पाठक लगभग अंधविश्वास करता था। यह अंधविश्वास भी ठीक नहीं कहा जा सकता,

पर इतना तो कहना पड़ेगा कि यह विश्वास पत्रकारिता की सबसे कीमती पूंजी और सबसे बड़ी ताकत है। यह ताकत कमज़ोर पड़ती दिखने लगी है! आवश्यकता यह समझने की है कि यह स्थिति कैसे आयी ? आज़ादी प्राप्त करने से पहले तक हमारे देश की पत्रकारिता का इतिहास कुल मिला कर समाज–सेवा का ही था। विशेषकर भाषाई पत्रकारिता का इतिहास। देश के पहले हिंदी अखबार का तो ध्येय वाक्य ही 'हिंदी जन के हेत' यानी 'हिंदुस्तानियों के हित के लिए' था। एक मिशन थी पत्रकारिता। यह स्थिति एक अर्से तक बनी रही, पर धीरे–धीरे सेवा की जगह सत्ता हमारी पत्रकारिता पर हावी होती गयी। जंतर–मंतर पर युवा प्रदर्शनकारियों ने जिस पत्रकारिता पर हमला किया था वह सत्ता वाली पत्रकारिता ही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज देश की पत्रकारिता के एक बड़े वर्ग पर 'आंख मूंद कर सरकार–परस्ती' का आरोप लग रहा है। खुलेआम कहा जा रहा है कि देश के मीडिया का एक बड़ा वर्ग जैसे सरकार की गोद में जाकर बैठ गया है। इसी पक्षधरता का एक उदाहरण यह है कि युवाओं के इस आंदोलन के शुरुआती दौर में कई दिन तक हमारे समाचार चैनलों में कॉकरोच जनता पार्टी की गतिविधियां रहस्यमय ढंग से गायब ही रही थीं। अखबारों में भी इससे सम्बंधित समाचार मुख्यत: भीतर के पन्नों पर ही जगह पाते थे। बाद के दिनों में जब युवाओं का यह आंदोलन लगातार व्यापक होने लगा तो किसी के लिए इसकी अनदेखी करना संभव नहीं रह गया था। तब शायद पहली बार मुख्यधारा के समाचार चैनलों के प्रतिनिधि 'कॉकरोच–आंदोलन' की ज़मीनी रिपोर्टिंग के लिए पहुंचे थे– और तब शायद पहली बार 'गोदी मीडिया' पर युवाओं का गुस्सा इतना प्रखर होकर सामने आया था। हमेशा से पत्रकारिता की इज्जत रही है समाज में। मीडियाकर्मियों को अधिकांशत: आदर की दृष्टि से ही देखा जाता रहा है। आज जबकि पत्रकारिता मिशन की जगह व्यवसाय मात्र बन कर रह गयी है, अखबार को साबुन की टिकिया की तरह बेचा जा रहा है और देश का सबसे बड़ा 'मीडिया घराना' खुलेआम यह कहता दिखता है कि 'हम विज्ञापन का व्यापार करते हैं' तो समाज से यह अपेक्षा करना कि वह मीडिया की भूमिका को अतिरिक्त आदर के भाव से देखेगा, स्थिति को न समझने का उदाहरण ही माना जायेगा। और यदि पत्रकारिता एक विशिष्ट पेशा है तो मीडिया से यह आशा करना गलत नहीं होगा कि वह अपनी विशिष्टता की रक्षा के प्रति सावधान रहे। दुर्भाग्य से ऐसा होता दिख नहीं रहा। इसका ही परिणाम है कि आज हमारा मीडिया विश्वसनीयता के एक गहरे संकट से गुज़र रहा है। इस संकट के तीन बड़े कारण हैं व्यावसायिक दबाव, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सनसनीपरकता। इसके साथ ही 'सबसे पहले और सबसे आगे' का लालच भी मीडिया की विश्वसनीयता को कम कर रहा है। घटती विश्वसनीयता का यह संकट लगातार गहराता जा रहा है। इसके कारण कुछ भी रहे हों, पर यह स्पष्ट है कि मीडिया से जनता का भरोसा लगातार कम होता जा रहा है। पता लगायेंगे तो आपको ऐसे बहुत से पाठक और बहुत से दर्शक मिल जायेंगे जिन्होंने अखबार पढ़ना छोड़ दिया है अथवा टी.वी. पर समाचार देखना बंद कर दिया है। 'राइटर्स इंस्टीट्यूट डिजिटल न्यूज़ रिपोर्ट' के वैश्विक सर्वेक्षण के अनुसार पिछले एक दशक में अखबारों, रेडियो और टेलिविजन समाचारों को पढ़ने–देखने में दो अंकों की गिरावट आयी है। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि यह केवल नये लोगों द्वारा मीडियम न अपनाने के कारण नहीं है, बल्कि पुराने पाठक–दर्शक भी अब परम्परागत मीडिया से दूर होते जा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण विश्वसनीयता का घटना है। ऐसा नहीं है कि जनता की समाचारों में रुचि नहीं रही। जानना चाहते हैं लोग, पर अब उन्हें यह भी समझ आ रहा है कि मुख्यधारा का मीडिया अब अपने पाठकों–दर्शकों के बजाए अपने मालिकों के हितों के प्रति ज़्यादा उदार है। ये मालिक सत्ता के पक्ष में खड़े रहने में अपना अधिक लाभ देखते हैं। आज सरकारें मीडिया को जितना लाभ दे रही हैं, वह हैरान कर देने वाला है। टी.वी. चैनलों पर सरकारी विज्ञापनों की भरमार देखकर यह बात सहज ही समझ आ जाती है कि हमारा मीडिया क्यों सरकारों से डरा–डरा रहता है। भारत सरकार ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में बताया था कि 2014 से 2022 के बीच 6491 करोड़ रुपये विज्ञापनों पर खर्च किये गये। एक निजी चैनल को, जो स्वयं को सर्वश्रेष्ठ चैनल बताता है, 15 अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के बीच दस करोड़ चौदह लाख रुपये के विज्ञापन दिये थे। ये आंकड़े चार–पांच साल पुराने हैं, पर बहुत कुछ बता रहे हैं। कल्पना की जा सकती है कि एक महीने में सरकार से करोड़ों रुपये पाने वाला समाचार चैनल क्यों सरकार को नाराज़ करना चाहेगा ? समाचार चैनलों की यह सरकारपरस्ती उनकी विश्वसनीयता को घटाने का एक बड़ा कारण है। शायद सबसे बड़ा। जंतर–मंतर में 'गोदी मीडिया' (समाचार चैनल) पर प्रदर्शनकारियों का गुस्सा शायद इसीलिए फूटा था। जानकारी तो चाहिए जनता को, पर अब वह गलत और भ्रामक जानकारी को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। सरकार या बाज़ार या भीड़ के दबाव में आकर गलत जानकारी देने वाले हमारे मीडिया को अब यह समझना ही होगा कि विश्वसनीयता उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। विश्वसनीयता खोकर वह कहीं का नहीं रहेगा। उस दिन जो गुस्सा राजधानी दिल्ली में फूटा था, उसमें कुछ पत्रकारों पर हमला होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसका समर्थन नहीं किया जा सकता। वैसे भी, चैनल के पत्रकार तो अपने मालिकों के इशारों पर काम करते हैं। यह उनकी विवशता है। फिर भी जंतर–मंतर का ही यह दृश्य हमें सोचने की सामग्री दे सकता है– एक यू–ट्यूबर पत्रकार की जय के नारे लगा रहे थे, उसकी निष्पक्ष और साहसिक रिपोर्टिंग के लिए! ऐसे बहुत से पत्रकार हैं जो मीडिया की विश्वसनीयता को बचाने की कोशिश में लगे हैं। उनका अभिनंदन होना चाहिए।

असली गांधी तो एक बाकी सब अनुयायी

बात शायद 1985 की है। खान अब्दुल गफ्फार खान कांग्रेस के शताब्दी समारोह में शिरकत करने के लिए दिल्ली आये थे। उनका तब बहुत स्वागत–सत्कार हुआ था। स्वाधीनता संग्राम के दौर के उनके साथी अब नहीं के बराबर रह गये थे लेकिन विरासतों की तादाद अच्छी–खासी थी। अपनी ऊंची कद–काठी और गोरे रंग के कारण आज भी वह आकर्षण का केंद्र थे। मैं मिला तो उनसे पहले भी एक बार था मोहम्मद यूनुस के निवास पर लेकिन वह एक औपचारिक भेंट थी। उनसे दूर वाली मेरी मुलाकात तो मार्च–अप्रैल, 1947 में भी रावलपिंडी में हो चुकी थी जब वह महात्मा गांधी के साथ लालकुर्ती की एक सार्वजनिक सभा में आये थे। उस समय मेरी उम्र बारह बरस के करीब थी ।खान अब्दुल गफ्फार खान जब दिल्ली में आये तो वह अपने सम्मान में आयोजित कांग्रेस के अत्यधिक कार्यक्रमों से इतने थक गये थे कि उन्हें एम्स में भर्ती कराना पड़ा। वहां मैंने उनसे अकेले मिलने का प्रबंध कर लिया। मुझे वे प्यार से मिले। मैंने उन्हें बताया कि हम लोग रावलपिंडी से आये हैं तो वह आशीर्वाद देकर बोले, 'ठीक हैं न आप सब लोग। मुझे लगता है मैंने पहले भी कहीं आपको देखा है शायद मोहम्मद यूनुस के घर। वह मेरा भतीजा है।' क्या याददाश्त थी खान अब्दुल गफ्फार खान की। इसके बाद हमने खुल कर बातें कीं ।जब मैंने उनसे पूछा कि कैसी लगी मौजूदा कांग्रेस पार्टी और उसके नेता ? तो वह मुस्कुराकर बोले 'वक्त के साथ काफी कुछ बदल जाता है। कांग्रेस प्रमुख और वज़ीरेआज़म राजीव गांधी नेक इंसान लगता है। पंडित जवाहरलाल नेहरू का वह नाती और इंदिरा गांधी का बेटा। मुझे बहुत इज्ज़त बख्शी। जवाहरलाल तो मेरे भाई जैसे थे। और कई पुराने नेता भी मिले।'और गांधी जी के साथ आपके कैसे संबंध थे?' अब बादशाह खान रुंधे गले से बोले, 'मुझे सरहदी पेशावर के कबीलों की नेतागीरी से निकाल कर कांग्रेस में शामिल करने से लेकर स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ने की शुरुआत उन्होंने ही की थी।' सन ? 1931 के गांधी–इरविन समझौते में दर्ज है कि हिंसा के आरोपियों को छोड़ कर बाकी सभी राजनीतिक बंदी रिहा होंगे। यानी अगर किसी केस में हम दोनों को गिरफ्तार किया जाता है तो रिहाई भी साथ–साथ होगी। एक बार ऐसा नहीं हुआ था। लेकिन गांधी जी ने तुरंत लॉर्ड इरविन से कहा कि या तो गफ्फार खान को रिहा करो अथवा मुझे भी गिरफ्तार करो। कांग्रेस के दूसरे नेताओं का उनके प्रति क्या रुख था तो बादशाह खान ने बताया कि सभी नेताओं ने सरहद के हम पश्तूनों का दिल खोल स्वागत किया चाहे पंडित नेहरू रहे हों या वल्लभभाई पटेल, अबुल कलाम आज़ाद या डॉ. राजेन्द्र प्रसाद अथवा सुभाषचंद्र बोस देश के स्वाधीनता संग्राम में हमारी सक्रिय भूमिका के कौल का इस्तकबाल किया। उन्हें यह पता था कि हमारे खुदाई खिदमतगार अहिंसा में यकीन रखते हैं। आपके अहिंसक खुदाई खिदमतगार आन्दोलन की वजह से आपको 'सरहदी गांधी' या 'सीमांत गांधी' कहा जाता है, इस सवाल पर हंसते हुए बोले, 'भई असली गांधी तो एक ही है, हम तो सब उसके अनुयायी हैं।' सुना जाता है कि आप और गांधी जी हिंदुस्तान के बंटवारे के हक़ में नहीं थे तो यह विभाजन हुआ कैसे और क्यों ? जहां तक मैं समझता हूं कि कुछ बड़े नेताओं की यह दलील थी अंग्रेज़ तो देश छोड़ कर जायें, बदले में हमें विभाजन मंज़ूर कर लेना चाहिए। हक़ीक़त समझ आपने तो भारत और पाकिस्तान को अलग देश के तौर पर स्वीकार कर लिया था लेकिन पाकिस्तान की हुकूमत क्यों आपको शक़ की नज़र से देखती रही ? खान अब्दुल गफ्फार खान ने कहा कि इसे हम बदकिस्मती ही कहेंगे। हमने तो हुकूमत से कहा था कि जिस तरह आपके पंजाब, सिंध, पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बंगलादेश) व बलूचिस्तान सूबे हैं वैसे ही पुश्तूनिस्तान भी रहेगा। लेकिन पाकिस्तान की सरकार ने कई इल्जाम लगाकर गिरफ्तार कर लिया गया। मुल्क के खिलाफ साजिश रचने का भी आरोप लगा। मेरे बेटों को भी हिरासत में ले लिया, हम पर बेइंतहा ज़ुल्म ढाये। करीब 15 साल मैं अंग्रेजों की जेल में रहा और 15 ही बरस इस्लामी शासन की जेलों में। मेरे गुर्दे का रोग बहुत बढ़ गया तो इलाज के लिए मुझे जुलाई, 1964 में रिहा किया। क्या पाकिस्तान की हुकूमत और लीडरान को इल्म नहीं था कि आपकी लड़ाई अंग्रेज़ हुकूमत के खिलाफ थी जिसमें हिन्दू–मुसलमान–सिख–ईसाई सभी शामिल थे ? बादशाह खान का कहना था 'इस्लामी सरकार हर चीज़ से वाकिफ थी लेकिन आज़ादी के बावजूद वहां के कारकून अंग्रेजों के पिट्ठू बने रहे। जिन्ना जल्दी इंतकाल फरमा गये, उनके बाद वज़ीरेआज़म लियाकत अली भी ज्यादा देर ज़िंदा नहीं रहे।

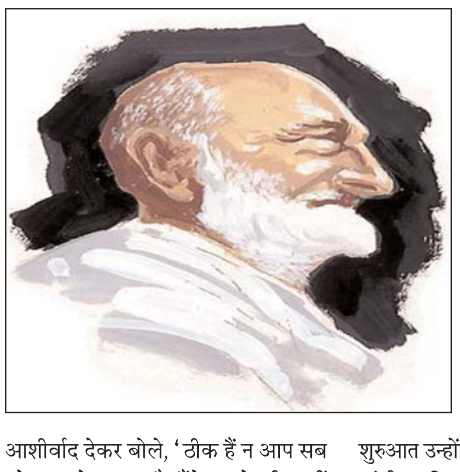

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

विकास को मुंह चिढ़ा रहा रूद्रपुर-नकइल मार्ग

-10 वर्षों में नहीं हुई रिपेयरिंग

रूद्रपुर, देवरिया। विधानसभा रुद्रपुर से राप्ती नदी के तट पर बसे नकईल गांव को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। वास्तव में इस मार्ग को सड़क कहना ही बेमानी होगी। गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्ढा इंजीनियर ही बता सकता है। बरसात के दिनों में 8 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर साइकिल व मोटरसाइकिल चालक अक्सर गिरकर चोटिल होते हैं। रुद्रपुर से नकईल के बीच में बसे दर्जन भर गांव के लोग जब इस मार्ग पर चलते हैं तो मौजूद भाजपा सरकार के जनप्रतिनिधियों को खरी-खोटी सुनाते हैं। बावजूद इसके विकास का पर्याय बने जनप्रतिनिधियों को कोई लेना-देना नहीं है। सपा नेता प्रदीप यादव का कहना है कि विगत 10 वर्षों से इस सड़क पर कोई रिपेयरिंग का कार्य नहीं हुआ। गड्ढ़ो में ना तो मिटटी भरी गई और ना ही सड़क पिच बन सकी। चाहे बाजार के लिए आने वाले लोग हों ,रोजगार के लिए आने वाले लोग हों या स्कूली बच्चे सभी अपनी किस्मत का रोना रो रहे हैं। लोगों का कहना है कि रुद्रपुर विधानसभा की ये सड़क अपने अभूतपूर्व विकास पर रो रही है ।और सड़क में बने अनगिनत गड्ढे विकास को मुंह चिढ़ा रहे हैं। वर्तमान में सोशल मीडिया पर सड़क को लेकर जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। लोग सोशल मीडिया के माध्यम से अपने क्षेत्रीय विधायक को कोस रहे हैं और प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क दुरुस्त करने की मांग कर रहे हैं।

माटी कला बोर्ड का स्थापना दिवस खजनी में धूमधाम से मनाया

कार्यक्रम में कुम्हारों को सम्मानित किया गया, मिट्टी के उत्पादों की प्रदर्शनी

खजनी, गोरखपुर उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड का स्थापना दिवस कंबल कारखाना खजनी के सभागार में उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खजनी विधानसभा के विधायक श्री राम चौहान ने की। कार्यक्रम में काजल कुम्हार आजीविका जागरूकता लीग के तहत 40 कुम्हार परिवारों को इलेक्ट्रिक चाक, टूल किट और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। माटी कला बोर्ड के अधिकारियों ने कुम्हारों को सरकारी योजनाओं, सब्सिडी और बाजार उपलब्धता की जानकारी दी। इस अवसर पर मिट्टी के दीये, कुल्हड़, गमले और सजावटी सामान की प्रदर्शनी भी लगाई गई। विधायक जी ने कहा कि 'माटी कला हमारी संस्कृति है। इसे बचाने के लिए हर घर में मिट्टी के उत्पाद अपनाने होंगे। कार्यक्रम में बीडीओ खजनी, रमेश शुक्ला पूर्व मंडल अध्यक्ष धरनीधर राम त्रिपाठी महादेव मंडल के दुर्गेश पटवा,जगदीश चौरसिया,खजनी ब्लाक प्रमुख के प्रतिनिधि अंशुमाली धर द्विवेदी विनोद पांडे एडवोकेट आदर्श राम त्रिपाठी गजेंद्र राम त्रिपाठीऔर बड़ी संख्या में कुम्हार समाज के लोग मौजूद रहे। अंत में उत्कृष्ट कारीगरों को 'माटी रत्न सम्मान' से नवाजा गया।

गोरखपुर जेल में बंदी फरार होने से हड़कंप

» बैरकों में शुरू हुई सघन गिनती; पॉक्सो एक्ट में 12 दिन पहले हुआ था निरुद्ध
» उक्त सूचना खबर को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नही!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जिला कारागार गोरखपुर में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब पॉक्सो एक्ट के एक मामले में निरुद्ध बंदी के लापता होने की सूचना सामने आई। सूचना मिलते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और पूरे कारागार परिसर में सुरक्षा व्यवस्था तत्काल कड़ी कर दी गई। सभी बैरकों की गिनती शुरू कराई गई, जबकि बंदी रक्षकों और अधिकारियों ने जेल परिसर के हर हिस्से की सघन तलाशी शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, बांसगांव थाना क्षेत्र के रहने वाले विपिन को एक नाबालिग लड़की को भगाने के मामले में पुलिस ने 18 जुलाई को गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। उसी दिन न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार गोरखपुर भेज दिया गया था।

वह पिछले 12 दिनों से जेल में बंद था

शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे अचानक यह सूचना फैली कि बंदी विपिन अपनी बैरक में मौजूद नहीं है। सूचना मिलते ही जेल प्रशासन ने तत्काल सभी बैरकों से बंदियों को बाहर निकलवाकर गिनती शुरू कराई। सुरक्षा कर्मियों ने जेल परिसर के प्रत्येक हिस्से की तलाशी ली, लेकिन काफी देर तक विपिन का कोई सुराग नहीं मिल सका। इस घटना के बाद जेल प्रशासन के साथ-साथ पुलिस महकमे में भी हलचल तेज हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए शाहपुर पुलिस को भी सूचना दी गई, जिसने बंदी की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, बांसगांव थाने की पुलिस से भी संपर्क कर आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों द्वारा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बंदी वास्तव में जेल से फरार हुआ है या किसी अन्य कारण से गिनती में अनुपस्थित पाया गया।

फिलहाल जेल प्रशासन पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटा हुआ है। सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है तथा जेल परिसर के सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। बंदी के संबंध में आधिकारिक पुष्टि और जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। यदि फरारी की पुष्टि होती है, तो यह जिला कारागार की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर सकती है और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जा सकती है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

चुनार, मीरजापुर। कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया पुलिस ने आरोपी करन पुत्र प्रकाश निवासी शहंशाहपुर जनपद वाराणसी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी करन को शुक्रवार को माननीय न्यायालय को भेज दिया। यह कार्यवाही दो दिन पूर्व एक व्यक्ति ने शिकायत में तहरीर देकर बताया था कि नामजद अभियुक्त ने नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर अन्यत्र जगह ले जाकर दुष्कर्म किया है ।घटना के बारे पुछे जाने पर जान से मारने पीटने की धमकी देने का आरोप लगाया था।शिकायत के आधार कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय को भेज दिया गया।

पुलिस व्यवस्था पर गोरखपुर में बड़ा एक्शन

कोतवाली प्रभारी लाइन हाजिर, नगर निगम चौकी प्रभारी निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने शुक्रवार को पुलिस विभाग में अनुशासन और जवाबदेही को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक छत्रपाल सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। वहीं नगर निगम चौकी प्रभारी, महिला उपनिरीक्षक दीपशिखा को कर्तव्यों के प्रति घोर उदासीनता, लापरवाही और स्वेच्छाचारिता पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। एसएसपी द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, दोनों अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा के दौरान उनके दायित्वों के निर्वहन में गंभीर अनियमितताएं सामने आई। इसके बाद थाना प्रभारी कोतवाली को लाइन हाजिर करने का निर्णय लिया गया, जबकि नगर निगम चौकी प्रभारी के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई करते हुए विभागीय जांच भी शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने और पुलिसिंग की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कर्तव्य निर्वहन में उदासीनता या अनुशासनहीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी की इस कार्रवाई को पुलिस महकमे में अनुशासन स्थापित करने की दिशा में एक सख्त संदेश माना जा रहा है। विभागीय जांच पूरी होने के बाद संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में जवाबदेह, पारदर्शी और प्रभावी पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ऐसे कदम आगे भी लगातार उठाए जाते रहेंगे।

अनाथ बच्चों के सहारे को मजबूत करने की पहल

अधिकारियों ने मौके पर बनाई परिवारों की प्रोफाइल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। शासन की प्राथमिकताओं में शामिल महराजगंज पहल कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को विकास खण्ड नौतनवा के सभागार कक्ष में खण्ड विकास अधिकारी अमित कुमार मिश्र के नेतृत्व में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से लाभान्वित बच्चों एवं उनके परिवारों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लाभार्थी परिवारों की विस्तृत प्रोफाइल तैयार कर उन्हें पात्रता के अनुसार शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करना है ताकि इन परिवारों को सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर बच्चों के समग्र विकास को नई दिशा दी जा सके। इसी क्रम में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रूप से विकास खण्ड कार्यालय में आमंत्रित किए गए बच्चों और उनके अभिभावकों की वास्तविक आवश्यकताओं का गहन आकलन करते हुए उनकी विशिष्ट प्रोफाइल तैयार की गई, जिसके अंतर्गत लाभार्थियों के फैमिली आईडी, आयुष्मान भारत कार्ड, राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांग पेंशन, व्यक्तिगत शौचालय एवं प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं के संबंध में मौके पर ही आवश्यक जानकारी व दस्तावेज एकत्र किए गए तथा पात्र परिवारों को इन सभी योजनाओं से तत्काल जोड़ने की विधिक कार्यवाही प्रारंभ की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस अनूठी पहल से जहां लाभार्थी परिवारों के जीवन स्तर में तेजी से सुधार होगा, वहीं बेसहारा बच्चों के भविष्य और उनकी शिक्षा को एक सुदृढ़ सुरक्षा कवच मिलेगा। इस महत्वपूर्ण शिविर के दौरान खण्ड विकास अधिकारी अमित मिश्रा, एडीओ पंचायत रामकृष्ण प्रसाद, सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण राकेश वर्मा, केंद्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर नौतनवा साधना त्रिपाठी, ग्राम पंचायत सचिव परमेश्वर दूबे, संजय पाण्डेय, दिनेश पासवान, पुष्पेन्द्र राय सहित विकास खण्ड स्तरीय अधिकारी, संबंधित विभागों के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में लाभार्थी परिवारों के लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बागवानी योजनाओं से जुड़ेंगे किसान, डीएम ने दिए शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरे करने के निर्देश

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) के तहत वर्ष 2026-27 के लक्ष्यों, नवीन दिशा-निर्देशों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि मिशन के अंतर्गत स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, केला, पपीता, पुष्प, मसाला, औषधीय एवं सुगंधित फसलों, संकर सब्जियों तथा बागवानी यंत्रीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा। लाभार्थियों का चयन ऑनलाइन आवेदन और प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजनाओं के तहत किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों में 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। फल क्षेत्र विस्तार, सब्जी उत्पादन, पुष्प उत्पादन, मसाला खेती, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, प्लास्टिक मल्चिंग और बागवानी यंत्रीकरण जैसी गतिविधियों को शामिल किया गया है। बैठक में अमरूद, ड्रैगन फ्रूट, केला, हाइब्रिड सब्जियां, गेंदा, ग्लैडियोलस, प्याज और लहसुन सहित विभिन्न फसलों के निर्धारित लक्ष्यों की जानकारी दी गई।

गोरखपुर पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

● चार क्षेत्राधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जनपद गोरखपुर पुलिस प्रशासन में शुक्रवार को महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश के अनुसार चार राजपत्रित पुलिस अधिकारियों (सीओ) के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस बदलाव को कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा पुलिस कार्यप्रणाली में बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। जारी आदेश के अनुसार श्री कीर्ति निधि आनन्द, जो अब तक क्षेत्राधिकारी गीडा के पद पर कार्यरत थे, उन्हें क्षेत्राधिकारी कैण्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं श्रीमती आभा सिंह, जो क्षेत्राधिकारी कैण्ट के पद पर तैनात थीं, अब क्षेत्राधिकारी गीडा का कार्यभार संभालेंगी। दोनों अधिकारियों के बीच दायित्वों का परस्पर स्थानांतरण किया गया है। इसी क्रम में दीपांशी राठौर, जो अब तक क्षेत्राधिकारी यातायात के रूप में कार्य कर रही थीं, उन्हें क्षेत्राधिकारी खजनी नियुक्त किया गया है। दूसरी ओर श्री मनीष शर्मा, जो क्षेत्राधिकारी खजनी के पद पर तैनात थे, उन्हें क्षेत्राधिकारी यातायात का नया दायित्व सौंपा गया है।

पुलिस विभाग की ओर से जारी इस आदेश के बाद संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए कार्यस्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि बदलते हालात, कानून-व्यवस्था की आवश्यकताओं तथा प्रशासनिक दृष्टि से बेहतर कार्य निष्पादन को ध्यान में रखते हुए यह फेरबदल किया गया है। गौरतलब है कि गोरखपुर जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन तथा थाना क्षेत्रों की प्रभावी निगरानी में क्षेत्राधिकारियों की

भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में इन अधिकारियों के नए दायित्वों से विभिन्न सर्किलों में पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस महकमे में हुए इस प्रशासनिक बदलाव के बाद सभी की निगाहें नए तैनात अधिकारियों की कार्यशैली और उनके नेतृत्व में संबंधित क्षेत्रों में होने वाले पुलिस कार्यों पर रहेंगी। माना जा रहा है कि नई जिम्मेदारियों के साथ अधिकारी जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान, अपराध नियंत्रण तथा बेहतर पुलिसिंग को प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

खजनी तहसील में न्यायिक व्यवस्था सुधार की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी/गोरखपुर। तहसील खजनी में तहसीलदार न्यायालय/ तहसीलदार न्यायिक के बहिष्कार को लेकर लंबे समय से चली आ रही अधिवक्ताओं की हड़ताल के बीच शुक्रवार को बार एसोसिएशन खजनी का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी दीपक मीणा से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार न्यायालय/तहसीलदार न्यायिक के न्यायालय की हड़ताल को लेकर एक मांगपत्र दिया। तथा तहसीलदार खजनी का स्थानांतरण कर तत्काल न्यायिक व्यवस्था बहाल करने तथा लंबित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण की मांग उठाई जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। बताया जाता है कि 22 जनवरी 2026 से तहसीलदार न्यायालय में मुकदमे के निस्तारण को लेकर अधिवक्ताओं और तहसीलदार के बीच विवाद बना हुआ है तथा अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत है बार एशोसियेसन के पदाधिकारी ने समस्या के समाधान व स्थानांतरण की मांग को लेकर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बार एसोसिएशन खजनी के अध्यक्ष सत्य प्रकाश श्रीवास्तव (एडवोकेट) के नेतृत्व में अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिला।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि 22जनवरी 2026 से तहसीलदार खजनी ध्रुवेश कुमार सिंह के न्यायालय में न्यायिक कार्य पूरी तरह से बंद है अधिवक्ताओं को लगातार आंदोलन करना पड़ रहा है। न्यायालय में लंबित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिससे वादकारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने अधिवक्ताओं की बात गंभीरता से सुनी और तत्काल तहसीलदार न्यायिक के सभी लंबित मुकदमों को अन्य सक्षम न्यायालय में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। ज्ञातव्य है कि तहसीलदार खजनी के पास तहसीलदार न्यायालय व तहसीलदार न्यायिक दो पद है एक पद को जिलाधिकारी महोदय ने तत्काल हटा दिया उन्होंने कहा कि जनपद में तहसीलदारों की कमी है, लेकिन शासन स्तर पर नए तहसीलदारों की तैनाती की प्रक्रिया चल रही है। जैसे ही नए अधिकारियों की नियुक्ति होगी, खजनी की समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अतिरिक्त जिलाधिकारी (प्रशासन) को भी पूरे मामले का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद बार एसोसिएशन का

प्रतिनिधिमंडल एडीएम (प्रशासन) से भी मिला और विस्तृत रूप से अपनी समस्याएं रखीं। एडीएम ने अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया कि शासन और जिला प्रशासन के स्तर पर समन्वय बनाकर जल्द ही उचित समाधान कराया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उमापति उपाध्याय, मंत्री अनुज आस्थाना, संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) आशुतोष दुबे, तहसील बार एसोसिएशन के महामंत्री चन्द्रमौलि कुमार शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईश्वर चन्द्र सिंह, संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) अजय कुमार सिंह, अनूप सिंह एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। अधिवक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आगे की रणनीति बनाकर आंदोलन को और तेज करने के लिए बाध्य होंगे। प्रशासन के आश्वासन के बाद फिलहाल अधिवक्ताओं को सकारात्मक समाधान की उम्मीद जगी है।

मुख्यमंत्री जी तीन साल में उखड़ गई डामर सड़क

बड़े-बड़े गड्ढों से ग्रामीणों की बढ़ी मुश्किलें; मरम्मत की उठी मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। विकासखंड रुपईडीह अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरिया कला में खरगूपुर-इटियाथोक मुख्य मार्ग से पंडित शुक्ला के दरवाजे तक बनी लगभग 400 मीटर डामर सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने से राहगीरों, स्कूली बच्चों, किसानों एवं वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति के कारण किसी भी समय बड़ा सड़क हादसा हो सकता है।ग्रामीणों के अनुसार, इस सड़क का निर्माण वर्ष 2022 में कटरा बाजार विधानसभा क्षेत्र के विधायक बावन सिंह के द्वारा कराया गया था। लेकिन निर्माण के महज तीन वर्ष के भीतर ही सड़क की डामर परत उखड़ गई और कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। बरसात के मौसम में इन गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का पता नहीं चल पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग गांव के लोगों के साथ-साथ स्कूली बच्चों, किसानों और दैनिक आवागमन करने वाले लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण लोगों को प्रतिदिन जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है। ग्रामीण अमरनाथ तिवारी, प्रबल प्रताप सिंह, आशुतोष तिवारी, प्रभाकर तिवारी, अखिलेश तिवारी, राम गोपाल तिवारी, श्रीकांत तिवारी, जीवन बाबू पांडे, ओमकार पांडे, कीर्ति प्रकाश शिवशंकर तिवारी एवं रामभवन आर्य सहित अन्य लोगों ने शासन-प्रशासन तथा संबंधित विभाग से तत्काल सड़क का निरीक्षण कराकर उसकी मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। साथ ही सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की भी मांग की गई है।ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने जनहित को देखते हुए संबंधित विभाग से तत्काल कार्रवाई कर सड़क को आवागमन योग्य बनाने की मांग की है।

आइस फैक्ट्री में अमोनिया गैस का रिसाव, फायर ब्रिगेड टीम ने टाला बड़ा हादसा

अलीगढ़। शहर के दुबे के पड़ाव स्थित मीनाक्षी पुल के नीचे संचालित गुप्ता आइस फैक्ट्री में शुक्रवार सुबह अमोनिया गैस का रिसाव होने से आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। गैस की तेज गंध महसूस होने पर स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर सर्विस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गैस रिसाव पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना पर थाना गांधी पार्क पुलिस, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) मुकेश कुमार, फायर स्टेशन अधिकारी (एफएसओ) संजीव कुमार सिंह भी टीम के साथ पहुंच गए। राहत एवं बचाव कार्य के लिए फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां भी मौके पर भेजी गईं। फायर सर्विस की टीम ने जांच में अमोनिया गैस के रिसाव की पुष्टि की और तत्काल आवश्यक तकनीकी उपाय अपनाकर रिसाव को नियंत्रित कर दिया। अधिकारियों की तत्परता के चलते किसी प्रकार की जनहानि या अन्य बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। घटना के बाद अधिकारियों ने फैक्ट्री संचालक अभिषेक अग्रवाल को भविष्य में ऐसी लापरवाही न बरतने की सख्त चेतावनी दी।

एक सप्ताह में धनराशि जमा न करने वाले सचिवों पर दर्ज होगी एफआईआर

» 28 सचिवों को जारी हुई थी धनराशि वसूली नोटिस, 9 समितियों ने जमा की पूरी धनराशि, शेष सचिवों पर होगी कार्रवाई
» एक सप्ताह की अंतिम मोहलत, भुगतान न करने वालों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई एवं एफआईआर होगी दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। जनपद में सहकारिता विभाग द्वारा वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने एवं बकाया धनराशि की वसूली के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 18 जुलाई,2026 को कुल 28 सचिवों को धनराशि जमा करने के संबंध में नोटिस जारी की गई थी। विभाग द्वारा प्राप्त अद्यतन प्रगति रिपोर्ट के अनुसार 9 समितियों के सचिवों ने निर्धारित सम्पूर्ण धनराशि जमा कर दी है, जबकि 5 सचिवों द्वारा आंशिक धनराशि जमा की गई है। इसके अतिरिक्त 11 सचिवों द्वारा अभी तक कोई भी धनराशि जमा नहीं की गई है तथा शेष सचिवों द्वारा भी निर्धारित धनराशि का पूर्ण भुगतान नहीं किया गया है। विभाग द्वारा सभी मामलों की समीक्षा करते हुए वसूली प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक (एआर कोआपरेटिव) रविशंकर चौधरी को निर्देशित किया कि सभी संबंधित सचिवों की अद्यतन स्थिति का विस्तृत एवं तथ्यात्मक प्रतिवेदन तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन सचिवों द्वारा नोटिस जारी होने के बाद भी अपेक्षित धनराशि जमा नहीं की गई है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि विभागीय स्तर पर किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित निगरानी की जाएगी।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि जिन सचिवों द्वारा आगामी एक सप्ताह के भीतर सम्पूर्ण बकाया धनराशि जमा नहीं की जाएगी, उनके विरुद्ध तत्काल विभागीय कार्रवाई प्रारम्भ की जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि ऐसे सचिवों के विरुद्ध नियमानुसार एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई भी पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी धन की सुरक्षा एवं वित्तीय जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर अनियमितता या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डॉक्टर्स इलेवन ने 4 विकेट से दर्ज किया जीत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकर नगर। आराध्या श्री फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित सड़क सुरक्षा सद्भावना कप में डॉक्टर्स इलेवन ने क्रिएटर्स चैंपियन्स अम्बेडकरनगर को 4 विकेट से हराया। तीन मैचों की श्रंखला में 2-0 की अजेय बढ़त। सड़क सुरक्षा सद्भावना कप में आज सुबह विशाल क्रिकेट एकेडमी पर क्रिएटर्स चैंपियन्स के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। डॉक्टर्स इलेवन के गेंदबाजों ने सटीक नियंत्रित गेंदबाजी करते हुए इस निर्णय को गलत साबित कर दिया और पूरी टीम 12.5 ओवर में 51 रनों पर सिमट गई। डॉक्टर्स इलेवन के कहर बरपाती घातक गेंदबाजी के सामने इनके सभी बल्लेबाज घुटने टेकने पर मजबूर हो गए और नियमित अंतराल पर लगातार विकेट गिरते रहे। क्रिएटर्स चैंपियन्स का कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक को नहीं छू सका । अंगद ने सर्वाधिक 9 रन बनाये। डॉक्टर्स इलेवन के लिए स्पिनर डॉ उत्कर्ष सिंह ने तीन ओवर दो मेडेन पांच रन के साथ

सबसे किफायती गेंदबाजी करते हुए 2 कीमती विकेट लिये। रोहित और अनीश को दो-दो विकेट मिला। डॉक्टर्स इलेवन के कप्तान डॉ जीडी वर्मा ने शानदार कप्तानी करते हुए अपने गेंदबाजी में लगातार परिवर्तन करते रहे जिससे क्रिएटर्स के बल्लेबाज गेंदबाजी को पढ़ने में नाकामयाब रहे और लंबी पारी नहीं कर सके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए डॉक्टर्स इलेवन ने 11.2 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 52रन बनाकर मैच को चार विकेट से जीत लिया। डॉ अभिनीत ने 17 और ओपनर बल्लेबाज डॉ चंद्रभान ने एक छोर को सम्भालकर खेलते हुए 9 रन बनाये । मैच के मुख्य अतिथि डॉक्टर विवेक श्रीवास्तव ऑर्थोपेडिक सर्जन हड्डी रोग विशेषज्ञ राजकीय महामाया मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर अम्बेडकरनगर रहे।

उन्होंने कहा जीत और हार खेल का एक हिस्सा है लेकिन हर मुकाबला हमें कुछ नया शिक्षा देकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है । इस प्रकार के खेल आयोजन से लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा यातायात के नियमों का पालन करने में मदद मिलेगी। आराध्या श्री फाउंडेशन के द्वारा आयोजित खेल के जरिए सड़क सुरक्षा यातायात के नियमों का पालन करने के लिए सभी लोगों को लगातार प्रेरित किया जा रहा है। प्लेयर ऑफ द मैच मैच डॉक्टर अभिनीत यादव, बेस्ट गेंदबाज डॉक्टर उत्कर्ष सिंह तथा बेस्ट बल्लेबाज का पुरस्कार डॉक्टर चन्द्रभान को मिला। मैच में अम्पायर कमेंटेटर की भूमिका में अजय श्रीवास्तव, डॉक्टर एस एम बाकिर, स्कोरर विक्रम सिंह,गौरव रहे।इस अवसर पर डॉ प्रमोद यादव, डॉक्टर प्रवेश वर्मा, डॉ साजन देव, डॉ सिद्धांत ,डॉ आमोद, डॉ विमल, सुनील कुमार, धीरेंद्र, अंगद, मंगलेश, रोहित, छोटू सहित सभी खेल प्रेमी मौजूद रहे।

प्रशासन ने हटाया अवैध कब्जा, रास्ता कराया मुक्त

भदोही। तहसील भदोही क्षेत्र के रामनगर गांव में शुक्रवार को राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने सरकारी सार्वजनिक रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर भूमि को कब्जामुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान जेसीबी की सहायता से अतिक्रमण हटाया गया और पूरे अभियान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई। राजस्व विभाग के अनुसार, ग्राम रामनगर स्थित गाटा संख्या 596 (रकबा 0.0670 हेक्टेयर) राजस्व अभिलेखों में सार्वजनिक रास्ते के रूप में दर्ज है। इस भूमि पर प्रेमशंकर मिश्र द्वारा किए गए अवैध कब्जे को तहसीलदार न्यायालय के आदेश के अनुपालन में हटाया गया। कार्रवाई पूरी होने के बाद मौके पर स्पॉट मेमो भी तैयार किया गया।

अभियान के दौरान राजस्व अधिकारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। स्पॉट मेमो पर गवाह के रूप में आशीष मिश्रा, श्यामधर मिश्र, रामचंद्र मिश्र, कैलाशनाथ मिश्र एवं त्रिलोकीनाथ मिश्र सहित अन्य लोगों के हस्ताक्षर भी कराए गए। कार्रवाई के दौरान उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, हल्का लेखपाल एवं थाना प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि और सार्वजनिक रास्तों पर अवैध कब्जे के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा न्यायालय के आदेशों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानाचार्य परिषद की बैठक में नवीन कमेटी गठन एवं चुनाव पर हुई चर्चा

बरेली। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद बरेली की जिला इकाई की बैठक शुक्रवार को गुलाब राय इण्टर कॉलेज बरेली में विद्यालय के प्रधानाचार्य डा० एस० पी० पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई , जिसमें वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण होने के उपरांत नवीन कार्यकारिणी के चुनाव या सर्व सम्मति से चयन पर चर्चा हुई। सभी मौजूद पदाधिकारियों ने सर्व सम्मति से निर्णय लिया कि आगामी 23 अगस्त रविवार को प्रांतीय कार्यकारिणी दिशा निर्देश पर चुनाव या सर्व सम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा । बैठक में डाक्टर हरि ओम मिश्र , डाक्टर लाखन सिंह , डाक्टर अजीत सक्सेना , डाक्टर कुलदीप कुमार विश्नोई , डाक्टर संतोष कुमार गुप्त चमन जहां , मृदुला चंद्रा, डाक्टर मीना जैन , अरविंद कुमार शर्मा , सैयद जाकिर अली , विवेक मोहन आदि मौजूद रहे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों व कांवड़ यात्रा मार्गों का निरीक्षण

कानपुर। अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जनपद कन्नौज भ्रमण दौरान कोतवाली कन्नौज क्षेत्र स्थित मेहंदी घाट एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर राहत एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया गया। संबंधित अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाए रखने, आमजन की सुरक्षा, समस्त घाटों पर गोताखोरों की तैनाती तथा आवश्यक राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत कोतवाली कन्नौज एवं कोतवाली गुरसहायगंज क्षेत्र के कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, पुलिस तैनाती तथा श्रद्धालुओं की सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सकुशल संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक प्रबंध समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से सुनिश्चित किए जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान यमुना प्रसाद, पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर, आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, जिलाधिकारी जनपद कन्नौज, विनोद कुमार, पुलिस अधीक्षक जनपद कन्नौज सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

क्रिकेट बाक्स का लोकार्पण आज

कानपुर। विधायक सलिल विश्नोई की विधायक विकास निधि से निर्मित अत्याधुनिक क्रिकेट बाक्स का लोकार्पण आज दिनांक 1-08-2026 को सायं 6.00 बजे अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेटर आई.पी.एल. खिलाड़ी अंकित सिंह के करकमलों द्वारा किया जायेगा।

अन्ना पशुओं को पकड़ने की सभासद ने उठाई मांग, ईओ को दिया ज्ञापन

कोंच(जालौन)- कस्बे के मुख्य मार्ग सहित बाजार और गली कूचों में हर समय बड़ी संख्या में घूम रहे आवारा पशुओं (गौवंश) के चलते नागरिकों खासकर महिलाओं, बच्चों और बूढ़ों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, इसके बाद भी नगर पालिका प्रशासन कार्यवाही करता हुआ नजर नहीं आ रहा है। कस्बे की इस प्रमुख समस्या को लेकर गांधीनगर पूर्वी इलाके के सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव को ज्ञापन सौंपकर इन आवारा पशुओं को तत्काल पकड़वाकर गौशाला भेजने की मांग की है। ज्ञापन में सभासद ने कहा कि नगर क्षेत्र की सड़कों पर आवारा पशुओं का जमावड़ा बना रहता है जिससे विद्यालय आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं, राहगीरों तथा दोपहिया और चौपहिया वाहन चालकों को हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। कई बार ये पशु सड़क पर आपस में लड़ने लगते हैं जिससे हादसा होने की आशंका बनी रहती है और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है। सभासद ने जनहित को ध्यान में रखते हुए अधिशासी अधिकारी से मांग की है कि नगर क्षेत्र में घूम रहे आवारा पशुओं को तत्काल पकड़कर सुरक्षित गौशाला में पहुंचाया जाए, ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और संभावित दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

हाईकोर्ट की सख्ती बरकरार

अधिकारियों को अंतिम अवसर; आदेश का पालन न होने पर फिर होगी अवमानना की कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। गोविंद नगर के ब्लॉक-8 स्थित सार्वजनिक पार्क में अतिक्रमण और अवैध निर्माण के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को आदेश के पालन के लिए एक माह का अंतिम अवसर दिया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि में आदेश का अनुपालन न होने पर अधिकारियों के विरुद्ध अवमानना की कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी। माननीय न्यायमूर्ति विकास बुधवार की एकलपीठ ने अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान प्रथम दृष्टया माना कि 22 अप्रैल 2026 के आदेश की अवहेलना का मामला बनता है। हालांकि, इस स्तर पर नोटिस जारी किए बिना अधिकारियों को अंतिम अवसर देते हुए आदेश का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने तथा इसकी सूचना याची को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा था कि नगर निगम और कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के अभिलेखों में ब्लॉक-8 पार्क एवं खेल मैदान के रूप में दर्ज भूमि का उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने जिला मजिस्ट्रेट, नगर आयुक्त और केडीए उपाध्यक्ष को पार्क को अतिक्रमणमुक्त कर उसका मूल स्वरूप बहाल करने का निर्देश दिया था। अवमानना याचिका में आरोप लगाया गया है कि आदेश की प्रमाणित प्रति 29 अप्रैल 2026 को संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई थी, लेकिन तीन माह से अधिक समय बीतने के बाद भी आदेश का पालन नहीं किया गया। इसके बजाय पार्क के अधिकांश हिस्से में इंटरलॉकिंग बिछाकर हरित क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया गया और अवैध निर्माण यथावत बने रहे। याची प्रकाश वीर आर्य ने आरोप लगाया कि न्यायालय के आदेश के बाद पार्क में लगे 'ब्लॉक-8 पार्क' नाम के शिलापट्ट को हटाकर 'बालाजी पार्क' का नया शिलापट्ट लगा दिया गया। उनका दावा है कि सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त अभिलेखों में भी संबंधित स्थल का नाम 'ब्लॉक-8 पार्क' ही दर्ज है। मामले में केस्को की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि सार्वजनिक पार्क की भूमि पर बने निर्माण को क्षेत्रीय पार्षद की अनापत्ति के आधार पर विद्युत संयोजन दे दिया गया, जबकि इसकी वैधानिकता स्पष्ट नहीं है। अब सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि एक माह के भीतर संबंधित अधिकारी हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हैं या नहीं। आदेश का अनुपालन न होने पर अवमानना की कार्यवाही फिर से शुरू हो सकती है।

हिंगुटा गांव में ग्रामीणों ने साहस दिखाते पकड़े तीन कबरबिज्जू

कोंच(जालौन)- ब्लॉक कोंच क्षेत्र के हिंगुटा गांव में कबरबिज्जू (हनी बैजर) दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कंप की स्थिति देखी जा रही है। शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए आधा दर्जन कबरबिज्जू में से तीन कबरबिज्जू पकड़ लिए जिन्हें वन विभाग की टीम के हवाले कर दिये। जानकारी के अनुसार, गांव के प्राथमिक विद्यालय के बगल में स्थित सरमन कुशवाहा के खेत में पिछले तीन दिनों से करीब आधा दर्जन की संख्या में कबरबिज्जू विचरण करते हुए देखे जा रहे थे जिससे ग्रामीणों, विशेषकर स्कूली बच्चों में दहशत का माहौल बना हुआ था। शुक्रवार को ग्रामीणों ने सतर्कता दिखाते हुए इनमें से तीन कबरबिज्जू सुरक्षित पकड़ लिये और इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दे दी, जिसके बाद विभागीय टीम तीनों कबरबिज्जू को सुरक्षित कर उन्हें जंगल में छोड़ने के लिए अपने साथ ले गई। ग्रामीणों का कहना है कि कबरबिज्जू लगातार खेतों और आबादी वाले क्षेत्र में घूम रहे हैं जिससे अनहोनी की आशंका बनी हुई है। वन विभाग के डिप्टी रेंजर अमित शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पकड़े गए तीनों कबरविज्जुओं को अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित जंगल में छोड़ने की कार्रवाई की गई है।

भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

कांवड़ यात्रा व श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए लगी रोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा पुलिस कार्यालय सभागार , कमिश्नरेट कानपुर नगर में श्रावण माह एवं कांवड़ यात्रा दृष्टिगत दिनांक 1.08.2026 (शनिवार) समय रात्रि 8 बजे से 3.08.2026 (सोमवार) को रात्रि 12 बजे तक कानपुर नगर से भारी वाहनों के अंतर्जनपदीय डायवर्जन व्यवस्था के संबंध में एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में श्रावण माह एवं कांवड़ यात्रा के दौरान विभिन्न जनपदों से होकर गुजरने वाले भारी एवं व्यावसायिक वाहनों के आवागमन, संभावित यातायात दबाव तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद में लागू किए जाने वाले डायवर्जन प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये। जिससे विभिन्न घाटों से जल भरकर जलाभिषेक हेतु जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। गोष्ठी में डायवर्जन मार्गों , वैकल्पिक मार्गों तथा बैरियर प्वाइंट की विस्तृत समीक्षा करते हुए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उनके द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि डायवर्जन व्यवस्था के दौरान एम्बुलेंस, चिकित्सकीय आपातकालीन सेवाओं तथा मरीजों को ले जाने वाले वाहनों को पूर्णतः डायवर्जन से छूट प्रदान की जाएगी। ऐसे सभी आपातकालीन वाहनों को प्राथमिकता देते हुए आवश्यकता पड़ने पर ग्रीन कॉरिडोर उपलब्ध कराया जाएगा , जिससे उन्हें न्यूनतम समय में सुरक्षित एवं त्वरित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। गोष्ठी में एडीसीपी यातायात कपिल देव सिंह , एसीपी यातायात मनोज कुमार सिंह , एसीपी यातायात श्री संजय कुमार सिंह व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

खंडेलवाल कालेज में शिक्षा संकाय के प्रवक्ता शिक्षा शास्त्र में करा सकेंगे शोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। खंडेलवाल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी बरेली के शिक्षा संकाय के प्रवक्ताओं को महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली ने शिक्षा शास्त्र विषय में शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। अब ये सभी प्रवक्ता शिक्षा शास्त्र विषय में शोधार्थियों का शोध निर्देशन कर सकेंगे। शोध पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता प्राप्त प्रवक्ताओं में डॉ. आर.के. सिंह, डॉ. अजीत शंखधार, डॉ. कल्पना कटियार, डॉ. शिव स्वरूप शर्मा, डॉ. सविता सक्सेना एवं डॉ. स्वाति कौशिक शामिल हैं।विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति पत्र प्राप्त होने के उपरांत महाविद्यालय में हर्ष का वातावरण है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर महाविद्यालय के चेयरमैन गिरधर गोपाल खंडेलवाल, प्रबंध निदेशक डॉ. विनय खंडेलवाल एवं महानिदेशक डॉ. अमरेश कुमार ने सभी प्रवक्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए इसे महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उपलब्धियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इन प्रवक्ताओं के शोध निर्देशन से शिक्षा शास्त्र के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को नई दिशा मिलेगी तथा शोधार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

सुशील कुमार सोनी बने स्वर्णकार सेवा संस्थान के प्रदेश महासचिव

कानपुर। स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान ने समाज के जाने-माने वरिष्ठ समाजसेवी सुशील कुमार सोनी को उत्तर प्रदेश का प्रदेश महासचिव मनोनीत कर प्रदेश में नई ऊर्जा का संचार किया है। सुशील कुमार सोनी समाज सेवा के क्षेत्र में उनका कई साल का अनुभव है। कई सामाजिक संगठनों में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं, गरीब, असहाय और जरूरतमंद स्वर्णकार परिवारों की मदद के लिए हमेशा आगे रहते हैं। संस्थान के प्रान्तीय अध्यक्ष आनन्द प्रकाश वर्मा 'भैय्या जी' ने मनोनयन पत्र जारी करते हुए कहाः सुशील कुमार सोनी का अनुभव और समाज के प्रति समर्पण बेमिसाल है। उनके नेतृत्व में अब उत्तर प्रदेश में संगठन घर-घर तक पहुंचेगा और हर स्वर्णकार भाई-बहन को न्याय मिलेगा।

भाजपा ने गुरु रविदास जयंती पर किया पौधरोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि संत गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को तहसील टूण्डला परिसर के समीप एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि संत गुरु रविदास जी ने अपने जीवनभर समाज में समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनके बताए मार्ग पर चलते हुए भारतीय जनता पार्टी पूरे प्रदेश में समरसता संकल्प अभियान का आयोजन कर रही है। अभियान के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों में कलश यात्रा, रात्रि में दीपोत्सव तथा संतों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच प्रेम, स्नेह, सद्भाव और समरसता की भावना को मजबूत करना है। भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने अपने जन्मदिन की पूर्व संध्या पर गौ माता को चारा खिलाकर सेवा भाव का परिचय दिया। इसके साथ ही उन्होंने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि वृक्ष पृथ्वी का अमूल्य धन हैं और प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके। भाजपा के जिला सह संयोजक सोशल मीडिया सचिन जैन ने कहा कि 'पेड़ लगाओ, प्रकृति बचाओ, देश बचाओ' अभियान को जन-जन का अभियान बनाना होगा। यदि प्रत्येक नागरिक पौधरोपण कर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाले वर्षों में यही पौधे हरित वातावरण, शुद्ध ऑक्सीजन और स्वच्छ पर्यावरण का प्रमुख स्रोत बनेंगे। उन्होंने सभी लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण तथा संत गुरु रविदास जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, जिला सह संयोजक सोशल मीडिया सचिन जैन, लोकेंद्र पूनिया, दीपक ठैनुआ, हनी जादौन, पंकज यादव, संजय जादौन, टोनी सिंह, विवेक वर्मा, शशांक प्रताप सिंह, विनोद कुमार, प्रदीप जैन (टाइगर), अंकित शर्मा सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आटा मिलों पर फूड कमिश्नर की सख्ती

वायरल वीडियो के बाद फिरोजाबाद समेत चार जिलों में विशेष जांच अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फ़िरोज़ाबाद/ टूण्डला - सोशल मीडिया पर आटा मिलों में आटे में पत्थर का चूरा/सेलखड़ी मिलाए जाने संबंधी वायरल वीडियो के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई लगातार तेज हो गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए खाद्य आयुक्त, उत्तर प्रदेश डॉ. रोशन जैकब ने फिरोजाबाद सहित आगरा, अलीगढ़ और हाथरस जनपदों में विशेष जांच अभियान चलाने तथा प्रभावी विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके लिए प्रवर्तन दलों का गठन कर सभी आटा मिलों का सघन निरीक्षण कराने के आदेश जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी फिरोजाबाद के निर्देशों के अनुपालन में सहायक आयुक्त (खाद्य)-II चन्दन पाण्डेय के नेतृत्व में जनपद की समस्त आटा मिलों की जांच के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। शुक्रवार को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान जेपी फूड (सिरसागंज), ओ.पी. फ्लोर मिल (शिकोहाबाद), दुर्गा फ्लोर मिल (शिकोहाबाद), आई.पी.एस. ट्रेडिंग कम्पनी (सिरसागंज) तथा शानवी एंटरप्राइजेज (सांती) पर औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पांचों प्रतिष्ठानों से आटे के नमूने संग्रहित कर परीक्षण के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजे गए। जांच में अधिकांश प्रतिष्ठानों पर स्टॉक रजिस्टर का समुचित संधारण न होना, खाद्य पदार्थों के भंडारण एवं रख-रखाव में कमियां तथा खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों के उल्लंघन जैसी अनियमितताएं पाई गई। संबंधित खाद्य कारोबारकर्ताओं को सुधार सूचना (इम्प्रूवमेंट नोटिस) जारी करते हुए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सहायक आयुक्त (खाद्य)-II चन्दन पाण्डेय ने बताया कि वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों की वैज्ञानिक एवं निष्पक्ष जांच के लिए जनपद की सभी आटा मिलों का चरणबद्ध एवं गहन निरीक्षण कराया जा रहा है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां भी खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम का उल्लंघन पाया जाएगा, वहां आवश्यकतानुसार उत्पादन पर रोक, लाइसेंस का निलंबन या निरस्तीकरण सहित अन्य कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही खाद्य कारोबारियों से खाद्य सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करने और उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की अपील की गई है। विभाग ने आमजन से भी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता संबंधी शिकायतें खाद्य सुरक्षा विभाग को उपलब्ध कराने का आग्रह किया है, ताकि त्वरित जांच एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

भाजपा पदाधिकारियों ने राधिका विहार गौशाला में की गौसेवा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शनिवार को नगर के राधिका विहार स्थित गौशाला पहुंचकर गौसेवा की। इस दौरान गोवंश को हरा चारा एवं गुड़ खिलाया गया तथा उनके संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौसेवा का विशेष महत्व है। गौमाता की सेवा करना पुण्य का कार्य है और प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर गौशालाओं में पहुंचकर गोवंश की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी समाज सेवा के साथ-साथ गौसंरक्षण और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों को भी प्राथमिकता देती है। इस अवसर पर टूण्डला चेयरमैन चौधरी भंवर सिंह ने कहा कि गौशालाओं में निराश्रित गोवंश की बेहतर देखभाल समाज और प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी लोगों से गौसेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया। गौसेवा कार्यक्रम में जिला मंत्री दिनेश गुप्ता, लोकेंद्र पोनिया, प्रदीप जैन टाइगर, हनी जादौन, सभासद विवेक वर्मा, अग्रज जैन, दीपक ठेनुआ, अंकित शर्मा, विनोद बाबू, सोनू कश्यप, गिरवर निषाद, विनोद चौहान, नरेंद्र त्यागी, शशांक प्रताप सिंह, कौशल तिवारी, गजराज सिंह, रामवीर सिंह, दिनेश बेनीवाल, जितेंद्र पचौरी, भवानी सिंह, राजकुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने गौशाला की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया तथा गोवंश की सेवा कर उनके संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

लूटपाट करने वाला आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल फोन और नगदी बरामद

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना सजेती पुलिस ने लूटपाट करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार,, पुलिस ने लूट के मामले में वांछित आरोपी को अरेस्ट कर उसके कब्जे में लूटा गया मोबाइल फोन और नगदी समेत बरामद किया, किया,, पुलिस ने आरोपी सत्यजीत सचान निवासी धीरपुर थाना सजेती को प्राथमिक विद्यालय धीरपुर के पास से गिरफ्तार किया गया है,, आरोपी की निशानदेही पर घटना से संबंधित मोबाइल फोन और दो हजार रुपए नकद बरामद किए गए,, गिरफ्तार आरोपी को थाने लाकर आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया, गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार, उपनिरीक्षक उदय प्रताप सिंह, कांस्टेबल वेदराम, कांस्टेबल अश्वनी कुमार आदि मौजूद रहे।

फर्रुखाबाद के पांचाल घाट का किया निरीक्षण

कानपुर। अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जनपद फतेहगढ़ भ्रमण दौरान कोतवाली फर्रूखाबाद क्षेत्र स्थित पांचालघाट का स्थलीय निरीक्षण कर राहत एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया गया। घाटों पर आमजन की सुरक्षा, पर्याप्त गोताखोरों की तैनाती तथा आवश्यक राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिये गये। इसके उपरांत रिजर्व पुलिस लाइन जनपद फतेहगढ़ स्थित सभागार कक्ष में कांवड़ यात्रा व अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। समीक्षा गोष्ठी में यमुना प्रसाद, पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर, आरती सिंह, पुलिस अधीक्षक जनपद फतेहगढ़, विनोद कुमार, पुलिस अधीक्षक जनपद कन्नौज सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

रेलवे की भारत गौरव ट्रेन 17 अगस्त से दस दिन, महाकाल से सोमनाथ तक कराएगी दर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 17अगस्त से 26 अगस्त 2026 तक भारत गौरव स्पेशल पर्यटक ट्रेन का संचालन शुरू कर रहा है 10 दिन और 09 रात की इस यात्रा में श्रद्धालुओं को चार ज्योति लिंग के दर्शन के साथ कई प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा, कानपुर सेंट्रल समेत उत्तर मध्य रेलवे कई स्टेशनों से यात्री ट्रेन में सवार हो सकेंगे इसकी जानकारी शुक्रवार दोपहर दो बजे प्रेस वार्ता कर रेलवे अधिकारियों ने दी,सावन के पवित्र महीने में ऐसे शिवलिंगों के दर्शन कराने के लिए विशेष तौर पर तैयारी की गई है योजना बनाकर उन यात्रियों को विशेष रूप से ध्यान रखा गया है, पहले से बिना योजना के इस माह में दर्शन करने का मन बनाते हैं उन यात्रियों को विशेष लाभ इस ट्रेन में मिलेगा,,आकाशु गोविल ने बताया कि रेलवे इस यात्रा के लिए बेहतर सुविधाओं को उपलब्ध कराने का काम करेगा,, इसके लिए बुजुर्ग यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं,, ट्रेन के भीतर 24 घंटे उन्हें अटेंडेंट की सुविधा रहेगी,, यात्रा के दौरान यात्री महाकालेश्वर, ओम्कारेश्वर, नागेश्वर और सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगे, इसके अलावा द्वारिकाधीश मंदिर, स्टेच्यू, ऑफ यूनिटी, साबरमती आश्रम, त्र्यंबकेश्वर, भीमाशंकर, और शनि शिंगणापुर, सहित अन्य प्रमुख स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा यात्रियों को गोरखपुर, मनकापुर, अयोध्या कैंट सुल्तानपुर, प्रयागराज, संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल,उरई, झांसी,और ललित पुर स्टेशनो से बोर्डिंग की सुविधा मिलेगी,, स्लीपर किराया,18,300 , सेकेंड ए सी के लिए 38,870, थर्ड एसी 29,570 रूपए प्रति व्यक्ति,तय किया गया है पैकेज में रेल यात्रा होटल में ठहरने की व्यवस्था शुद्ध शाकाहारी भोजन, स्थानीय परिवहन, दर्शनीय स्थलों का भ्रमण शामिल हैं।

आज के दौर में पत्रकारिता में पीएचडी करना किसी जोखिम से कम नहीं- प्रभात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई(जालौन)- आज के दौर में जहां पत्रकारिता की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है और गोदी मीडिया जैसे शब्दों का प्रादुर्भाव पत्रकारिता जगत के समूचे अस्तित्व को ही हिलाने पर आमादा हो तो ऐसे में पत्रकारिता में पीएचडी करना किसी जोखिम से कम नहीं है, और यह जोखिम उठाया है बुंदेलखंड के युवा प्रभात दुवे ने। मूलतः जनपद जालौन के मुख्यालय उरई के रहने वाले एवं बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के पीएचडी शोधार्थी प्रभात दुवे भारतीय पत्रकारिता के शिखर पुरुष, जाने-माने पत्रकार एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित आलोक मेहता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर शोध कार्य कर रहे हैं। उनका शोध विषय 'भारतीय पत्रकारिता में आलोक मेहता का योगदानः मीडिया एवं राजनीति के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन' है। यह शोध भारतीय पत्रकारिता के इतिहास, उसके मूल्यों, मीडिया की सामाजिक भूमिका तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था में मीडिया और राजनीति के अंतर्संबंधों का गहन एवं तथ्यपरक अध्ययन करेगा। प्रभात दुवे ने नई दिल्ली स्थित आवास पर आलोक मेहता से आत्मीय भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया।

प्रभात दुवे के साथ उनके मित्र मृत्युंजय कुमार भी उपस्थित रहे। इस मुलाकात में भारतीय पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, लोकतांत्रिक मूल्यों, मीडिया की विश्वसनीयता, जनसरोकारों तथा शोध की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा हुई। बता दें कि आलोक मेहता भारतीय पत्रकारिता के उन विरले व्यक्तित्वों में हैं, जिन्होंने पांच दशकों से अधिक समय तक निर्भीक, निष्पक्ष, जनपक्षधर एवं मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता के माध्यम से देश में विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने 27 से अधिक पुस्तकें लिखीं हैं तथा नई दुनिया, हिंदुस्तान समाचार, साप्ताहिक हिंदुस्तान, वॉयस ऑफ जर्मनी, नवभारत टाइम्स, हिंदुस्तान, दैनिक भास्कर, आउटलुक, गवर्नेंस नाउ तथा आईटीवी नेटवर्क सहित अनेक प्रतिष्ठित समाचार संस्थानों में संपादक, प्रधान संपादक, संपादकीय निदेशक एवं वरिष्ठ पत्रकार के रूप में अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दे चुके हैं। वे एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष एवं महासचिव, भारतीय प्रेस परिषद, राष्ट्रीय एकता परिषद तथा भारतीय जनसंचार संस्थान की प्रबंध समिति के पूर्व सदस्य भी रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

जिला कृषि अधिकारी के संरक्षण में यूरिया की कालाबाजारी किसानों से अवैध वसूली चरम पर

बस्ती। जनपद में जिला कृषि अधिकारी बाबूराम मौर्या के संरक्षण में सरकारी और प्राइवेट खाद दुकानों पर किसानों से सरेआम लूट का खेल चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, जिले में तैनात यह जिम्मेदार अधिकारी कथित तौर पर 'विटामिन एम की चमक के आगे नतमस्तक हैं, जिसके चलते खाद विक्रेता बेखौफ होकर अवैध वसूली कर रहे हैं। किसानों का सवाल है कि आखिर ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर शासन-प्रशासन कब कार्रवाई करेगा? शासकीय आदेशानुसार सहकारी समितियों पर यूरिया की एक बोरी का निर्धारित रेट 266.50 रुपये है। इसके उलट, समितियों पर किसानों से प्रति बोरी 280 रुपये वसूले जा रहे हैं, और साथ में 10 रुपये अलग से लेबर चार्ज भी थमाया जा रहा है। हाल ही में महसिन स्थित सरकारी समिति से ऐसा ही मामला सामने आया, जहां तय दाम से अधिक वसूली की गई।हैरत की बात यह है कि इस पूरी धांधली की सूचना साक्ष्यों के साथ जिला कृषि अधिकारी को दी गई थी। आरोप है कि कार्रवाई करने के बजाय अधिकारी ने मामले को रफा-दफा कर दिया। रक्षक ही भक्षक बन चुका है, जिससे जनपद का अन्नदाता बेहाल है। किसान संगठनों ने मुख्यमंत्री और उच्चाधिकारियों से इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी अधिकारी को तत्काल सस्पेंड करने की मांग की है।

दो गाजा तस्कर धराए 15 किलो गाजा बरामद

मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र नहर बाईपास पर बुलेट से जा रहे हैं दो गाजा तस्कर पकड़े गए। मिली मुखबिर सूचना के आधार पर घेराबंदी कर सोनभद्र की तरफ से बुलेट से आ रहे दो संदिग्ध से पूछताछ कर साथ में लिए बोरी को चेक करने पर गांजा पकड़ा गया। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के कुशल नेतृत्व और थाना प्रभारी अजय मिश्रा की सजगता से थाना अहरौरा को बड़ी सफलता मिली। तस्कर मोनू कनौजिया पुत्र स्वर्गीय साधु कनौजिया उम्र लगभग 35 वर्ष निवासी इंदरपुर (सेंट्रल जेल के पास) वाराणसी तथा प्रद्युम्न कनौजिया पुत्र रमेश कुमार उम्र लगभग 29 वर्ष निवासी मुंशीलाटपुर थाना भदोही जनपद भदोही के निवासी हैं उन पर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर जेल भेज दिया गया, तस्करों से बरामद बुलेट संख्या UP 65DL 8132 मोटर अधिनियम धारा 207 के तहत कार्यवाही करते हुए सीज कर दिया गया।

साप्ताहिक परेड में पुलिस व्यवस्था की समीक्षा

भदोही। पुलिस लाइन ज्ञानपुर में शुक्रवार को आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार परेड में पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने परेड की सलामी लेकर पुलिसकर्मियों की अनुशासन एवं एकरूपता का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने टोलीवार ड्रिल का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को इसे और प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। परेड के बाद पुलिस अधीक्षक ने यूपी-112 की गाड़ियों, विभिन्न राजकीय वाहनों तथा सुरक्षा एवं निगरानी में प्रयुक्त ड्रोन कैमरों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने वाहनों की स्थिति, उपकरणों की कार्यक्षमता और साफ-सफाई की जांच कर संबंधित प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कार्यालयों में रखे महत्वपूर्ण रजिस्टरों एवं अभिलेखों के रख-रखाव का भी जायजा लिया और अभिलेखों को अद्यतन एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजकीय वाहनों, उपकरणों एवं अभिलेखों के रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखते हुए पुलिस कार्यों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए।

10 अगस्त को कृमि मुक्ति अभियान

» 7.67 लाख बच्चों को दी जाएगी दवा

» डीएम ने तैयारियों की समीक्षा कर विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और बाल विकास विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक को निर्देश दिया कि अभियान से पहले सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में एल्बेंडाजोल की गोलियां उपलब्ध करा दी जाएं, ताकि कोई भी पात्र बच्चा दवा से वंचित न रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा। वहीं छूटे हुए बच्चों को दवा देने के लिए 14 अगस्त को मॉप-अप दिवस मनाया जाएगा। अभियान के तहत जिले के 1,885 विद्यालयों और 1,492 आंगनबाड़ी केंद्रों पर 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल 7,67,127 बच्चों एवं किशोरों को कृमिनाशक दवा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के लिए 7,91,715 एल्बेंडाजोल गोलियां उपलब्ध हैं और इन्हें निर्धारित समय पर विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है। सभी विभागीय प्रशिक्षण भी पूरे कर लिए गए हैं।

डीएम ने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने अधिकारियों को अभियान को गंभीरता से संचालित करने और अभिभावकों से बच्चों को निर्धारित तिथि पर दवा दिलाने की अपील की। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विद्युत समस्या का तत्काल समाधान करें : डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत एवं सिंचाई विभाग को दिए कड़े निर्देश

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश –जनपद सोनभद्र में सोन पंप कैनाल के माध्यम से निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सोन पंप कैनाल में विद्युत आपूर्ति एवं वोल्टेज से संबंधित समस्याओं के कारण पेयजल आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वोल्टेज संबंधी सभी तकनीकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे पंपों का संचालन सुचारु रूप से हो सके और आमजन को समय पर पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद में पेयजल आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा व्यवधान स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी तकनीकी समस्या की सूचना मिलते ही उसका तत्काल समाधान कराया जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नहरों का संचालन निर्धारित रोस्टर के अनुसार नियमित रूप से कराया जाए, जिससे सिंचाई एवं पेयजल व्यवस्था दोनों प्रभावित न हों। उन्होंने विद्युत एवं सिंचाई विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में विद्युत विभाग एवं सिंचाई विभाग के समस्त अधिशासी अभियंता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

9 अगस्त को जिला ओलंपिक संघ का वार्षिक समारोह

मीरजापुर। जिला ओलंपिक संघ का वार्षिक समारोह 9 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि आशीष पटेल कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश शासन मुख्यअतिथि एवं विशिष्ट अतिथि जिला अधिकारी मिर्ज़ापुर होंगे। यह जानकारी उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के सह संयुक्त सचिव तथा मिर्ज़ापुर ओलिंपिक एवं वॉलीबॉल संघ के महासचिव एस.पी.त्रिपाठी ने एक प्रेस विज्ञपति में दी है। उन्होंने बताया कि रविवार 9 अगस्त को जिला कोऑपरेटिव बैंक के सभागार में दिन में 12 बजे जिला संघ के स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में वार्षिक समारोह का आयोजन करने जा रहा है जिला ओलंपिक संघ की विशेष बैठक भी प्रातः 10:00 बजे अयोजित की जाएगी जिसमें वर्ष 2026-27 का खेल कैलेंडर तथा मिर्ज़ापुर ओलिंपिक संघ का पुनर्गठन तथा वर्ष 2026 में जिन बालक - बालिकाओ (महिला ,पुरुष) ने राज्य ,राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनपद का खेल के तौर पर मान-सम्मान बढ़ाया है उनको पुरुस्कृत भी किया जाएगा एस.पी.त्रिपाठी ने सभी जनपद के मान्यता प्राप्त जो प्रदेश संघ से पंजीकृत हो सभी से निवेदन किया है कि वे समय से संघ की बैठक में उपस्थित हों तथा जनपद के सभी खेलों से जुड़े खिलाड़ियों से अपील की है कि उक्त कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराएं।

बाल संरक्षण को लेकर 12 ग्राम पंचायतों में बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को जनपद की 12 ग्राम पंचायतों में ग्राम बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठकों का आयोजन विकास खंड अभोली की ग्राम पंचायत सराय कंसराय एवं विजयीपुर, विकास खंड औराई की पिलखिनी एवं महदवा, विकास खंड भदोही की निदुर एवं अजयपुर, विकास खंड डीघ की भगवानपुर एवं भभौरी, विकास खंड ज्ञानपुर की डुहिया एवं लखनो, तथा विकास खंड सुरियावां की एकौनी एवं चकचन्दा में किया गया। बैठकों में बाल संरक्षण, बाल अधिकारों की सुरक्षा तथा जरूरतमंद, निराश्रित एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराने पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही बाल श्रम, बाल विवाह एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले किसी भी प्रकार के शोषण की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। बैठक में विद्यालय से वंचित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने तथा अनाथ एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सत्येन्द्र पाण्डेय ने किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत विधि का उल्लंघन करने वाले बच्चों से संबंधित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए समाज से इस कुप्रथा के उन्मूलन के लिए सभी से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं, जिनमें बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, विधवा पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना तथा हेल्पलाइन सेवाओं 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112

(पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री जनसुनवाई), 181 (महिला हेल्पलाइन), 102 (मातृत्व/प्रसव सेवा) एवं 108 (आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा) की जानकारी भी प्रदान की। इसके अतिरिक्त किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत संचालित बाल गृह एवं संप्रेक्षण गृह के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बैठकों में आलोक दूबे, कुणाल गुप्ता, कृष्ण गोपाल यादव, सत्येन्द्र पाण्डेय, दिनेश, आनन्द मौर्य, मोहम्मद कैफ, विवेक गुप्ता, आयुष शर्मा, वीरेन्द्र प्रसाद, दीपक यादव सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

जदयू ने राज्यपाल के नाम भेजा ज्ञापन

भदोही। जनपद का नाम बदलने के प्रस्ताव का विरोध तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में जनता दल (यूनाइटेड) भदोही इकाई ने जिलाध्यक्ष सर्वेश राय के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर जनपद का नाम भदोही ही यथावत बनाए रखने की मांग की। जदयू नेताओं ने ज्ञापन में कहा कि वर्ष 1994 में भदोही को अलग जनपद का दर्जा मिलने के बाद से यह अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। विश्व प्रसिद्ध कालीन उद्योग, जीआई (भौगोलिक संकेतक) टैग और ऐतिहासिक महत्व के कारण भदोही का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित है। ऐसे में जिले का नाम संत रविदास नगर बदलने से न केवल इसकी ऐतिहासिक पहचान प्रभावित होगी, बल्कि कालीन उद्योग और उससे जुड़े लाखों लोगों की पहचान पर भी असर पड़ सकता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि भदोही नाम जनभावनाओं से जुड़ा हुआ है। जिले की पहचान वर्षों से इसी नाम के साथ बनी है, इसलिए किसी भी प्रकार का नाम परिवर्तन जनता की भावनाओं के अनुरूप नहीं होगा। पार्टी ने राज्य सरकार से मांग की कि जनहित और जनभावनाओं का सम्मान करते हुए जनपद का नाम भदोही ही यथावत रखा जाए। जिलाध्यक्ष सर्वेश राय ने कहा कि भदोही केवल एक जिले का नाम नहीं, बल्कि कालीन नगरी के रूप में विश्वभर में अपनी अलग पहचान रखता है।

जनहित से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : डीएम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। कई स्वास्थ्य संकेतकों में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं सीधे आमजन के जीवन से जुड़ी हैं, इसलिए अधिकारी और कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी व संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनहित सर्वोपरि रहेगा।

बैठक में एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए डीएम ने एनीमिया पीड़ित मरीजों की नियमित निगरानी, आयरन व फोलिक एसिड सहित आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध रूप से संचालित झोलाछाप चिकित्सकों और क्लीनिकों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने को कहा। एएनसी (गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच) की समीक्षा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अभोली और औराई की प्रगति

असंतोषजनक मिलने पर संबंधित अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए गए। वहीं संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा करते हुए 10 अगस्त तक सभी लंबित कार्यों का माइक्रो प्लान तैयार कर समयबद्ध पूरा कराने के निर्देश दिए। डीएम ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों में साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाओं और मरीजों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वास्थ्य इकाई में रोगी हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, आयुष्मान भारत योजना, परिवार कल्याण और पोषण कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र के अहरौरा चुनार मार्ग पर रोशनहर गांव के पास गुरुवार रात्रि करीब 8:00 बजे बाइक सवार का ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। थाना क्षेत्र के रोशनहर गांव के पास बाइक सवार मनोज पुत्र शिवदास निवासी कोटा गुरुमुरा थाना चोपन उम्र 28 वर्ष अपने घर गुरमुरा से अहरौरा सोनपुर एक प्लाट पर कार्य हेतु के लिए जाते समय रोशनहर गांव के पास घटी घटना पर ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मृतक का शव लेकर अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया । ट्रैक्टर (बोगा) को पुलिस ने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई । ग्रामीणों का कहना है कि ट्रैक्टर में 500 -500 फीट की ट्रॉली जोड़कर ओवरलोड गिट्टी पत्थर का परिवहन किया जाता है, जो की असंतुलित स्पीड और तेज आवाज में स्पीकर पर गाना की आवाज पर खर्राटे भरते हैं। जो की मानक के अनुरूप नहीं है। लेकिन अब सत्यता क्या है इन लोगों को परमिट कैसे मिलता है यह तो जिम्मेदार विभाग ही बता सकता है।

चोरी की बैटरियों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। ऊंज थाना पुलिस ने चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ट्रक की चोरी गई दो बैटरियां बरामद की हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, कोईरौना थाना क्षेत्र के रइयापुर निवासी रमेश यादव, जो जीटी रोड स्थित मिर्जापुरी फिलिंग स्टेशन (नवधन) में मैनेजर हैं, ने तहरीर देकर बताया था कि पेट्रोल पंप परिसर में खड़े एक ट्रक कंटेनर की सुरक्षा के लिए निकाली गई डायनेक्स कंपनी की दो बैटरियां 29/30 जुलाई की रात अज्ञात चोर चोरी कर ले गए थे। तहरीर के आधार पर ऊंज थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मिर्जापुरी फिलिंग स्टेशन के पास कलिंजरा नहर पुलिया के समीप से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी की गई दोनों बैटरियां बरामद कर ली गई। गिरफ्तार आरोपितों की

पहचान करन पुत्र राजू निवासी पक्का पोखरा, घोसिया थाना औराई तथा सलीम शेख पुत्र दानिश शेख, मूल निवासी जिला वीरभूम (पश्चिम बंगाल), हाल निवासी मेवड़ापुर थाना गोपीगंज के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपितों ने स्वीकार किया कि उन्होंने मिर्जापुरी फिलिंग स्टेशन से ट्रक की बैटरियां चोरी की थीं और उन्हें ऊंचे दाम पर बेचने की फिराक में थे। इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक भृगुनाथ यादव, हेड कांस्टेबल विकास कुमार और कांस्टेबल देवेंद्र यादव शामिल रहे।

युवा संवाद कार्यक्रम के चौथे दिन विक्रमजोत में छात्रों से संवाद

'विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण'- चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के भाजपा नेता एवं समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' द्वारा 'विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित पखवाड़े भर चल रहे युवा संवाद कार्यक्रम के चौथे दिन विक्रमजोत स्थित अयोध्या प्रसाद दूबे इंटर कॉलेज एवं डॉ. वी.के. दूबे इंटरनेशनल स्कूल में छात्र-छात्राओं के साथ संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अपने संबोधन में श्री पाण्डेय ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब देश का युवा शिक्षा, कौशल, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए भाजपा सरकार ने अनेक जनहितकारी योजनाएँ संचालित की हैं। किसानों को सिंचाई हेतु निःशुल्क बिजली, पर्याप्त उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता, किसान सम्मान निधि, महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने, उज्ज्वला योजना से धुएँ से मुक्ति, अभ्युदय योजना एवं शिक्षा ऋण जैसी सुविधाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से गरीबों को निःशुल्क उपचार, प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास, हर घर शौचालय जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। पेपर लीक जैसी समस्याओं पर सरकार ने कठोर कार्रवाई करते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए, पुनः परीक्षा कराई तथा समयबद्ध परिणाम घोषित कर युवाओं के हितों की रक्षा की।

श्री पाण्डेय ने कहा कि देश का युवा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करेगा, लेकिन राष्ट्रविरोधी सोच और नारों को कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने आरोप लगाया

कि कुछ विदेशी शक्तियों एवं विपक्षी दलों ने युवाओं की भावनाओं का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास किया, जबकि सदन में लाए गए एंटी पेपर लीक विधेयक पर उनका रुख उनके दोहरे चरित्र को उजागर करता है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ 'शिक्षा संग रोजगार चाहिए, हमें राष्ट्रवादी सरकार चाहिए' का गगनभेदी उद्घोष कर राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर आशीष द्विवेदी, श्रीकांत द्विवेदी, सौरभ द्विवेदी, अतुल सिंह, सुनील पाठक, रबी पाण्डेय, राजीव पाण्डेय, रमेश सिंह सहित विद्यालय परिवार एवं हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

अनपरा तापीय परियोजना में हुआ वृहद पौधारोपण

अधिक से अधिक पौधे लगाने ,उन्हें संरक्षित करने तथा जल व बिजली बचत का किया गया आह्वाहन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अनपरा /सोनभद्र– उत्तर प्रदेश शासन के महत्वाकांक्षी 'वृक्षारोपण महायज्ञ-2026' एवं एक पेड़ माँ के नाम अभियान को और गति देते हुए ऊर्जाविभाग के उच्च प्रबंधन के मंशानुसार शुक्रवार को अनपरा तापीय परियोजना में सीजीएम इं अजय कुमार कटियार के नेतृत्व में विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डी परियोजना परिसर में तकनीकी भवन के सामने खाली पार्क में सैकड़ों फलदार व औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना प्रमुख इं अजय कटियार,महाप्रबंधक प्रशासन इं. एसएन मिश्र, महाप्रबंधक (द ताप) इं. प्रशांत त्रिपाठी, महाप्रबंधक (ब ताप) इं. चंद्र प्रकाश, महाप्रबंधक (अ ताप) इं. डी.के. सिंह, महाप्रबंधक सिविल इं. निशीथ शर्मा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ पौधरोपण कर किया जिसमें विभिन्न प्रजाति के कलमी आम जैसे आम्रपाली, मल्लिका, चौसा, थाई बनाना, एप्पल बेर, थाई अमरूद, जामुन, आंवला, बेल, नीबू, बहेड़ा, अशोक के पौधे लगाए गए।

सीजीएम ने पौधारोपण कर रोपे गए पौधों के संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखना भी सभी की सामूहिक

जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने की अपील की। कहा कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि धरती को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और समृद्ध बनाना है तो हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग से बचने, जल संरक्षण और बिजली की बचत को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का भी आह्वान किया। महाप्रबंधक प्रशासन इं. एसएन मिश्र ने बताया कि विशेष अभियान के तहत इस माह वन विभाग के सहयोग से वन भूमि पर 20000 पौधे तथा परियोजना परिसर में जगह जगह कुल लगभग पांच सौ फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया है। उन्होंने कहा कि हरित पर्यावरण ही स्वस्थ समाज और उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता इं. विमलेंद्र सिंह, इं सौदान सिंह लेखाधिकारी अशोक चौधरी, सहायक अभियंता इं राजेश पांडेय, इं अभय कुमार, इं विजय कुमार, इं अजय सिंह, इं वीर प्रताप, इं प्रिंस कुमार, इं अजय मौर्या, इं एसपी सिंह, पंकज त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में मुंबई से गांव आए युवक की मौत

भदोही। औराई थाना क्षेत्र के सहसेपुर गांव में गुरुवार रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। सड़क हादसे में 38 वर्षीय राज नारायण विश्वकर्मा उर्फ राजू की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज नारायण विश्वकर्मा अपनी मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक बाइक सवार ने पहले एक साइकिल सवार को टक्कर मार दी। इसके बाद बाइक अनियंत्रित होकर सीधे राज नारायण की मोटरसाइकिल से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राज नारायण के सिर में गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद आरोपी बाइक सवार अपनी क्षतिग्रस्त बाइक लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस फरार बाइक सवार की तलाश में जुटी है। बताया गया कि राज नारायण मुंबई में अपने परिवार के साथ रहकर रोजगार करते थे। वह अपनी चाची की तेरहवीं में शामिल होने के लिए कुछ दिन पहले ही गांव आए थे। परिवार के लोग यह नहीं जानते थे कि यह यात्रा उनकी अंतिम यात्रा साबित होगी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। अचानक हुई मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर अधिकारियों को निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश-जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने शुक्रवार को हर घर तिरंगा अभियान-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि अभियान को जनभागीदारी के साथ उत्सव के रूप में मनाते हुए प्रत्येक घर तक तिरंगा पहुंचाने का लक्ष्य समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अभियान के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे राष्ट्रीय ध्वजों का निर्माण भारतीय ध्वज संहिता के अनुरूप गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि तैयार ध्वजों का समयबद्ध वितरण कर अधिकाधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ा जाए, जिससे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों, विकास खंडों एवं संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित किया जाए। साथ ही स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित ध्वजों के भुगतान एवं वितरण की प्रक्रिया भी पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं नागरिक कर्तव्य की भावना को सुदृढ़ करने का जनआंदोलन है। सभी अधिकारी अभियान को पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ सफल बनाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। तिरंगा झण्डा फहराते समय बरती जाने वाला सावधानियां तिरंगे को हमेशा सम्मान के साथ फहराया जाए।. झंडा आयताकार होना चाहिए तथा इसकी लंबाई-चौड़ाई का अनुपात 3-2 होना चाहिए। केसरिया रंग हमेशा ऊपर रहेगा। झंडा जमीन, पानी या फर्श को नहीं छूना चाहिए। फटा,

गंदा या क्षतिग्रस्त तिरंगा नहीं फहराना चाहिए। तिरंगे पर कुछ भी लिखना, छापना या चित्र बनाना प्रतिबंधित है। तिरंगे का उपयोग मेज, वाहन, मंच, मूर्ति या किसी वस्तु को ढकने के लिए नहीं किया जा सकता। किसी अन्य झंडे को तिरंगे से ऊपर या उससे अधिक सम्मानजनक स्थान पर नहीं लगाया जा सकता। वर्तमान नियमों के अनुसार, यदि तिरंगे को सम्मानपूर्वक प्रदर्शित किया जाए, तो उसे दिन और रात दोनों समय फहराया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान सभी लोग सावधान की मुद्रा में खड़े होकर राष्ट्रध्वज का सम्मान करें तथा राष्ट्रगान के समय अनुशासन बनाए रखना।

संक्षिप्त खबरें

मृतक आश्रित भर्ती से दो महिलाओं को रोजगार

प्रतापगढ़। जनपद में मृतक आश्रित भर्ती नियमावली के तहत दो महिलाओं को ग्राम पंचायत अधिकारी पद पर नियुक्ति प्रदान की गई। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने शुक्रवार को कैम्प कार्यालय में दोनों नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दोनों नव नियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए ग्रामीण विकास एवं जनसेवा में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप यह व्यवस्था दिवंगत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को कठिन परिस्थितियों में आर्थिक एवं सामाजिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से लागू की गई है। जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त दर्वे ने बताया है कि विकास खण्ड सदर में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी स्वर्गीय अविनाश कुमार मिश्र का 27 अप्रैल को आकस्मिक निधन हो गया था। इसके उपरांत उनकी पत्नी अंकिता मिश्रा ने मृतक आश्रित के रूप में नियुक्ति के लिए आवेदन किया। पात्र पाए जाने पर उन्हें ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर अस्थायी नियुक्ति प्रदान की गई। इसी प्रकार विकास खण्ड बाबागंज में कार्यरत ग्राम पंचायत अधिकारी स्वर्गीय नागेन्द्र कुमार सरोज का 11 जुलाई को आकस्मिक निधन हो गया था। उनकी पत्नी दीक्षा सरोज ने मृतक आश्रित के रूप में नियुक्ति हेतु आवेदन किया। उन्हें भी ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर अस्थायी नियुक्ति प्रदान की गई।

चेहल्लुम के जुलूस में खेल के दौरान दो किशोर घायल, एक रेफर

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे में चेहल्लुम के जुलूस के दौरान खेल करते समय दो किशोर घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। आचार्य नगर से चिकमंडी की ओर चेहल्लुम का जुलूस जा रहा था। इसी दौरान मंडी मोहल्ला निवासी अयान (16) पुत्र शुबराती खेल के दौरान घायल हो गया। उसकी जीभ कट गई और काफी खून बहने लगा। साथी उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं चिकमंडी मोहल्ला निवासी अयान (17) पुत्र अनवर अली भी खेल के दौरान घायल हो गया। उसका निचला होंठ बुरी तरह फट गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया।

बिजली कनेक्शन जबरन काटने का आरोप

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बेहटा कलां गांव निवासी रामजियावन ने बिजली विभाग के लाइनमैन पर जबरन बिजली कनेक्शन काटने का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले की शिकायत अधिकारियों से की है। राम जियावन का आरोप है कि उनके घर पर केवल उनका भतीजा मौजूद था। इसी दौरान टीजीटू और एक संविदा कर्मी पहुंचे। उन्होंने बकाया बिल का हवाला देते हुए बिजली कनेक्शन काटने की बात कही। भतीजे ने बकाया राशि की जानकारी मांगी और अगले दिन बिल जमा करने की बात कही। इस दौरान लाइनमैन ने रूपये जमा करने पर ही कनेक्शन न काटने की बात कही। उन्होंने रुपये देने से इनकार कर बिजली का बिल स्वयं जमा कर दिया। उसने जमा रसीद भी दिखा दी। इसके बावजूद संविदा कर्मी को खंभे पर चढ़ाकर बिजली कनेक्शन काट दिया। मामले में एसडीओ शिवम वर्मा ने बताया कि उपभोक्ता का बिजली बिल जमा होने के बाद नियमानुसार उसका कनेक्शन दोबारा जोड़ दिया जाएगा।

सिद्धार्थनगर में सांप के काटने से किसान की मौत

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के कटरिया बाबू गांव में गुरुवार की रात जहरीले सर्प के काटने से एक युवक की मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। गांव निवासी रंगीलाल चौरसिया(50 वर्ष) पुत्र अवधराम रोज की तरह रात में भोजन करने के बाद सड़क किनारे स्थित अपने मकान पर पशुओं की देखभाल करने गए थे। बताया जाता है कि वह वहीं सोते भी थे। गुरुवार देर रात जब वह मकान के अंदर जाने के लिए शटर उठा रहे थे, तभी वहां छिपे जहरीले सर्प ने उन्हें काट लिया। सर्प के काटते ही रंगीलाल घबराकर दौड़ते हुए गांव स्थित अपने घर पहुंचे और परिजनों को घटना की जानकारी दी। आनन-फानन में परिजन उन्हें बेवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि दोनों बेटों की शादी अभी नहीं हुई है। हल्का लेखपाल गोपाल श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है तथा नियमानुसार मृतक के परिजनों को अहेतुक सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक हुई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला उद्योग एवं व्यापार बन्धु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में औद्योगिक विकास, व्यापारिक गतिविधियों तथा नगर क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में औद्योगिक आस्थान सुखपालनगर के उद्यमियों ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र के बाहर निर्मित नाले की ऊंचाई अधिक होने के कारण वर्षा का पानी औद्योगिक परिसर से बाहर नहीं निकल पा रहा है, जिससे जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने लोक निर्माण विभाग व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उद्यमियों ने औद्योगिक आस्थान की क्षतिग्रस्त सड़कों एवं नालियों की समस्या भी प्रमुखता से उठाई। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र मरम्मत एवं सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए, ताकि उद्योगों के संचालन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्र की विद्युत फीडर लाइन पर विद्युत विभाग को वृक्षों की कटाई-छंटाई कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही अन्य समस्याओं के सम्बन्ध में समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

बैठक में व्यापार मण्डल अध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता ने शहर की विभिन्न जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने मार्ग चौड़ीकरण के दौरान हटाए गए पिंक शौचालय के स्थान पर पुनः व्यवस्था कराने की मांग पर अधिकारियों ने अवगत कराया कि रजत पैलेस रोड स्थित जीजीआईसी कालेज के समीप नए पिंक शौचालय के निर्माण के लिए स्थान चिन्हित कर लिया गया है। व्यापारियों ने भरत चौक से जेल रोड तक प्रतिदिन लगने वाले जाम की समस्या का भी मुद्दा उठाया। इस पर नगर पालिका परिषद बेल्हा के अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण हटाने का अभियान नियमित रूप से चलाया जा रहा है और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आगे भी प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी। बैठक में आजाद पार्क (श्रीराम तिराहा) एवं सुभाष पार्क (पंजाबी मार्केट) के सौन्दर्यीकरण पर भी चर्चा हुई। बैठक के अंत में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्योगों एवं व्यापारियों से जुड़ी समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उपायुक्त उद्योग एस0एस0 रावत, उपायुक्त राज्य कर वेगराज सिंह, एलडीएम नीरज सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व उद्यमियों व्यापारियों में मो0 अनाम, रोशन लाल ऊमरवैश्य, अनुराग खण्डेलवाल आदि उद्यमी उपस्थित रहे।

मत्स्य विभाग की छः योजनाओं के लिए आवेदन की तिथि 05 अगस्त तक बढ़ी

प्रतापगढ़। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण कमलेश कुमार बौद्ध ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित थी, जिसे अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बढ़ाकर 5 अगस्त कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट http://fisheries.up.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि इन योजनाओं में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, संघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम स्थापना योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, अंतर्देशीय खारे जल क्षेत्रों में मात्स्यिकी के विकास हेतु नए तालाब निर्माण व प्रथम वर्ष निवेश, उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना शामिल हैं।

सई नदी में कूदे युवक और विवाहिता

» युवक की हो रही खोजबीन, विवाहिता को बचाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के घुइसरनाथ धाम स्थित सई पुल से एक युवक व एक विवाहिता ने नदी में छलांग लगा दी। नदी में समाए युवक की तलाश में गोताखोर जुटे हैं। वहीं विवाहिता को सकुशल बचा लिया गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के पौराणिक शिव मंदिर बाबा घुइसरनाथ धाम के समीप से गुजरी सई नदी में अलग अलग घटनाओं में युवक व युवती ने कूद कर जान देने की कोशिश की है। अमेठी जनपद के पूरे शिवपाल डेहरा विशेषरगंज थाना संग्रामपुर गांव निवासी 25 वर्षीय रवि मौर्य शुक्रवार को दोपहर करीब 12 बजे घुइसरनाथ धाम के सई पुल पर पहुंचा। यहां उसने बाइक व मोबाइल फोन पुल पर ही छोड़कर नदी में छलांग लगा दी। परिजनों के मुताबिक नदी में कूदने से पूर्व उसने अपने भाई अभिषेक को व्हाट्सऐप पर आत्महत्या करने की सूचना दी। इधर युवक को नदी में छलांग लगाते कुछ लोगों ने देखा तो इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस गोताखोरो की मदद से युवक की खोजबीन कर रही है। इधर व्हाट्सऐप से रवि द्वारा आत्महत्या की सूचना दिये जाने की जानकारी होते ही परिजन भी भागकर यहां पहुंचे। समाचार भेजे जाने तक नदी में गहरे पानी में समाए युवक की खोजबीन जारी है। इससे पूर्व शुक्रवार की सुबह एक विवाहिता ने भी सई नदी पुल से नदी के गहरे पानी में छलांग लगा दी लेकिन स्थानीय पुलिस व फायर यूनिट की सतर्कता से नदी में कूदी विवाहिता को बचाकर सकुशल बाहर निकाला गया। पुलिस के अनुसार विवाहिता ने बताया कि वह मनूपुर बोझी थाना अन्तू गांव निवासी रोशन यादव की पत्नी श्यामली देवी है। नदी में आत्महत्या करने का कारण पारिवारिक कलह बताया। एसओ गौरव त्रिवेदी का कहना है कि नदी में समाए युवक की खोजबीन जारी है। वहीं सकुशल नदी से बाहर निकाली गयी युवती को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई बाइक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 45 वर्षीय बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई। हादसा गऊघाट के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से बाइक टकराने के कारण हुआ। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान राकेश कुमार (45 वर्ष) पुत्र कृष्णा, निवासी ग्राम कमालपुर अवांडीह, थाना महराजगंज के रूप में हुई है। बताया गया कि गुरुवार रात करीब 10 बजे वह अपने गांव से लोनार की ओर बाइक से जा रहे थे। जैसे ही वह गऊघाट के पास पहुंचे, उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, महराजगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. गणनायक पांडेय ने बताया कि घायल को 108 एंबुलेंस से अस्पताल लाया गया था, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। गुमांवा चौकी प्रभारी आयुष वत्स ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है। राकेश कुमार की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

दो मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

राकेश कुमार अपने पीछे दो नाबालिग पुत्रों विशाल और विकास को छोड़ गए हैं। बच्चों की मां का साया पहले ही उनके सिर से उठ चुका था। अब पिता के निधन के बाद दोनों बच्चे पूरी तरह अनाथ हो गए हैं। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार में अब केवल राकेश की बुजुर्ग मां ही बची हैं, जिनके सामने दोनों मासूम बच्चों के पालन-पोषण की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। इस दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को भावुक कर दिया है।

सेवानिवृत्ति पर रोडवेज कर्मियों का सम्मान

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय रोडवेज डिपो कार्यशाला में शुक्रवार को सेवानिवृत्त निगमकर्मियों को समारोहपूर्वक विदाई दी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ केन्द्र प्रभारी अविनाश चंद्र पाण्डेय एवं कर्मचारी नेता बसन्त कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कर्मचारियों एवं अधिकारियो ने सेवानिवृत्त चालक राजभान तिवारी व माल भण्डारक लाल बहादुर यादव को माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम तथा प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कर्तव्यपरायणता की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता फोर मैन कमलेश यादव तथा संचालन मो0 आसिफ खान व संयोजन अरविन्द पाण्डेय ने किया। कर्मचारी नेता बसन्त कुमार सिंह ने रोडवेज डिपो वर्कशॉप की समस्याओं पर प्रकाश डाला। स्वागत मंगला प्रसाद तिवारी व आभार प्रदर्शन अखिलेश सिंह ने किया। इस मौके पर वीरू सिंह, राजेश यादव व दिनेश सिंह आदि रहे।

प्रेमचंद का साहित्य आज भी समाज का दर्पण: डॉ. श्याम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष की ओर से श्रद्धा एवं साहित्यिक गरिमा के साथ जीईसी परिसर में मनाई गई। राजकीय इंटर कालेज परिसर में स्थापित मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर साहित्यकारों, शिक्षकों और समाजसेवियों ने उन्हें भावपूर्ण नमन किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्लब अध्यक्ष एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. श्याम शंकर शुक्ल 'श्याम' ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद केवल महान कथाकार ही नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा के सजग चितेरे थे। उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों की पीड़ा को स्वर दिया। उनकी रचनाओं में गांव की माटी की सोंधी गंध, संघर्षरत मनुष्य की वेदना और सामाजिक परिवर्तन की गहरी आकांक्षा दिखाई देती है।

उन्होंने बताया कि मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी के निकट लमही गांव में हुआ था। उनका मूल नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। उन्होंने राजकीय इंटर कालेज प्रतापगढ़ में शिक्षक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थी। इसी दौरान उनके प्रथम लघु उपन्यास 'असरार-ए-मआबिद', जिसका हिंदी नाम 'देवस्थान रहस्य', की रचना-यात्रा प्रतापगढ़ की धरती से प्रारंभ हुई मानी जाती है। बाद में यह उपन्यास उर्दू पत्रिका में धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुआ।

डॉ. शुक्ल ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य सत्ता और वैभव की कथा नहीं, बल्कि साधारण मनुष्य के असाधारण संघर्ष का जीवंत दस्तावेज है।'सेवासदन', 'निर्मला' और 'गोदान' जैसे कालजयी उपन्यासों के साथ ही 'कफन', 'ईदगाह', 'दो बैलों की कथा', 'सवा सेर गेहूं' और 'नमक का दरोगा' जैसी कहानियों ने उन्हें हिंदी साहित्य में अमर स्थान प्रदान किया।वक्ताओं ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी उनके समय में थी। बदलते सामाजिक परिवेश में भी उनकी कहानियां मनुष्य को करुणा, न्याय, समानता और मानवीयता का संदेश देती हैं।कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष डॉ. श्याम शंकर शुक्ल 'श्याम', सचिव संतोष भगवन, कोषाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश पाल, उपाध्यक्ष आर.बी. सिंह, प्रशासक क्षितिज श्रीवास्तव, पर्यावरण चेयरपर्सन सुभाष सोनी, राजकीय इंटर कालेज के वरिष्ठ प्रवक्ता बृजेश कुमार मिश्र एवं संतोष कुमार मिश्र, नशरत अली, अशोक कुमार मौर्य, अभिषेक तिवारी, गरिमा सिंह, सीमा खरे, मनीष तिवारी, कहानीकार प्रेम कुमार त्रिपाठी तथा डॉ शाहिदा प्रबन्धक एंजिल्स इंटर कालेज, वरिष्ठ साहित्यकार डा. दयाराम मौर्य रत्न, रोशन लाल उमर वैश्य समाज सेवी वरिष्ठ साहित्यकार आनंद मोहन ओझा सहित अनेक साहित्यकारों, शिक्षकों और समाजसेवियों ने मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके साहित्यिक अवदान को स्मरण किया।

पैतृक आवास पर रोज सुनते हैं लोगों की समस्याएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बछरावां/ रायबरेली: बछरावां विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक श्याम सुंदर भारती अपनी सक्रिय कार्यशैली, जनसंपर्क और विकासोन्मुख सोच के चलते क्षेत्र में लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं। प्रतिदिन क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों की समस्याएं सुनना, उनके त्वरित समाधान का प्रयास करना तथा विकास कार्यो की गुणवत्ता की स्वयं निगरानी करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। यही कारण है कि क्षेत्र के लोगों के बीच उनकी एक सहज, सरल और जनसुलभ जनप्रतिनिधि की छवि लगातार मजबूत होती जा रही है। आपको बता दें कि, विधायक श्याम सुंदर भारती प्रतिदिन सुबह अपने पैतृक आवास ठाकुरपुर में जनता दर्शन (जनता दरबार) आयोजित करते हैं, जहां बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। विधायक प्रत्येक फरियादी की बात गंभीरता से सुनते हैं और संबंधित विभागों के अधिकारियों से तत्काल संपर्क कर समस्याओं के समाधान का प्रयास करते हैं। उनकी इस कार्यशैली से आमजन में विश्वास और उम्मीद दोनों बढ़ी हैं।

क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि, विधायक विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के बीच पहुंचते हैं। सड़क, बिजली, प्रकाश व्यवस्था और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर वे विशेष रूप से सक्रिय रहते हैं। साथ ही स्थानीय स्तर के निजी विवादों से दूरी बनाए रखते हुए जनहित से जुड़े बड़े मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। शुक्रवार को यह संवाददाता जब ठाकुरपुर स्थित विधायक आवास पहुंचा, तब विधायक श्याम सुंदर भारती सादे वस्त्रों में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान मऊ ग्राम पंचायत के दशवंतपुर गांव निवासी शिव वरदान सिंह (डब्बू) एवं धर्मराज सिंह (नान्ह) ने गांव के मेला मैदान में फोर-वे हाई मास्ट लाइट लगाए जाने की मांग रखी। विधायक ने इस मांग को जनहित से जुड़ा बताते हुए आश्वासन दिया कि, पंद्रह दिनों के भीतर मेला मैदान में हाई मास्ट लाइट स्थापित कराई जाएगी। इसी क्रम में बारीगोहन्ना ग्राम पंचायत के प्रधान प्रतिनिधि आनंद कुमार मिश्रा ने कड़रिया गांव स्थित रामनाथ के दरवाजे के तिराहे अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में फोर-वे हाई मास्क लाइट लगाए जाने तथा पूरे शुकुलन गांव की नई बस्ती के विद्युतीकरण की मांग विधायक के समक्ष रखी।

विधायक श्याम सुंदर भारती ने दोनों मांगों को गंभीरता से लेते हुए हाई मास्क लाइट की स्थापना पंद्रह दिनों के भीतर कराने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि, पूरे शुकुलन गांव की विद्युत व्यवस्था का मुद्दा आगामी विधानसभा सत्र में प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि, वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पूर्व उनका प्रयास रहेगा कि, गांव का पूर्ण विद्युतीकरण हो जाए, जिससे आज भी मोमबत्ती और ढिबरी के सहारे जीवन यापन कर रहे लोगों को स्थायी राहत मिल सके। जनता दर्शन के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और विधायक ने एक-एक कर सभी की बात सुनी। इस अवसर पर बाबू यादव, राम प्रताप, सचिव कुमार, सुमंत कुमार, महबूब अली, राजा राम सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

उर्वरक दुकानों पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जनपद में उर्वरकों की कालाबाजारी और अनियमितताओं पर लगाम कसने के लिए कृषि विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। जिला कृषि अधिकारी शशांक ने गुरुवार को नवाबगंज एवं सदर क्षेत्र के उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान अनियमितताएं मिलने पर तीन उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। निरीक्षण के दौरान शिव एग्रीजंक्शन अशाखेड़ा, यूनुस खाद भंडार अशाखेड़ा, शारदा खाद भंडार सोहरामऊ, कुशवाहा बीज भंडार सोहरामऊ, द्विवेदी खाद भंडार नवाबगंज, दुर्गा खाद भंडार नवाबगंज, मिश्रा खाद भंडार कलंदरखेड़ा, शर्मा खाद भंडार राउकरना तथा अमरजीत खाद भंडार कलंदरखेड़ा की जांच की गई। जांच में मिश्रा खाद भंडार और अमरजीत खाद भंडार कलंदरखेड़ा पर अनियमितताएं पाए जाने तथा यूनुस खाद भंडार अशाखेड़ा पर निर्धारित सूचना बोर्ड (बैनर) प्रदर्शित न मिलने पर तीनों प्रतिष्ठानों के उर्वरक लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। जिला कृषि अधिकारी ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया कि किसानों को उनकी जोत के अनुसार निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। स्टॉक एवं वितरण रजिस्टर नियमित रूप से अद्यतन रखा जाए तथा उर्वरकों का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जनपद में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वर्तमान में 28,408 मीट्रिक टन यूरिया, 8,165 मीट्रिक टन डीएपी तथा 6,424 मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है, जिसका वितरण सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं के माध्यम से किया जा रहा है। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की कि उर्वरक खरीदते समय अपने साथ फॉर्मर आईडी (फार्मर रजिस्ट्री) अथवा खतौनी अवश्य लेकर जाएं तथा अपनी भूमि के अनुसार निर्धारित मात्रा में ही उर्वरक खरीदें। इससे वितरण व्यवस्था पारदर्शी रहेगी और सभी किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सकेगी।

अज्ञात कार की टक्कर से किशोरी की मौत, कोहराम मचा

लालगंज, प्रतापगढ़। तेज गति से आ रही अज्ञात कार की टक्कर से स्कूटी सवार किशोरी की मौत हो गयी। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। लालगंज कोतवाली के पयागीपुर गांव की 17 वर्षीया अन्नू वर्मा पुत्री विमलेश वर्मा शुक्रवार की सुबह स्कूटी लेकर पेट्रोल पम्प पर पेट्रोल लेने गयी थी। लालगंज कोतवाली के रायपुर तियांई स्थित पेट्रोल पम्प के समीप ही नेशनल हाईवे पर लालगंज की ओर से तीव्र गति से आ रही अज्ञात कार ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दिया। इससे किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गयी। आसपास के लोगों ने उसे इलाज के लिए लालगंज ट्रामा सेंटर भेजवाया। जहां चिकित्सकों ने अन्नू वर्मा को मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी होने पर अस्पताल पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। इधर दुर्घटना के बाद चालक कार छोड़ भाग निकला। पुलिस ने दुर्घटना में प्रयुक्त कार को कब्जे मे लेकर कोतवाली ले आयी। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

एफएलएन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। इटवा ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय गनवरिया पूरब विद्यालय मैं पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार की उपस्थिति में किया गया। शुक्रवार को प्रथम सत्र में प्रशिक्षण सत्रों का परिचय और प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त किया गया ,निपुण भारत मिशन की संकल्पना और विस्तारण पर वार्ता की गई सन्दर्भदाता हेमंत गुप्ता ने बताया कि निपुण लक्ष्य को बाल वाटिका से कक्षा पांच तक विस्तारित किया गया है। विस्तारित मिशन का लक्ष्य वाल वाटिका से कक्षा पांच तक के सभी विद्यार्थियों मैं हिंदी गणित अंग्रेजी और पर्यावरण अध्ध्यन की कक्षा अनुरूप दक्षताओं में निपुण बनाना तथा अधिगम प्रक्रियाओं को प्रभावशील बनाना है।

बाद के सत्रों मैं वीना का परिचय तथा उत्तर प्रदेश के संदर्भ मैं कुछ बदले गए पाठों पर चर्चा हुई। सन्दर्भदाता लोकेंद्र प्रताप सिंह संगीत शुक्ला अभिषेक शुक्ला तथा डी पी सिंह ने भी प्रशिक्षण मैं विभिन्न सत्रों का प्रभावी संचालन किया। इस दौरान रागिनी मिश्रा, रचना सिंह, नलिनी श्रीवास्तव, फुरकान अहमद आब्दी, प्रमोद यादव, इन्द्रमणि त्रिपाठी, संतोष कुमार, प्रदीप मिश्रा, अब्दुल फरीद अहमद आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांग छात्र हरिकुमार का राजकीय आवासीय विद्यालय में हुआ नामांकन

सिद्धार्थनगर। विकास खंड बांसी के कंपोजिट विद्यालय टड़वल घाट के विशेष शिक्षक अवनीश त्रिपाठी के प्रयास से दिव्यांग छात्र हरिकुमार का नामांकन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापगढ़ में हुआ है। इसमें दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए आवासीय व्यवस्था लागू है।

सत्र 2025-26 में कक्षा आठ उत्तीर्ण करने वाले अस्थि दिव्यांग छात्र हरिकुमार की दिव्यांगता, घर की दूरी और लाचारी के वजह से पढ़ नही रहा था। डीसी करुणापति त्रिपाठी ने बताया कि छात्र हरिकुमार का घर बांसी मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। कक्षा आठ पास करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए उसे रोज बांसी आना पड़ता, जो उसकी शारीरिक स्थिति के कारण कठिन था। हरिकुमार की पढ़ने की इच्छा को देखते हुए आवासीय विद्यालय में नामांकन के लिए प्रयास किया गया। अब उसे मुफ्त आवास, भोजन और बेहतरीन माहौल में आगे की पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है।

मानदेय बढ़ाने की मांग पर रसोइयों का प्रदर्शन

बांसी (सिद्धार्थनगर)। मिड-डे-मील रसोईया कर्मचारी यूनियन के बैनर तले रसोइयों ने शुक्रवार को अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित 13 सूत्रीय मांगपत्र तहसीलदार पियूष श्रीवास्तव को सौंपा। रसोइया बांसी ब्लाक कार्यालय पर इकट्ठा होकर नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय पहुंच वर्तमान में मिल रहे 2,000 रुपया के स्थान पर 26,000 रुपया प्रतिमाह मानदेय और 10 महीने के बजाय पूरे 12 महीने का भुगतान किए जाने की मांग किया। इस दौरान रसोइयों ने नियमितीकरण योजना का निजीकरण रोकने और राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की भी मांग रखा। सामाजिक सुरक्षा मानदेय अवधि में मृत्यु पर 10 लाख रुपए का मुआवजा, आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति और स्वास्थ्य बीमा सुविधा प्रदान करने को कहा। 50 से कम छात्र संख्या वाले स्कूलों से रसोइयों को हटाने की नीति रद्द करने, एप्रन, यूनिफॉर्म व पहचान पत्र देने व बकाया मानदेय का तुरंत भुगतान करने की मांग भी रसोइयों ने किया है। यूनियन के जिला मंत्री विजय नाथ तिवारी ने चेतावनी दिया कि यदि

मांगों का शीघ्र निस्तारण नहीं हुआ, तो आने वाले समय में उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान अध्यक्ष गीता देवी, प्रमिला, कुसुम, सावित्री, पंकज प्रसाद सहित काफी संख्या में रसोईया कर्मचारी उपस्थित रहे।

फंदे से लटका मिला युवती का शव, जांच शुरू

सिद्धार्थनगर। जिले के चिल्हिया थाना क्षेत्र एक गांव में एक युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के भीतरछत के कुंडी से फंदे के सहारे लटकी मिली। घटना की जानकारी शुक्रवार भोर में उस समय हुई, जब उसकी मां उसे जगाने के लिए कमरे में पहुंची। आवाज देने पर दरवाजा नहीं खुलने पर परिवार के लोगों ने शोर मचाया। आसपास के लोग मौके पर जुटे और पुलिस को सूचना दी गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।मृतका की पहचान खुशबुन्निशा (21वर्ष) पुत्री स्वर्गीय शरीफ अहमद निवासी गौरा बाजार ग्राम सभा अलीदापुर थाना चिल्हिया के रूप में हुई है। स्वजन के अनुसार गुरुवार रात उसने परिवार के सभी के सभी सदस्यों को भोजन कराया और इसके बाद अपने कमरे में सोने के लिए चली गई। सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो स्वजन को अनहोनी की आशंका हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाया। कमरे के भीतर युवती का शव छत की कुंडी से रस्सी के सहारे लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में घटना के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस स्वजन से पूछताछ के साथ अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है। इस मामले में चिल्हिया थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि गौरा बाजार में एक युवती का शव कमरे के भीतर फंदे से लटका मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रवेश की अंतिम तिथि 5 अगस्त

सिद्धार्थनगर। सत्र 2026-27 हेतु सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर की समर्थ पोर्टल के माध्यम से चल रही प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि 30 जुलाई, 2026 निर्धारित की गयी थी। जिसे कुलपति के आदेशानुसार छात्रहित के दृष्टिगत अंतिम अवसर प्रदान करते हुए तृतीय चरण के पंजीकरण की अवधि 31 जुलाई 2026 से 05 अगस्त 2026 तक पोर्टल खोला जा रहा है। समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्य/प्राचार्या से अपेक्षा है कि व्यक्तिगत स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित समायावधि के भीतर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। प्रत्येक दिन का प्रवेश से सम्बन्धित डाटा विश्वविद्यालय द्वारा बनाये गये डिजिटल सर्विस (समर्थ ग्रुप) पर प्रेषित करनें का कष्ट करें। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ अश्विनी कुमार ने दी है।

संक्षिप्त खबरें

गया में रेलवे ट्रैक पार कर रहे दंपती को मालगाड़ी ने रौंदा, पत्नी की मौके पर मौत

फतेहपुर (गया)। गया-कोडरमा रेलखंड पर पहाड़पुर स्टेशन के समीप शुक्रवार की सुबह एक हृदयविदारक हादसे में एक परिवार की खुशियां पलभर में उजड़ गईं। आसनसोल जाने के लिए घर से निकले डुमरी चट्टी गांव के दंपती तेज रफ्तार मालगाड़ी की चपेट में आ गए। हादसे में 55 वर्षीय सुमा देवी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके पति 60 वर्षीय सरजू रविदास उर्फ भाखो रविदास गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घर में स्वजनों के बीच चीख-पुकार मच गई, वहीं पूरे गांव में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार, दोनों पति-पत्नी घर से पहाड़पुर स्टेशन पैसेंजर ट्रेन पकड़ने के लिए रेलवे लाइन के किनारे पैदल जा रहे थे। पहाड़पुर गांव के समीप रेल लाइन पार करने के दौरान अचानक से तेज गति से मालगाड़ी आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सरजू रविदास ने ट्रेन को आते देख पत्नी को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। सुमा देवी मालगाड़ी की चपेट में आ गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

चोरी के शक में युवक की हत्या, रस्सी से बांधकर बेरहमी से पीटाई; अस्पताल में मृत घोषित

शेरघाटी (गया)। गया जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र के झौर गांव में गुरुवार की रात चोरी की नीयत से एक घर में घुसे कथित बदमाश युवक की ग्रामीणों द्वारा की गई पिटाई के बाद मौत हो गई। मृतक की पहचान झौर गांव निवासी 20 वर्षीय पंकज उर्फ बंडा मांझी, पिता कुलेश्वर मांझी के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल, गया भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। खबर के अनुसार, पंकज उर्फ बंडा देर रात गांव के शैलेश मांझी के घर में घुसा था। घर के लोगों के शोर मचाने पर वह भागने लगा, लेकिन गिर जाने के कारण ग्रामीणों के हत्थे चढ़ गया। इसके बाद उसकी जमकर पिटाई की गई। गांव में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक नशे का आदी था और नशे की हालत में अक्सर गांव के घरों में घुस जाता था। उस पर महिलाओं से अभद्र व्यवहार और चोरी की घटनाओं में संलिप्त रहने के भी आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि पुलिस ने नहीं की है। मृतक की दादी शिववासिया देवी ने बताया कि उनका पोता रात में घर पर सोया हुआ था, लेकिन कब बाहर निकल गया, इसकी जानकारी नहीं हुई। आधी रात में गांव में 'चोर-चोर' का शोर सुनाई दिया तो पता चला कि वह घर पर नहीं है। कुछ देर बाद गांव के लोग उसे पकड़कर घर के पीछे से ले गए। परिजनों ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने युवक को रस्सी से बांधकर बंधक बनाया और बेरहमी से पीटा।

जन सुराज को राजद ने बताया भाजपा की बी-टीम

पटना। राजद ने प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को भाजपा की बी-टीम बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। राजद की बिहार इकाई के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि बांकीपुर उपचुनाव में उनकी पार्टी को दो-दो भाजपा से मुकाबला करना पड़ा। इनमें एक भाजपा और दूसरी उसकी 'पोषित' पार्टी के रूप में जन सुराज थी। शक्ति सिंह यादव ने आरोप लगाया कि जन सुराज पार्टी भाजपा के इशारे पर चुनाव मैदान में उतरी थी। उन्होंने कहा कि भाजपा और जन सुराज के बीच की कथित मिलीभगत अब उजागर हो चुकी है। उन्होंने बांकीपुर क्षेत्र में मतदान के दौरान मतदाताओं को डराने-धमकाने और धन बांटने का आरोप भी लगाया। राजद नेता ने कहा कि इसके बावजूद पार्टी के समर्थक अपने निर्णय पर कायम रहे। वहीं, राजद ने मंत्री दीपक प्रकाश के पद पर बने रहने को लेकर भी सवाल उठाए हैं। शक्ति सिंह यादव ने कहा कि न्यायालय की टिप्पणियों के बाद भी दीपक प्रकाश का मंत्री पद पर बने रहना संवैधानिक मर्यादाओं के विपरीत है।

नेपाल हिंसा: पीड़ितों को मुआवजा

पीड़ितों को 10 लाख मुआवजा और शहीद का दर्जा देने पर सहमति, गृहमंत्री बोले- न्याय मिलेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जोगबनी (अररिया)। नेपाल के सुनसरी जिले के दीवानगंज गांव पालिका तीन कप्तानगंज में हुई हिंसा की घटना में जान गंवाने वाले ओम प्रकाश मेहता और जय प्रकाश मेहता के परिवार के साथ नेपाल सरकार द्वारा सहमति किए जाने के बाद गृह मंत्री सुधन गुरुग ने कहा है कि सरकार सत्य, न्याय, कानूनी शासन और नागरिक के विश्वास के प्रति पूर्ण प्रतिबद्ध है। सहमति के अनुसार मृतक को शहीद घोषित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये की राहत, घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषी के ऊपर कानून के बमोजिम (माफिक/अनुरूप) कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिवार के योग्य सदस्य को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा और मृतकों की स्मृति में स्मृति पार्क निर्माण के लिए आवश्यक समन्वय किए जाने की सहमति गुरुवार की रात्रि गृहमंत्री की उपस्थिति में पीड़ित परिवार के साथ हुई थी। इस सहमति के बाद उन्होंने कहा कि

सरकार पीड़ित परिवार के साथ हुई सहमति के प्रति पूर्ण प्रतिबद्ध है और आवश्यक निर्णय तथा कार्यान्वयन जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे बढ़ाए जाएंगे।

कोसी व मधेश प्रदेश में ड्रोन से सुरक्षा निगरानी

नेपाल सरकार के गृह मंत्रालय ने हिंसा फैलने से रोकने के लिए मधेश और कोसी प्रदेश के विभिन्न जिलों में सुरक्षा निगरानी कड़ी कर दी है। विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से निगरानी को तेज कर दिया गया है। सुरक्षा निकायों ने सामाजिक सद्भाव तथा धार्मिक सहिष्णुता में खलल डालने, अफवाह फैलाने या कानून के विपरीत गतिविधियों में संलिप्त व्यक्ति पर प्रमाण के आधार पर कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की बात कही है। प्रशासन ने नागरिकों से शांति, संयम और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का आग्रह करते हुए किसी भी भ्रामक सूचना या उकसावे में न आने की अपील की है। सुनसरी से शुरू हुआ तनाव मधेश के जिलों में भी दिखने लगा है। कांवर यात्रा के दौरान सुनसरी में दो और सिराहा में एक व्यक्ति की गोली लगने से मौत हुई है।

विराटनगर में निकली सद्भावना रैली

विराटनगर में शुक्रवार को एक शांतिपूर्ण सद्भाव रैली का आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न धर्मों में आस्था रखने वाले नागरिक एक ही स्थान पर एकत्र हुए और सामाजिक सद्भाव, धार्मिक सहिष्णुता तथा आपसी एकता का संदेश देते हुए संयुक्त रैली निकाली। रैली में शामिल लोगों ने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने, अफवाहों से दूर रहने और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को मजबूत करने का आग्रह किया। इस बात पर जोर दिया कि सुनसरी सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई हालिया घटनाओं के कारण समाज में उत्पन्न तनाव का समाधान संवाद, सहिष्णुता और आपसी विश्वास के माध्यम से किया जाना चाहिए। सुनसरी घटना के मृतक का शव लेने को परिवार के राजी होने पर अस्पताल से पोस्टमार्टम के लिए कोसी अंचल अस्पताल ले जाया गया।

अब गाड़ी रोककर चालान नहीं काट सकेंगे ट्रैफिक सिपाही और हवलदार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। यातायात पुलिस के सिपाही, हवलदार और जमादार (सहायक अवर निरीक्षक) न तो वाहन जांच के लिए गाड़ी रोकेंगे और न ही किसी तरह का ऑन स्पॉट चालान कर सकेंगे। उनका काम सिर्फ ट्रैफिक रेगुलेशन (सुगम यातायात) करना होगा। चालान से जुड़ी किसी भी तरह की कार्रवाई दारोगा (सब-इंस्पेक्टर) या उससे ऊपर के पदाधिकारी ही करेंगे। अगर ट्रैफिक पुलिसकर्मी इसका उल्लंघन करते पाए तो उनके विरुद्ध प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वाहन चेकिंग के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद एडीजी यातायात सुधांशु कुमार ने इससे जुड़ा आदेश जारी किया है। पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को प्रेस वार्ता में एडीजी सुधांशु कुमार ने बताया कि वाहन जांच को लेकर सभी जिलों को नया दिशा-निर्देश जारी कर दिया गया है। कई बार ट्रैफिक सिपाही वाहन जांच के लिए गाड़ी रोकते हैं और आगे की कार्रवाई के लिए दारोगा या उससे ऊपर के अधिकारी के पास भेज देते हैं, अब वह यह काम भी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वाहन जांच के दौरान डिजिटल रिकॉर्ड रखने वाले डिजी लॉकर को भी मान्य किया गया है। सभी ट्रैफिक एसपी-डीएसपी को इसका सख्ती से अनुपालन कराने का निर्देश दिया गया है। एडीजी ने बताया कि सभी ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान बॉडी वॉर्न कैमरा ऑन रखना अनिवार्य किया गया है। अगर ट्रैफिक पुलिसकर्मी के विरुद्ध किसी प्रकार की शिकायत आती है और उस समय उनका बाडी वार्न कैमरा बंद पाया जाता है, तो ऐसे मामलों में पुलिसकर्मी को दोषी मानते हुए आरोप सही माना जाएगा। कोलकाता की तर्ज पर अब पटना के जाम का इलाज किया जाएगा। अभी तक पटना में ट्रैफिक जवानों की प्रतिनियुक्ति किसी निश्चित चौक-चौराहे या प्वाइंट पर होती थी मगर अब इसमें बदलाव किया गया है। एडीजी यातायात सुधांशु कुमार ने बताया कि अब ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी प्वाइंट टू प्वाइंट यानी सड़क के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक तक होगी। इस स्ट्रेच के बीच यातायात सुचारू रखने की पूरी जवाबदेही संबंधित ट्रैफिक जवानों की होगी। एडीजी ने बताया कि स्कूल और कार्यालयों के आवागमन के समय पिक आवर में ट्रैफिक इंस्पेक्टर, डीएसपी और एसपी को भी सड़क पर रहकर यातायात मानीटरिंग करने का निर्देश दिया गया है। इस दौरान वह कार्यालय में न रहकर फील्ड में रहेंगे। पिक आवर में जाम की मॉनिटरिंग स्मार्ट सिटी के तहत बने इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से भी की जाएगी।

मुकेश और आकाशदीप बने बिहार पुलिस के डीएसपी

पटना। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और आकाशदीप को खेल कोटे से बिहार पुलिस में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नियुक्त किया गया है। गृह विभाग की आरक्षी शाखा ने शुक्रवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी। अधिसूचना के अनुसार, दोनों खिलाड़ियों के शैक्षणिक एवं खेल प्रमाणपत्रों की जांच के बाद बिहार पुलिस मुख्यालय में उनकी नियुक्ति की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बिहार उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी नियुक्ति नियमावली के तहत दोनों खिलाड़ियों को अगले पांच वर्षों तक सक्रिय खिलाड़ी के रूप में प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना होगा। इसके लिए बांड भरना अनिवार्य होगा। नियमों का पालन नहीं करने पर उनकी सेवा की पुष्टि नहीं की जाएगी। हाल ही में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुकेश कुमार, आकाशदीप सहित कई उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे। दोनों खिलाड़ियों की नियुक्ति को राज्य सरकार द्वारा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार हुए दरोगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

औरंगाबाद। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (विजिलेंस) पटना की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए रिसियप थाना में पदस्थापित दारोगा उमेश कुमार को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थाना परिसर के पीछे स्थित पंचायत सरकार भवन के सामने सड़क पर की गई। निगरानी डीएसपी संतोष कुमार ने बताया कि रिसियप थाना क्षेत्र के तेंदुआ गणपत गांव निवासी ग्रामीण चिकित्सक डॉ. लक्ष्मण राम ने निगरानी थाना में 24 जुलाई को लिखित आवेदन देकर मारपीट के मामले में दर्ज प्राथमिकी के अनुसंधानकर्ता उमेश कुमार के द्वारा रिश्वत मांगने की शिकायत की। शिकायत के बाद निगरानी की टीम ने जांच की। जांच में दारोगा के द्वारा रिश्चत मांगने की शिकायत सही पाई गई। निगरानी डीएसपी ने बताया कि दारोगा के द्वारा डॉ. लक्ष्मण से उनके केस में राहत देने के नाम पर दो लाख रिश्वत मांगी गई थी। डेढ़ लाख पर तय हुई थी। बाद में एक लाख पर बात बनी। शिकायत सत्य पाए जाने के बाद निगरानी की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। तय योजना के तहत जैसे ही शिकायतकर्ता डॉ. लक्ष्मण से दारोगा ने थाना के पीछे सड़क पर 50 हजार रुपये रिश्चत ली निगरानी टीम ने मौके पर ही उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि डॉ. लक्ष्मण का गांव के मदन राम के साथ नाली-गली का विवाद चल रहा है। 14 जुलाई को दोनों पक्ष के बीच मारपीट हुई। डा. लक्ष्मण राम घायल हो गए। मामले में थाना की पुलिस ने दोनों पक्ष से प्राथमिकी की थी। दोनों प्राथमिकी के अनुसंधानकर्ता दारोगा उमेश कुमार बने। लक्ष्मण ने बताया कि थाना की पुलिस के द्वारा दोनों पक्ष से प्राथमिकी होने के बाद गिरफ्तार दारोगा ने मामले में मदद के नाम पर दो लाख रिश्वत मांगे थे। बाद में डेढ़ लाख उसके बाद एक लाख पर माने थे। इसमें 50 हजार रुपये वे रिश्वत लिए इसके बाद निगरानी की टीम ने उन्हें गिरफ्तार किया। लक्ष्मण ने बताया कि रिश्वत की राशि देने में विलंब होने पर गिरफ्तार दारोगा के द्वारा कई तरह की लगातार धमकी दी जा रही थी।

आत्मसमर्पित नक्सली बंदियों के पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

नक्सली बंदी कारा में व्यावसायिक प्रशिक्षण का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हज़ारीबाग, झारखंडः- आत्मसमर्पित नक्सली बंदी कारा, हजारीबाग में राज्य सरकार की समर्पण नीति के तहत आत्मसमर्पित नक्सली बंदी (महिला एवं पुरुष) के पुनर्वास एवं उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज 31 जुलाई को मुर्गी पालन (पोल्ट्री फार्मिंग) तथा सिलाई कटिंग संबंधी व्यावसायिक प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने किया। यह प्रशिक्षण जन शिक्षण संस्थान, हजारीबाग द्वारा दिया जाएगा। इस अवसर पर उपायुक्त हेमन्त सती ने कहा कि राज्य सरकार की समर्पण नीति का उद्देश्य केवल आत्मसमर्पित कैदियों का पुनर्वास करना ही नहीं, बल्कि उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराकर समाज का जिम्मेदार एवं आत्मनिर्भर नागरिक बनाना भी है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों को नई दिशा मिलेगी और वे अपने जीवन की नई शुरुआत आत्मविश्वास के साथ कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 80 दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 60 आत्मसमर्पित नक्सली बंदी (महिला एवं पुरुष) भाग लेंगे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मुर्गी पालन एवं सिलाई के क्षेत्र में व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे वे प्रशिक्षण उपरांत स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बन सकें।उपायुक्त ने कहा कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात सभी प्रतिभागियों को जिला प्रशासन द्वारा प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। साथ ही उन्हें मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना से जोड़ते हुए स्वरोजगार हेतु ऋण सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में भी आवश्यक पहल की

जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें। प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित आत्मसमर्पित नक्सली बंदियों ने जिला प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक वापसी का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। इस अवसर पर जेल अधीक्षक चंद्रशेखर प्रसाद सुमन सहित संबंधित पदाधिकारी एवं प्रशिक्षकगण उपस्थित थे।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के रोजगार मेले में उमड़ी युवाओं की भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के मटवारी स्थित परिसर में आयोजित रोजगार मेला का शुभारंभ भोपाल से आए आईसेक्ट के राष्ट्रीय प्लेसमेंट हेड उद्दीपन चटर्जी, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गौरव शुक्ला, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, समकुलपति डॉ एस आर रथ सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर नेशनल प्लेसमेंट हेड उद्दीपन चटर्जी ने कहा कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं को उद्योग जगत से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रोजगार मेले में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवक-युवतियों ने भाग लिया। वित्त, बैंकिंग, बीमा, कृषि, शिक्षा, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सेवा क्षेत्र से जुड़ी कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर योग्य उम्मीदवारों का चयन किया। मेले में आईसेक्ट इंडिया, आदित्य बिड़ला कैपिटल हेल्थ इंश्योरेंस, अन्नपूर्णा फाइनेंस, भारत

फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड, देहात, टीमलीज़, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, सुब्रोस, अफोरसर्व, वीएन एसहेल्थ केयर, पूणे, जनकल्याण समिति, दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केन्द्र, टफकॉन एक्सटी, व्हाट्स टूल बिजनेस, हिडन लैंप, लिनोवो सहित अनेक कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गौरव शुक्ला ने कहा कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि उन्हें रोजगार के योग्य बनाने पर भी विशेष बल देता है। उन्होंने कहा कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास और प्लेसमेंट विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है तथा भविष्य में भी इस तरह के रोजगार मेलों का आयोजन जारी रहेगा। कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा के साथ रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को सीधे कंपनियों के प्रतिनिधियों से जुड़ने और अपने करियर को नई दिशा देने का अवसर प्रदान करते हैं। समकुलपति डॉ एसआर रथ ने कहा कि वर्तमान समय में कौशल आधारित शिक्षा की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, तकनीकी दक्षता और रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट पदाधिकारी मनोज कुमार व सहायक अधिकारी रमेश अभिषेक ने बताया कि रोजगार मेले में आए विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों ने 400 से अधिक अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। अब इसमें अंतिम सूची में चयनित अभ्यर्थियों को कंपनियों की निर्धारित प्रक्रिया के तहत आगे की नियुक्ति प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय उद्योग जगत के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रेमचंद जयंती पर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

डीएवी बरही की सिंकु कुमारी ने पाया प्रथम स्थान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर बरही ब्लॉक में भाषण एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रुचि विकसित करना तथा उनके अभिव्यक्ति कौशल को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रेमचंद के व्यक्तित्व, कृतित्व तथा सामाजिक सरोकारों पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर सिंकु कुमारी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भाषण प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त की, जबकि आफरीन ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मक एवं प्रभावशाली अभिव्यक्ति से सभी का ध्यान

आकर्षित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने दोनों छात्राओं को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की साहित्यिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उत्साह और उत्कृष्ट प्रस्तुति की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा शिक्षकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने उमर खालिद की तीसरी जमानत याचिका पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को उमर खालिद की तीसरी बेल याचिका पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को नोटिस जारी किया। उमर पर साल 2020 की फरवरी में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों की साजिश रचने का आरोप है। पुलिस ने उनके खिलाफ यूएपीए समेत अन्य कई धाराओं में केस दर्ज किया है। इसी के चलते उमर खालिद साल 2020 से जेल में हैं और वह सुप्रीम कोर्ट समेत हाईकोर्ट और निचली अदालतों में कई बार बेल के लिए अप्लाई कर चुके हैं। खालिद ने ताजा बेल याचिका के साथ ही अंतरिम जमानत के लिए भी याचिका दायर की है। इसकी सुनवाई के लिए अदालत ने 27 अगस्त की तारीख तय की है। इसके साथ ही शरजील इमाम की भी बेल याचिका पर 27 अगस्त को सुनवाई होगी। शरजील इमाम भी साल 2020 से दंगा की साजिश रचने के आरोप में जेल में बंद हैं। उनपर भी यूएपीए समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

चौपारण में होटल से तीन अपराधकर्मी गिरफ्तार, रिवाल्वर व तीन जिंदा गोलियां बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन संदिग्ध अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से एक देशी रिवाल्वर, 7.65 एमएम की तीन जिंदा गोलियां, तीन मोबाइल फोन, एक डिजायर कार और एक बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में दो के खिलाफ पूर्व से विभिन्न थानों में आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। मामले की जानकारी बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर ने प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि 30 जुलाई 2026 को पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को सूचना मिली थी कि चौपारण थाना क्षेत्र के सियरकोनी स्थित मां गंगोत्री होटल में कुछ संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार के साथ मौजूद हैं और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए बरही एसडीपीओ के नेतृत्व में तत्काल छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने सियरकोनी स्थित मां गंगोत्री होटल में छापामारी की। इस दौरान पुलिस ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया। तलाशी के क्रम में उनके पास से एक देशी

रिवाल्वर और 7.65 एमएम की तीन जिंदा गोलियां बरामद हुईं। इसके अलावा पुलिस ने मौके से तीन मोबाइल फोन, सफेद रंग की डिजायर कार संख्या बीआर 01 डीजी 6000 तथा बुलेट मोटरसाइकिल संख्या जेएच 02 बीजे 4723 भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अक्षय यादव 21 वर्ष पिता जितेंद्र यादव लोदीपुर थाना बेलागंज जिला गया बिहार निवासी, प्रिंस कुमार 19 वर्ष पिता बसंत प्रसाद बेला सोनपुर थाना बेलागंज, जिला गया बिहार निवासी तथा करण राज 19 वर्ष पिता सुरेंद्र प्रसाद मकदूमपुर गया थाना मकदूमपुर, जिला गया बिहार निवासी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार प्रिंस कुमार के खिलाफ गया रेल थाना और बेलागंज थाना में पूर्व से कई मामले दर्ज हैं। इनमें गया रेल थाना कांड संख्या 28/2025, दिनांक 4 फरवरी 2025, धारा 109/118/3(5) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट; बेलागंज थाना कांड संख्या 114/2024, दिनांक 23 फरवरी 2024, धारा 341/ 323/ 337/ 338/ 353/ 307/ 34 भादवि एवं 25(1)/ 26/ 35 आर्म्स एक्ट तथा बेलागंज थाना कांड संख्या 532/ 2024, दिनांक 12 सितंबर 2024, धारा 303/ 317(4)/ 3(5) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट शामिल हैं। अक्षय यादव के खिलाफ भी बेलागंज थाना में पूर्व से मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इनमें बेलागंज थाना कांड संख्या 114/2024, दिनांक 23 फरवरी 2024, धारा 341/ 323/ 337/ 338/ 353/ 307/ 34 भादवि एवं 25(1)/26/35 आर्म्स एक्ट तथा बेलागंज थाना कांड संख्या 370/2025, दिनांक 29 जून 2025, धारा 304(2) बीएनएस शामिल है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर ने बताया कि इस संबंध में चौपारण थाना में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस उनके आपराधिक इतिहास, संभावित आपराधिक मंशा और बरामद हथियार के स्रोत के संबंध में गहन जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने के लिए वहां जुटे थे या उनके पीछे किसी अन्य आपराधिक गिरोह की भूमिका है। एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने कहा कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बरही अनुमंडल क्षेत्र में अपराध और अवैध हथियार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का उद्देश्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करना है। कार्रवाई में बरही एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर, पुनि सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार, चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक कृष्ण कुमार गुप्ता, कुणाल किशोर, दिव्य प्रकाश, सहायक अवर निरीक्षक बादल कुमार महतो सहित चौपारण थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

डीपीएम स्कूल में संस्थापक दिवस पर श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- प्रखंड के खैराकांदर स्थित डिवाइन प्रोविडेंस मिशन स्कूल में शुक्रवार को विद्यालय की संस्थापिका एवं विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी की धर्मपत्नी स्व. डॉ. सुहासिनी बेसरा की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर द्वितीय संस्थापक दिवस श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कार और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं स्व. डॉ. सुहासिनी बेसरा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इस अवसर पर एसडीपीओ विजय कुमार, पाकुड़िया थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो, सीएचसी प्रभारी पाकुड़िया, महेशपुर बीडीओ डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव, अंचल अधिकारी संजय सिन्हा, झामुमो जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, जिला संगठन सचिव अनारुद्दीन मियां, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रूहुल अमीन, सांसद प्रतिनिधि कुणाल अल्फ्रेड हेम्ब्रम सहित सैकड़ों अभिभावक, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने कहा कि स्व. डॉ. सुहासिनी बेसरा का जीवन शिक्षा और समाज सेवा को समर्पित था। उन्होंने हमेशा कहा कि शिक्षा ही वह सबसे बड़ा हथियार है, जिससे गरीबी, पिछड़ापन और अंधकार को दूर किया जा सकता है। उनके इसी सपने को आगे बढ़ाने के लिए डीपीएम स्कूल की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि आज इस विद्यालय के बच्चे कला, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, जिस पर उन्हें गर्व है। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी शहरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और सरकार की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। विद्यालय की निदेशक उपासना मरांडी ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि उन्हें कला, नृत्य, संगीत, नाटक, अभिनय तथा अंग्रेजी भाषा में भी दक्ष बनाना है, ताकि वे महानगरों के विद्यार्थियों के साथ समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता फैलाना ही डीपीएम स्कूल का मुख्य लक्ष्य है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, लोक नृत्य, नाटक एवं कविता प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि एसडीपीओ विजय कुमार ने कहा कि डीपीएम स्कूल शिक्षा के साथ संस्कार भी प्रदान कर रहा है, जो अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि स्व. डॉ. सुहासिनी बेसरा का शिक्षा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। अन्य वक्ताओं ने भी उनके दिखाए मार्ग पर चलकर क्षेत्र में शिक्षा

की अलख जगाने का आह्वान किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में झामुमो जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम, वरीय जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली, वरीय जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, जिला सचिव माईकिल मुर्मू, प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा, सचिव मैनुद्दीन अंसारी, अशोक भगत, प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद, जिला संगठन सचिव अनारुद्दीन मियां, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष रूहुल अमीन, सांसद प्रतिनिधि कुणाल अल्फ्रेड हेम्ब्रम, हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष इशाहक अंसारी, प्रखंड सचिव जेम्स सुशील हेम्ब्रम, प्रखंड उपाध्यक्ष एनामुल हक, इकबाल हुसैन, हबीबुर रहमान उर्फ पोल्टु सहित बड़ी संख्या में झामुमो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही स्व. डॉ. सुहासिनी बेसरा के आदर्शों पर चलते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का संकल्प दोहराया।

संक्षिप्त खबरें

एसीएमओ ने क्लीनिक और मेडिकल स्टोर किया सीज

कोंच(जालौन)- एसीएमओ डॉ अरविंद भूषण ने शुक्रवार को मारकंडेश्वर तिराहे के पास विमल क्लीनिक और तृप्ति मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की जिसमें अनियमितताएं पाए जाने की बात सामने आई है। जांच के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम को विमल क्लीनिक में डॉक्टर की गैरमौजूदगी में एक अन्य व्यक्ति द्वारा मरीजों का इलाज करते हुए पाया गया। टीम ने क्लीनिक में मरीजों के उपचार और चिकित्सा व्यवस्था से संबंधित जानकारी जुटाई। स्वास्थ्य विभाग ने इसे नियमों के विपरीत गंभीर मामला माना। वहीं, तृप्ति मेडिकल स्टोर की जांच में भी रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में एक अन्य व्यक्ति द्वारा मरीजों को दवाएं दिए जाने की बात सामने आई। इन अनियमितताओं पर एसीएमओ ने दोनों प्रतिष्ठानों को सील कर दिया है।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन ने अरविंद कुमार फौजी को केशवापुर में दी तैनाती

गोला गोकर्णनाथ खीरी- सदर कोतवाली में तैनात कांस्टेबल अरविंद कुमार फौजी को पुलिस विभाग ने उनकी कावड़ियों के प्रति सेवा भाव व सक्रीयता को भांपते हुए सावन माह में एक बार फिर से ढकवा चौकी पर तैनाती दी है।अब इसे भगवान शिव की भक्ति ही कहेंगें अरविंद कुमार फौजी ढकवा चौकी में रहते हुए केशवापुर में पिछले पांच वर्षों से निरंतर कांवड़ियों को शीतल पानी व उनके जख्मों पर मरहम पट्टी व सिर दर्द, बुखार,चोट आदि की दवाएं मुफ्त देकर सावन माह के सोमवार को फल,बिस्किट आदि बांटते रहें हैं। फौजी ने कावड़ियों की सेवा व सुरक्षा व्यवस्था भीषण धूप व बारिश में करते हुए खीरी पुलिस की छवि में चार चांद लगाए हैं।फौजी ने पिछले वर्ष सावन माह में सदर कोतवाली में डियूटी कर छुट्टी के समय मे आकर कांवड़ियों की सेवा की थी उनकी इस सेवा व डियूटी का हर कोई कायल है, उनके सहयोग में कस्बे के अलावा क्षेत्र के दर्जनों लोग कांवड़ियों की सेवा करने तैयार हो जाते हैं। उनके समर्पण व सेवा को ध्यान में रखकर विभाग ने सावन माह में यहीं पर तैनाती दे दी है, यह खबर सुनकर क्षेत्र में उत्साह है।

तेज रफ्तार वाहनों की निगरानी को खीरी पुलिस को मिला हाईटेक इंटरसेपर वाहन

लखीमपुर खीरी। जिले में यातायात नियमों के प्रभावी पालन और तेज रफ्तार वाहनों पर निगरानी को और मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार को लखीमपुर खीरी पुलिस को हाईटेक इंटरसेप्टर वाहन मिला। पुलिस लाइन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने हरी झंडी दिखाकर इंटरसेप्टर वाहन को रवाना किया। यह इंटरसेप्टर वाहन अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। इसमें स्पीड डिटेक्शन रडार, हाई-रिज़ॉल्यूशन कैमरे, नंबर प्लेट पहचान (ANPR) प्रणाली और अन्य आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। इसके माध्यम से ओवरस्पीडिंग, खतरनाक ड्राइविंग और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी। एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने कहा कि सड़क सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। इंटरसेप्टर वाहन के संचालन से राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर यातायात नियमों का बेहतर अनुपालन सुनिश्चित होगा और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में मदद मिलेगी।

ग्राम पंचायत दरेरी में वाटर कूलर स्थापना कार्य को लेकर भ्रष्टाचार की आशंका

लखीमपुर खीरी- रिकॉर्ड के अनुसार 24 मई 2026 को RAM SHRI TRADERS के नाम 1,49,500 तथा 04 जुलाई 2026 को पुनः 1,49,500 का भुगतान दर्ज है। इस प्रकार फर्म को कुल 2,99,000 के भुगतान की प्रविष्टियां दर्ज हैं। वहीं ग्रामीणों का दावा है कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद वाटर कूलर खराब हैं, जिससे लोगों को शुद्ध पेयजल का लाभ नहीं मिल पा रहा।भुगतान रिकॉर्ड और जमीनी हकीकत के बीच सामने आ रहे अंतर को देखते हुए ग्रामीण वास्तविक लागत, कार्य की गुणवत्ता और भुगतान प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। क्या वाटर कूलर स्थापना के नाम पर सरकारी धन का बंदरबांट हुआ5 भुगतान रिकॉर्ड, जमीनी पड़ताल और जिम्मेदारों का पक्ष जानने के लिए पढ़िए दैनिक भास्कर की विशेष रिपोर्ट, जल्द।

क्रेडिट कार्ड बदलकर लाखों की ठगी

आरोपियों के कब्जे से 7 लाख 15 हजार रुपये नकद, एचडीएफसी बैंक के आठ क्रेडिट कार्ड बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण जिला दिल्ली पुलिस के साइबर थाना, दक्षिण जिला ने एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड बदलकर ग्राहकों से ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बैंक के एक वर्तमान और एक पूर्व कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 लाख 15 हजार रुपये नकद, फर्जी तरीके से हासिल किए गए एचडीएफसी बैंक के आठ क्रेडिट कार्ड, सात मोबाइल फोन तथा 16 इलेक्ट्रॉनिक घरेलू उपकरण बरामद किए हैं। जांच के दौरान आरोपियों से जुड़े छह अन्य साइबर ठगी के मामलों का भी खुलासा हुआ है। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त डीसीपी अनन्त मित्तल ने बताया कि 23 जुलाई को एक महिला ने साइबर थाना, दक्षिण जिला में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका एचडीएफसी बैंक का क्रेडिट कार्ड उसके पास सुरक्षित होने के बावजूद उससे अनधिकृत लेनदेन किए गए। शिकायत के आधार पर ई-एफआईआर संख्या 00459/2026 भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 340 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।जांच में पता चला कि आरोपियों ने कथित रूप से बिना ग्राहक की

जानकारी के उसके क्रेडिट कार्ड से जुड़े पंजीकृत मोबाइल नंबर में बदलाव कर दिया। इसके बाद उसी के नाम पर नया क्रेडिट कार्ड जारी कराया, उसका पिन सक्रिय किया और उसका दुरुपयोग किया। आरोपियों ने एटीएम से 53 हजार रुपये निकाले तथा 1 लाख 18 हजार 935 रुपये के इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदे। इस तरह पीड़िता को कुल 1 लाख 71 हजार 935 रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ। मामले की जांच के लिए साइबर थाना, दक्षिण जिला के थाना प्रभारी (एसएचओ) निरीक्षक हंसराज स्वामी के नेतृत्व तथा सहायक पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन) ऋतुराज के पर्यवेक्षण में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में उपनिरीक्षक आशीष कुमार, मुख्य आरक्षी मोहित, सुरेंद्र, प्रेमपुनीत, समुंदर और सुरेंद्र शामिल थे। टीम ने बैंक के अभिलेखों, डिजिटल साक्ष्यों और वित्तीय लेनदेन का गहन विश्लेषण किया।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि हाल के समय में कई ग्राहकों के नाम पर उनकी जानकारी के बिना एचडीएफसी बैंक के नए क्रेडिट कार्ड जारी कर उनका दुरुपयोग किया गया था। तकनीकी जांच और वित्तीय लेनदेन के विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने मुकेश कुमार (33) निवासी लोनी, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) तथा अनिल कुमार (34) निवासी उत्तम नगर, दिल्ली को गिरफ्तार किया। मुकेश वर्तमान में एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड विभाग में सेल्स एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत है, जबकि अनिल फरवरी 2026 तक इसी पद पर कार्यरत था।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 लाख 15 हजार रुपये नकद, ग्राहकों के नाम पर फर्जी तरीके से प्राप्त एचडीएफसी बैंक के आठ क्रेडिट कार्ड, सात मोबाइल फोन तथा 16 इलेक्ट्रॉनिक घरेलू उपकरण बरामद किए हैं। इनमें एलईडी टीवी, रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, माइक्रोवेव ओवन, इंडक्शन चूल्हा, मिक्सर-ग्राइंडर, स्टीम इस्त्री और स्टेबलाइजर शामिल हैं। इसके अलावा खरीदारी के बिल, सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य डिजिटल साक्ष्य भी बरामद किए गए हैं। पूछताछ और जांच के दौरान आरोपियों से जुड़े छह अन्य साइबर ठगी के मामलों का भी खुलासा हुआ है। इन मामलों में करीब 10 लाख 57 हजार 868 रुपये की धोखाधड़ी सामने आई है। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका, अपराध से अर्जित शेष राशि और संभावित अन्य पीड़ितों की पहचान करने में जुटी है।डीसीपी अनन्त मित्तल ने यह भी बताया कि संगठित साइबर वित्तीय अपराधों के खिलाफ दक्षिण जिला पुलिस का अभियान लगातार जारी है। मामले में आगे की जांच की जा रही है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी जारी है।

अंकित शर्मा हत्याकांड में ताहिर हुसैन को उम्रकैद की सजा

कोर्ट ने अलग-अलग धाराओं में जुर्माना भी लगाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को फरवरी 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इस मामले में अदालत ने 13 जुलाई को ताहिर हुसैन, नाजिम, कासिम, जावेद और अनस को हत्या, आपराधिक साजिश समेत विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराया था। सजा पर हुई बहस के दौरान अभियोजन पक्ष के विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडे ने अदालत से कहा था कि यह हत्या पूरी तरह सुनियोजित, निर्मम और समाज में भय का माहौल पैदा करने वाली थी। उन्होंने मामले को रेयरेस्ट ऑफ द रेयर बताते हुए सभी दोषियों को मृत्युदंड देने की मांग की थी। अभियोजन पक्ष का तर्क था कि इस तरह के अपराध पर कठोरतम दंड दिया जाना आवश्यक है ताकि समाज में स्पष्ट संदेश जाए। वहीं, बचाव पक्ष ने मृत्युदंड का विरोध करते हुए अदालत से कहा था कि यह मामला रेयरेस्ट ऑफ द रेयर की श्रेणी में नहीं आता। बचाव पक्ष ने दोषियों की सामाजिक और पारिवारिक परिस्थितियों सहित अन्य आधारों का हवाला देते हुए उन्हें मृत्युदंड न देने और कम सजा देने का अनुरोध किया था। दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद अदालत ने सजा पर फैसला सुनाने के लिए 31 जुलाई की तारीख तय की थी। अब सभी की निगाहें अदालत के फैसले पर टिकी हैं। अंकित शर्मा का शव 26 फरवरी 2020 को चांदबाग क्षेत्र के एक नाले से बरामद हुआ था। कोर्ट ने कहा की अंकित को जानवरों की तरह मारा गया और मारने के बाद भी शव को नाले में फेंका गया। समाज को झकझोरने वाला मामला है। दोषियों के परिवार ने आश्रित होने की बात कहकर सजा कम करने की मांग बचाव पक्ष ने की है लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। अभियोजन ने ताहिर के घर को दंगों का लॉन्च पैड बताया लेकिन ये इस केस के चार्ज से जुड़ा नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने ताहिर हुसैन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही कोर्ट ने अलग-अलग धाराओं में जुर्माना भी लगाया गया।

थाना मोती नगर पुलिस ने 2 पिस्टल, 5 कारतूस व हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- थाना मोती नगर पुलिस ने एक कथित तस्कर को 100 ग्राम हेरोइन, 2 देसी .32 बोर पिस्टल और 5 जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एन.डी.पी.एस. और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उससे पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई डी.सी.पी. (देहाती) जसकरणजीत सिंह तेजा, ए.डी.सी.पी. जोन-4 जसनदीप सिंह गिल तथा ए.सी.पी. इंडस्ट्रियल एरिया-ए इंद्रजीत सिंह बोपाराय के दिशा-निर्देश में की गई। थाना मोती नगर के प्रभारी भूपिंदर सिंह विक्की के नेतृत्व में पुलिस टीम 29 जुलाई को सिंगला डेयरी स्कूल के पास गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मुखबिर ने सूचना दी कि बिट्टू कुमार उर्फ बिट्टू निवासी कैलाश नगर, मंगा किरयाना स्टोर के पास अपने कमरे में हेरोइन और अवैध हथियारों के साथ मौजूद है तथा लंबे समय से नशा तस्करी में शामिल है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उससे हेरोइन, पिस्टल

और जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 3 मार्च को थाना मोती नगर में आर्म्स एक्ट का मामला, 29 अप्रैल 2022 और 30 अप्रैल 2022 को थाना फोकल प्वाइंट में चोरी व आर्म्स एक्ट से संबंधित तथा 6 दिसंबर 2024 को थाना जमालपुर में बी.एन.एस. की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मुकदमा शामिल है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ जारी है। यह पता लगाया जा रहा है कि वह हेरोइन कहां से लाता था और किन लोगों को सप्लाई करता था तथा उसके नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पकड़े गए आरोपी बारे जानकारी देते थाना मोती नगर के प्रभारी भूपिंदर सिंह विर्क और अन्य।

'ड्रग्स के खिलाफ जंग' कैंपेन के तहत बठिंडा पुलिस को बड़ी कामयाबी

बठिंडा- सरकार के 'ड्रग्स के खिलाफ जंग' कैंपेन के तहत कार्रवाई करते हुए बठिंडा पुलिस के ष्ट्ध स्टाफ-2 को उस समय बड़ी कामयाबी मिली जब टीम ने सतनाम सिंह नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 3,10,000 प्रीगैबलिन कैप्सूल बरामद किए। इस संबंध में सेक्शन 223 ब्ह्रस् के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान जब सतनाम सिंह की पत्नी के इस गैर-कानूनी धंधे में शामिल होने का पता चला तो उसे केस में नामजद कर गिरफ्तार कर लिया गया। इसी बीच सोनू मौर नाम के एक व्यक्ति के शामिल होने का भी पता चला, जिसे केस में नामजद कर उसकी तलाश की जा रही है। शुरुआती जांच में पता चला है कि ये प्रेगाबेलिन कैप्सूल पार्सल के ज़रिए ऑर्डर किए जा रहे थे। हालांकि आरोपियों ने बताया है कि वे करीब छह महीने से यह धंधा कर रहे हैं, लेकिन शुरुआती जांच से लगता है कि वे लंबे समय से इस गैर-कानूनी काम में शामिल हो सकते हैं। इस पूरे नेटवर्क और सप्लाई चेन के बारे में पूरी जांच की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ में और भी अहम खुलासे होने की संभावना है। आरोपियों के खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गैर-कानूनी बिक्री रोकने के लिए कैंपेन शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- मिशन जीवनी के तहत, जो डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन लुधियाना द्वारा डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन, द्बुस् के नेतृत्व में मैटरनल हेल्थ की सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा है, जिले में मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (MTP) किट की गैर-कानूनी बिक्री को रोकने के लिए एक खास इंस्पेक्शन कैंपेन शुरू किया गया। इस कैंपेन का मकसद कंट्रोल्ड दवाओं की बिक्री से जुड़े कानूनी नियमों का पालन पक्का करना और लोगों की हेल्थ की सुरक्षा करना है। कैंपेन के दौरान, डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल ऑफिसर (लुधियाना-III) नवदीप संधू ने छह मेडिकल स्टोर का इंस्पेक्शन किया।

इंस्पेक्शन के दौरान, चौधरी मेडिकोज, न्यू शक्ति नगर को दिया गया एक नकली कस्टमर बिना वैलिड मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन और बिना सेल्स इनवॉइस जारी किए MTP किट बेचता हुआ पाया गया। इस

वायलेशन को इंस्पेक्शन रिपोर्ट में दर्ज किया गया। आगे इंस्पेक्शन के दौरान यह भी पता चला कि फर्म के पास होलसेल ड्रग लाइसेंस होने के बावजूद, MTP किट की खरीद का कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं था। इस मामले में संबंधित कानूनी नियमों के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, मलिक मेडिकल स्टोर (मायापुरी), कौशल मेडिकोज (मायापुरी), हरपाल मेडिकल स्टोर, राजू मेडिकल हॉल और लाडला मेडिकोज (सभी न्यू शक्ति नगर) का भी इंस्पेक्शन किया गया और ज़रूरी रिकॉर्ड चेक किए

गए। डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने कहा कि जिला प्रशासन MTP किट और दूसरी कंट्रोल्ड दवाओं की बिक्री से जुड़े कानूनों को सख्ती से लागू करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने चेतावनी दी कि बिना वैलिड प्रिस्क्रिप्शन के दवाएं बेचने, रिकॉर्ड रखने में लापरवाही या कोई और कानूनी उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों की सेहत की रक्षा और कंट्रोल्ड दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए जिले भर में ऐसे इंस्पेक्शन कैंपेन लगातार जारी रहेंगे।

हेल्थ मिनिस्टर ने फूड सेफ्टी सेमिनार में हेल्दी खाने पर ज़ोर दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला- पंजाब के हेल्थ और फैमिली वेलफेयर मिनिस्टर डॉ. बलबीर सिंह आज होटल शौर्य में 'रंगला पंजाब हमारी साझी ज़िम्मेदारी - सेफ और पौष्टिक खाना, अच्छी सेहत का आधार' टॉपिक पर हुए फूड सेफ्टी सेमिनार में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। यह सेमिनार डिप्टी कमिश्नर पटियाला, सिविल सर्जन ऑफिस और फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट के साथ मिलकर ऑर्गनाइज़ किया गया था। सेमिनार को एड्रेस करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि 'जैसा अन्न, वैसा मन' सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि हेल्दी ज़िंदगी का बेसिक मंत्र है। उन्होंने कहा कि जैसे साफ हवा और साफ पानी इंसान की सेहत के लिए ज़रूरी है, वैसे ही सेफ, पौष्टिक और क्वालिटी वाला खाना भी हेल्दी ज़िंदगी का एक ज़रूरी आधार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के बनाए 'रंगला पंजाब' के सपने को पूरा करने के लिए, लोगों में हेल्दी खाने-पीने के बारे में जागरूकता पैदा करना समय की सबसे बड़ी ज़रूरत है। इसी मकसद से राज्य सरकार की

तरफ से लगातार ऐसे जागरूकता सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं। हेल्थ मिनिस्टर ने कहा कि इस सेमिनार में एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, गुरु अंगद देव वेटेरिनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी (GADVASU) के एक्सपर्ट्स और नेचुरल और ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं आपसी तालमेल से नई पीढ़ी को केमिकल-फ्री और ऑर्गेनिक खाने की अहमियत के बारे में जागरूक करेंगी। उन्होंने कहा कि ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसान केमिकल खाद और पेस्टीसाइड के इस्तेमाल से बचते हैं, जिससे हेल्दी और क्वालिटी वाला अनाज पैदा होता है। डॉ. बलबीर सिंह ने लोगों से ज़्यादा से ज़्यादा नेचुरल और ऑर्गेनिक खाना अपनाने की अपील की और कहा कि एक हेल्दी समाज की नींव सुरक्षित खाने पर टिकी होती है। उन्होंने यह भी बताया कि हेल्थ डिपार्टमेंट रेगुलर तौर पर फूड बिजनेस ऑपरेटर्स और खाने का सामान बेचने वाले वेंडर्स की जांच करता है ताकि लोगों को क्वालिटी और सुरक्षित खाना मिल सके और किसी भी तरह की मिलावट या घटिया खाने को रोका जा सके। इस मौके पर फूड सेफ्टी कमिश्नर कंवलप्रीत बराड़, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर नवरीत कौर सेखों, डीन सीओसीएस किरण बैंस, वीसीपीएयू डॉ. एसएस गोसल, वीसी गडवासू जेएस गिल, पिंगलवाड़ा से राजवीर सिंह, पीपीसीबी की चेयरपर्सन रीना गुप्ता, रवनीत कौर, एनजीओ मिस प्रगति, ऑर्गेनिक प्रोड्यूसर गुरमीत सिंह, खेती विरासत मिशन के उमेंद्र दत्त, सरपंच कंसुआ हरप्रीत सिंह, फूड एंड बेवरेजेज के सीईओ हरेंद्र पाल सिंह लांबा, जिला हेल्थ ऑफिसर डॉ. गुरप्रीत कौर, सिविल सर्जन डॉ. शैली जेटली, अलग-अलग डिपार्टमेंट के ऑफिसर, एक्सपर्ट, किसान और दूसरे गणमान्य लोग मौजूद थे।

केंद्रीय जेल का औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) अमृतसर की अध्यक्ष जतिंदर कौर ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं डीएलएसए सचिव अमरदीप सिंह बैंस के साथ केंद्रीय जेल, अमृतसर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य जेल में बंद बंदियों के स्वास्थ्य, कल्याण और आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लेना तथा उनकी समस्याओं और शिकायतों की जानकारी प्राप्त करना था। इस दौरान जेल अधीक्षक राजीव कुमार अरोड़ा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने जेल की विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर बंदियों के हितों से जुड़े पहलुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जेल के रसोईघर का भी अवलोकन किया गया। बंदियों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और पोषण संबंधी मानकों की जांच की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बंदियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। मौके पर चिकित्सा अधिकारी को बुलाकर बंदियों के स्वास्थ्य तथा उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली गई। साथ ही जेल में स्वास्थ्य सेवाओं की भी समीक्षा की गई। दल ने विशेष

सुरक्षा प्रकोष्ठ का भी निरीक्षण किया, जहां उच्च जोखिम वाले बंदियों को रखा जाता है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बंदियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनके न्यायालयों में लंबित मामलों, कानूनी सहायता और अन्य समस्याओं की जानकारी ली। बंदियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जतिंदर कौर ने कहा कि सभी बंदियों के स्वास्थ्य, सम्मान और कानूनी अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा उन्हें कानून के अनुसार सभी आवश्यक सुविधाएं और निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने बताया कि यह निरीक्षण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की उस सतत पहल का हिस्सा है, जिसके तहत बंदियों को न्याय, निःशुल्क कानूनी सहायता, मानवीय व्यवहार तथा उनकी समस्याओं के समयबद्ध समाधान को सुनिश्चित किया जा रहा है।

गोल्डन आवर में सीपीआर का प्रशिक्षण

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार निर्देशन में पुलिस कार्यालय सभागार, कमिश्नरेट कानपुर नगर में सहायक पुलिस आयुक्त यातायात संजय कुमार सिंह की उपस्थिति में जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को समय रहते जीवनरक्षक प्राथमिक उपचार (First Aid) एवं सीपीआर (Cardio Pulmonary Resuscitation) प्रदान करने की विधि का विस्तृत प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया । विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि दुर्घटना के उपरांत प्रारंभिक 'गोल्डन ऑवर' के दौरान उचित प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर से गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों के जीवन को बचाया जा सकता है।

कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत बिठूर क्षेत्र का किया निरीक्षण

कानपुर। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत अपर पुलिस उपायुक्त यातायात कपिल देव सिंह द्वारा शनि चौराहा (बिठूर) एवं ब्लू वर्ल्ड तिराहा का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यातायात संचालन, डायवर्जन व्यवस्था, बैरियर प्वाइंट, पुलिस ड्यूटी प्वाइंट, श्रद्धालुओं एवं आमजन की सुरक्षित आवाजाही, पार्किंग व्यवस्था तथा आपातकालीन मार्गों का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था निर्बाध एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं तथा किसी भी प्रकार की असुविधा उत्पन्न होने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर यातायात निरीक्षक राजकुमार मिश्र एवं थाना प्रभारी बिठूर सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्थान नहर से घड़ियाल का सफल बचाव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। राजस्थान की इंदिरा गांधी नहर से 12 फीट से अधिक लंबे एक घड़ियाल का सफलतापूर्वक बचाव किया गया है। करीब पांच माह तक चली निगरानी और राजस्थान तथा पंजाब वन विभाग के संयुक्त अभियान के बाद यह सफलता मिली। बचाए गए इस गंभीर रूप से संकटग्रस्त घड़ियाल को पंजाब के छतबीर चिड़ियाघर लाया गया है। यहां पशु चिकित्सकों की निगरानी में स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक देखभाल के बाद इसे ब्यास नदी संरक्षण रिजर्व में छोड़ा जाएगा। वन विभाग के अनुसार, घड़ियाल पहली बार मार्च 2026 में इंदिरा गांधी नहर में देखा गया था। पानी का अधिक स्तर, तेज बहाव और नहर के विस्तृत नेटवर्क में लगातार स्थान बदलने के कारण बचाव अभियान में देरी हुई। जल स्तर सामान्य होने के बाद 27 जुलाई को जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ माइनर से इसका सफल रेस्क्यू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान और पंजाब वन विभाग, वन्यजीव विशेषज्ञों तथा

मैदानी टीमों के बेहतर समन्वय से यह अभियान सफल हो सका। टीमों ने कई जिलों में घड़ियाल की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी। पंजाब में ब्यास नदी संरक्षण परियोजना के तहत घड़ियाल संरक्षण का कार्य लगातार जारी है। पंजाब वन विभाग, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया और अन्य सहयोगी संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से अब तक 94 शिशु घड़ियालों को ब्यास नदी संरक्षण रिजर्व में छोड़ा जा चुका है। वन्यजीव अधिकारियों का मानना है कि इस बड़े घड़ियाल के शामिल होने से ब्यास-हरिके नदी तंत्र में घड़ियालों की संख्या और संरक्षण प्रयासों को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने इसे संकटग्रस्त प्रजाति के संरक्षण के लिए राज्यों के बीच सफल समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

अपराधियों के खिलाफ जारी अभियान में सचेंडी में कई गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यहां पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही अपराधी अराजक तत्वों के खिलाफ सचेंडी पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इस बीच हर तरह की आपराधिक घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए संबंधित अपराधियों को जेल भेजने में भी सफलता प्राप्त की गई है। साथ ही क्षेत्र में सघन गश्त, संदिग्धों की चेकिंग और उनकी धर पकड़ भी लगातार जारी है। योगी सरकार की मंशा के अनुरूप सचेंडी में पीड़ितों की सहायता और अपराधियों के खिलाफ लगातार जारी प्रभावी कार्यवाही के संदर्भ में यह भी अवगत कराते चलें कि आजकल चिनौती पूर्ण माने जाने वाले थाना सचेंडी की कमान सफलता पूर्वक संभाले इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा इसके पहले भी अपनी अब तक की पोस्टिंग वाले हर जनपद में पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के मामले में सदैव अग्रणी रहे हैं और अब कर्तव्य के प्रति उनकी प्रगाढ़ निष्ठा कठोर परिश्रम के साथ पीड़ितों के हित में अपराधियों के खिलाफ सचेंडी में भी लगातार सक्रिय है। जहां तक प्रभारी निरीक्षक सचेंडी के रूप में तेजतर्रार, व्यवहार कुशल और जुझारू तेवरों वाले इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा की चुनौतीपूर्ण नियुक्ति का सवाल है, उसे उनकी कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ और पीड़ितों के हित में अपने कर्तव्य का पालन सदैव निष्ठा और ईमानदारी के साथ करना ही माना जा रहा है। यही नहीं यूपी की पुलिस सेवा में आने के बाद निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के कठोर परिश्रमी इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपनी धुन के भी पक्के इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा ने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया। इसी के साथ उनकी कार्यशैली भी संभ्रांत असहाय लोगों की हितरक्षक और बहुत मैत्रीपूर्ण भी मानी जाती है ,जिसके अनुरूप ही भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा जहां उचित पात्र लोगों की हर संभव सहायता करते हैं। साथ ही वह कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ शठे शाठ्यम समाचरेत वाली कहावत चरितार्थ करने से भी नहीं चूकते। यही वजह है कि सचेंडी के प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा की कर्तव्य के प्रति उनकी प्रगाढ़ निष्ठा उनकी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है। यही नहीं शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण की उनकी विलक्षण कार्यशैली भी उन्हें आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाए हुए है।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक

सभी सबंधित विभागों के अधिकारियों को उद्योग बंधुओं की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने के दिए निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में गुरूवार को गांधी सभागार में मण्डलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मण्डलायुक्त ने निवेश मित्र पोर्टल, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना, निवेश मित्र पोर्टल, औद्योगिक क्षेत्र नैनी में विद्युत पोल शिफ्टिंग के कार्य सहित अन्य विषयों से सम्बंधित प्रकरणों के निस्तारण की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को उद्योग बंधुओं की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि उद्योग धंधो को बढ़ावा देना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र नैनी में विद्युत पोल शिफ्टिंग के कार्य की समीक्षा के समय कार्य की प्रगति से सम्बंधित जानकारी दिए जाने हेतु विद्युत विभाग के किसी भी अधिकारी के बैठक में उपस्थित न रहने पर मण्डलायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य अभियंता विद्युत से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। यूपीएसआईडीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक के द्वारा बताया गया कि औद्योगिक क्षेत्र नैनी के अंदर के क्षेत्र में पोल शिफ्टिंग का कार्य पूर्ण हो गया हैं। इस पर उद्यमियों के द्वारा बताया गया कि औद्योगिक क्षेत्र के अंदर तो पूर्ण शिफ्टिंग का कार्य तो पूर्ण हो गया है, परंतु मिर्जापुर रोड के पोल शिफ्टिंग का कार्य अभी नहीं पूर्ण हो पाया है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद मार्जिन मनी के मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि उक्त योजनाओं से सम्बंधित जो भी आवेदन पत्र बैंको में लम्बित है, सम्बंधित बैंक लम्बित आवेदन पत्रों को निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत अनिवार्य रूप से निस्तारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो आवेदन पत्र बैंको द्वारा स्वीकृत किए गए है, उनके ऋण वितरण की कार्यवाही शत-प्रतिशत रूप से पूर्ण हो जाये। मित्र पोर्टल की किसी भी विभाग का कोई भी आवेदन पत्र निर्धारित समयसीमा के पश्चात लम्बित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयसीमा के बाद यदि किसी भी विभाग से सम्बंधित आवेदन पत्र अनिस्तारित पाया गया, तो सम्बंधित अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। बैठक में प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा सड़क चौड़ीकरण हेतु तोड़ी गयी एमएनआईटी औद्योगिक आस्थान की बाउंड्रीवाल का अभी तक पुनः निर्माण न कराये जाने से सम्बंधित प्रकरण पर मण्डलायुक्त ने उपाध्यक्ष, प्रयागराज विकास प्राधिकरण को इस पर आवश्यक कार्यवाही किए जाने के लिए कहा है।

सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र नैनी में 37वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। विद्या भारती शिक्षा समिति, पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 37वीं त्रिदिवसीय क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र, नैनी में हुआ। यह प्रतियोगिता 31 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में अवध, काशी, गोरक्ष एवं कानपुर प्रांत के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के 49 शैक्षिक जिलों से कुल 300 खिलाड़ी (228 भैया एवं 72 बहनें) प्रतिभाग कर रहे हैं। खिलाड़ी जूडो, कुश्ती, कुरास तथा बॉक्सिंग जैसी विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रयागराज के महापौर रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय खेलकूद प्रमुख जगदीश कुमार सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्र, प्रांतीय संयोजक राकेश अग्रहरी, प्रांतीय खेलकूद प्रमुख अजीत सिंह, माधव संकुल प्रमुख दिग्विजय पाल, केशव संकुल प्रमुख शिवकुमार सिंह, खेल शिक्षक विमल चंद्र दुबे, विजय कुमार मौर्य, सत्यम मिश्रा, पूजा शुक्ला सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। समारोह का समापन खिलाड़ियों को खेल भावना एवं अनुशासन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की प्रेरणा के साथ हुआ।

घर में घुसकर मारपीट व जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र की एडीए कॉलोनी में बाइक धोने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि दो लोगों ने घर में घुसकर एक परिवार के साथ गाली–गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर नैनी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार एलआईजी 2/6, एडीए कॉलोनी, निवासी राजेन्द्र कुमार पुत्र कान्ता प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि 30 जुलाई की सुबह करीब 6:30 बजे वह अपने घर के बाहर बाइक धो रहे थे। इसी दौरान एडीए कॉलोनी निवासी कार्तिकेय मिश्रा पुत्र अज्ञात तथा उज्जवल मिश्रा पुत्र कार्तिकेय मिश्रा एक राय होकर उनके घर में घुस आए। आरोप है कि दोनों ने राजेन्द्र कुमार और उनके परिजनों के साथ गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर आरोपियों ने राजेन्द्र कुमार के भाई की पत्नी श्रीमती करुणा के साथ मारपीट की और लगातार जान से मारने की धमकी देते रहे। घटना के बाद से पीड़ित परिवार भयभीत है। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपियों द्वारा पूर्व में भी इस प्रकार की मारपीट की जा चुकी है।पीड़ित ने इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना नैनी बृजकिशोर गौतम को तहरीर दी। तहरीर के आधार पर थाना नैनी में संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपियों से पूछताछ कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लोमहर्षक घटनामे किशोर के गुप्तांग में कंप्रेसर से हवा भरकर की गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राहुल जायसवाल

नैनी, प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित एक राइस मिल में नाइट शिफ्ट के दौरान हुए विवाद में एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। इस लोमहर्षक घटना से इलाके में आक्रोश फैल गया। आरोप है कि साथ काम करने वाले युवक ने किशोर के गुप्तांग में एयर कंप्रेसर का पाइप डालकर मशीन चालू कर दी, जिससे उसकी आंतें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। इलाज के दौरान स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में किशोर की मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस के अनुसार, औद्योगिक क्षेत्र स्थित एसपी सारटेक्स राइस मिल में बृहस्पतिवार की रात नाइट शिफ्ट के दौरान विशाल (18) पुत्र वसीम अहमद, निवासी धौरा, बरेली तथा अंश कुमार (15) पुत्र भीम, निवासी मेजा, एक साथ कार्य कर रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद के बाद विशाल ने अंश कुमार के गुप्तांग में एयर कंप्रेसर का पाइप डालकर मशीन चालू कर दी।घटना के बाद कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। सहकर्मी उसे पहले एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान किशोर की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर औद्योगिक थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, राइस मिल में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा नाइट शिफ्ट में मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ की। और सहकर्मी गिरफ्तार कर लिया गया।इस बर्बर घटना की तीव्र निंदा करते हुए इलाके में आक्रोश है।

आवारा पशुओं पर नियंत्रण और कांवड़ यात्रा मार्ग दुरुस्त कराने की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। सावन मास में कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू रक्षा संगठन के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एसडीएम पूरनपुर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कांवड़ मार्गों की जर्जर स्थिति, गंदगी और आवारा पशुओं की समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि सावन में बड़ी संख्या में शिवभक्त पवित्र जल लेकर विभिन्न शिवालयों की ओर जाते हैं। ऐसे में कई कांवड़ मार्गों पर गहरे गड्ढे होने से बारिश के दौरान दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। मांग की गई कि सभी प्रमुख मार्गों को तत्काल गड्ढामुक्त कराया जाए। ज्ञापन में कांवड़ मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर नियमित सफाई, ब्लीचिंग पाउडर व चूने का छिड़काव कराने की भी मांग उठाई गई। साथ ही सड़कों पर घूम रहे आवारा गोवंश को हटाकर निकटवर्ती गोशालाओं में भेजने की मांग की गई, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। संगठन ने प्रशासन से संबंधित विभागों को युद्धस्तर पर कार्य कराने के निर्देश जारी करने की मांग करते हुए कहा कि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं होने पर श्रद्धालुओं में रोष व्याप्त हो सकता है।

अपर जिलाधिकारी ने राजस्व कार्यों एवं आईजीआरएस की समीक्षा की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में शुक्रवार को संगम सभागार में सभी अपर जिलाधिकारी के द्वारा उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ बैठक कर तहसीलवार राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते उनके द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सभी अपर जिलाधिकारी के द्वारा उनसे सम्बंधित कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी द्वारा पांच साल से अधिक पुराने वादो एवं पांच साल से अधिक अन्य राजस्व से सम्बंधित प्रकरणों को जल्द से जल्द निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि किसी भी कोर्ट में 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए तथा साथ ही साथ उन्होंने तीन वर्ष से अधिक लम्बित वादों एवं राजस्व से सम्बंधित अन्य प्रकरणों को भी शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने म्यूटेशन से सम्बंधित समयसीमा के उपरांत लम्बित सभी मामलों को जल्द से जल्द निस्तारित करने के सख्त निर्देश दिए है। सभी उपजिलाधिकारियों को नियमित रूप से जनसुनवाई के समय कार्यालय में उपस्थित रहकर जनसमस्याओं का नियमानुसार उचित समाधान करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने न्यायालय में वादों की नियमित सुनवाई करने एवं वादों का शीघ्रता का निस्तारण करने हेतु कहा उन्होंने अभिलेख त्रुटि सुधार से सम्बंधित 1 वर्ष से लम्बित प्रकरणों को निस्तारित करते हुए शून्य किए जाने के निर्देश दिए है। तहसील में राजस्व से सम्बंधित ऐसे सभी प्रकरणों जिनमें खराब प्रगति है, उनमें सुधार लाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि समयसीमा के उपरांत कोई भी प्रकरण लम्बित न रहे। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को पुराने लम्बित प्रकरणों को सूचीबद्ध कराने तथा प्रतिदिन राजस्व टीम भेजकर 5-5 प्रकरणों का निस्तारण करने का निर्देश दिया है। बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर के द्वारा आईजीआरएस प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल से सम्बंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए जनपद की आईजीआरएस रैंकिंग में सुधार लाए जाने हेतु सभी सम्बंधित अधिकारियों को आईजीआरएस प्रकरणों को प्राथमिकता पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए है।

संत रविदास की जयंती पर आज निकलेगी भव्य कलश यात्रा

नैनी, प्रयागराज। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार, 1 अगस्त को दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में संत रविदास की जन्मस्थली की पावन मिट्टी से सुसज्जित कलश श्रद्धापूर्वक शोभायात्रा के रूप में निकाला जाएगा। आयोजकों के अनुसार कलश यात्रा दोपहर 12:30 बजे अंबेडकर पार्क, इंदलपुर स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा से प्रारंभ होगी। इसके बाद यात्रा नैनी सब्जी मंडी से होकर खरकौनी स्थित काली माता मंदिर पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा।

प्रयागराज में आरआरसी इलाहाबाद द्वारा शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज।रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ (आरआरसी), इलाहाबाद द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा (Physical Efficiency Test-PET) का आयोजन आज दिनांक 31 जुलाई, 2026 को प्रयागराज स्थित डीएसए ग्राउंड में किया गया । आरआरसी इलाहाबाद द्वारा आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा में 225 महिला अभ्यर्थियों सहित कुल 3736 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुये थे । भर्ती प्रक्रिया को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से संपूर्ण परीक्षा की वीडियोग्राफी भी कराई गई । शारीरिक दक्षता परीक्षा भर्ती प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें प्रत्येक परीक्षार्थी को निर्धारित मानकों के अनुसार अपनी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन करना अनिवार्य है । शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए निर्धारित मानकों के तहत पुरुष अभ्यर्थियों को 1,000 मीटर की दौड़ 4 मिनट 15 सेकंड में पूरी करनी है तथा 35 किलोग्राम वजन उठाकर 100 मीटर की दूरी 2 मिनट में एक बार में तय करनी है। वहीं महिला अभ्यर्थियों के लिए 1,000 मीटर की दौड़ हेतु 5 मिनट 40 सेकंड का समय निर्धारित है और उन्हें 20 किलोग्राम वजन उठाकर 100 मीटर की दूरी 2 मिनट में एक बार में पूरी करनी है । भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण में पात्रता प्राप्त करने के लिए इन दोनों मानकों को सफलतापूर्वक पूरा करना आवश्यक है। आज आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा में 250 परीक्षार्थियों ने भागीदारी की जिसमें 172 परीक्षार्थी सफल रहे । रेल प्रशासन द्वारा मैदान पर सबसे पहले PET सत्यापन किया जाता है, जिसके बाद बायोमेट्रिक पहचान एवं आधार प्रमाणीकरण और फिर आर एफ आई डी पंजीकरण पूरा किया जाता है। इस प्रक्रिया के पश्चात अभ्यर्थियों को दौड़ की दूरी, समय सीमा तथा वजन उठाने के नियमों की पूरी जानकारी दी जाती है। उत्तर मध्य रेलवे एवं रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, इलाहाबाद का उद्देश्य संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संपन्न कर योग्य अभ्यर्थियों का चयन सुनिश्चित करना है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने नाबालिग के पिता की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसकी खोजबीन शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर ले जाने और घर से नकदी व जेवरात साथ ले जाने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित पिता के अनुसार उनकी पुत्री की जन्मतिथि 5 जून 2008 है। आरोप है कि 29 जुलाई की दोपहर करीब तीन बजे ग्राम नरोसा निवासी मेहताब उनकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ कहीं ले गया। परिजनों का कहना है कि घटना के समय किशोरी घर में रखे करीब दो लाख रुपये नकद और कुछ सोने-चांदी के जेवरात भी अपने साथ ले गई। काफी तलाश के बावजूद किशोरी का कोई सुराग नहीं लग सका, जिससे परिवार में चिंता और बेचैनी का माहौल बना हुआ है। घटना के बाद पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एसटीएफ ने 50 हजार के इनामी फरमूद अहमद को मध्य प्रदेश से दबोचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। एसटीएफ उत्तर प्रदेश को जनपद औरैया के थाना ऐरवा कटरा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 62/2022 धारा-420/467/468/471 भादवि, 3/5/8 गोबध निवारण अधिनियम व 11 (1) डी पशु क्रूरता निवारण अधिनियम में वांछित एवं 50,000/- रूपये का पुरस्कार घोषित अभियुक्त फरमूद अहमद को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई। एसटीएफ उ0प्र0 को विगत काफी दिनों से फरार / पुरस्कार घोषित अभियुक्तों के सम्बन्ध में सूचनाएँ प्राप्त हो रही थीं। इस सम्बन्ध में एसटीएफ की विभिन्न इकाईयों / टीमों को अभिसूचना संकलन एवं कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त निर्देश के क्रम में शैलेश प्रताप सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, एसटीएफ फील्ड इकाई, प्रयागराज के पर्यवेक्षण एवं निरीक्षक जय प्रकाश राय के नेतृत्व में टीम द्वारा अभिसूचना संकलन की कार्यवाही की जा रही थी। दिनांक 31.07.2026 को थाना ऐरवा कटरा जनपद औरैया पर पंजीकृत मु0अ0सं0 62/2022 धारा-420/ 467/468/471 भादवि, 3/5/8 गोबध निवारण अधिनियम व 11 (1) डी पशु क्रूरता निवारण अधिनियम में वांछित एवं 50,000/- र पूँछताछ पर गिरफ्तार अभियुक्त फरमूद अहमद उपरोक्त द्वारा बताया गया कि वह मूलरूप से ग्राम मलिकपुर थाना नवाबगंज जनपद प्रयागराज का रहने वाला है, जो कन्टेनर नम्बर यू0पी0 21 ए0न0 3550 को मुरादाबाद से खरीदकर चलाता था। दिनांक 26.03.2022 को उक्त वाहन पर गोवंश लादकर जनपद औरैया आ रहा था कि थाना क्षेत्र ऐरवा कटरा में पुलिस चेकिंग के दौरान वाहन रोकने का प्रयास किया गया तो चालक द्वारा वाहन को तेजगति से चलाते हुए भागने का प्रयास किया गया जिससे उक्त कन्टेनर नगला दोलत और सिलवट गाँव के पास अनियंत्रित होकर सडक के किनारे खेत में पलट गया जिसका ड्राइवर मौके से भाग गया था। उक्त वाहन में 23 गोवंश लदे हुए पाये गये जिसके आधार पर थाना ऐरवा कटरा जनपद औरैया पर मु0अ0सं0 62/2022 का अभियोग पंजीकृत किया गया था जिसमें वह वांछित चल रहा था। घटना के बाद से ही वह आन्ध्र प्रदेश चला गया और वही पर रखकर ट्रक चलाने का कार्य करने लगा जो अनन्तापुर, आन्ध्र प्रदेष से टमाटर लोड कर जबलपुर मण्डी आया हुआ था।

अतिरिक्त मांग पूरी न होने पर विवाहिता को जलाकर मारने की दी धमकी, पांच पर मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न करने पर विवाहिता का शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न किया गया। यही नहीं आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने विवाहिता को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की साजिश भी रची। ससुरालियों से बचकर किसी तरह अपने मायके पहुंची पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर पीड़िता ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव दौलतपुर निवासी क्रांति देवी ने दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी पीलीभीत निवासी आदेश कुमार से हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद पति, ससुर और अन्य ससुरालियों ने पहले 40 हजार और बाद में 50 हजार रुपये दहेज के रूप में लिए। इसके बाद तीन लाख रुपये की मांग की गई। रुपये देने से इंकार करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और घर से निकालने का प्रयास किया। विवाहिता का आरोप है कि उसने ससुराल पक्ष को पेट्रोल डालकर उसे जिंदा जलाने की योजना बनाते हुए सुन लिया, जिसके बाद वह किसी तरह जान बचाकर मायके पहुंच गई। उसके दो बच्चे भी हैं और वह वर्तमान में अपने माता-पिता के साथ रह रही है।

गुमशुदा युवक की हत्या का सफल अनावरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। 25.07.2026 कौन शिव प्रसाद पुत्र देवनाथ ग्राम भदरी थाना सोरांव प्रयागराज द्वारा सूचना दी गयी थी कि दिनांक-23.07.2026 को समय करीब 10.00 बजे उनका पुत्र सुमित कुमार उर्फ साहिल उम्र करीब 20 वर्ष घर से बाल कटवाने के लिये निकला था और काफी खोजबीन किया परन्तु वापस घर नहीं आया, जिसके सम्बन्ध में आवेदक शिव प्रसाद उपरोक्त से प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना सोरांव पर दिनांक-25.07.2026 को गुमशुदगी अंकित की गयी तथा थाना स्थानीय पर गठित टीम द्वारा सी0सी0टी0वी0 कैमरो व अन्य तकनीकि माध्यमों की सहायता गुमशुदा की तलाश की जा रही थी । दिनांक-30.07.2026 को थाना सोरांव पुलिस टीम को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि फाफामऊ क्षेत्रान्तर्गत रंगपुरा कछार के पास एक युवक का शव पाया गया है, जिस पर गुमशुदा के पिता शिव प्रसाद को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया तो शिव प्रसाद द्वारा मृतक के शव के हाथ में पड़ी रॉड व कपडों आदि से शव को पहचानकर तस्दीक किया गया कि यही मेरे लडके सुमित कुमार उर्फ साहिल का शव है । आवेदक शिव प्रसाद उपरोक्त के द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर थाना हाजा पर दिनांक 30.07.2026 को मु0अ0सं0 288/2026 धारा 140(2)/238(क) बीएनएस बनाम शिवम राय पुत्र राजीव निवासी दुबरा जगदीशपुर कसारी थाना नबावगंज जनपद प्रयागराज पंजीकृत किया गया तथा अभियुक्त शिवम राय उपरोक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन किया पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना सोरांव पर पंजीकृत मु0अ0सं0-288/2026 धारा-140(2)/238(ए) भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त शिवम राय पुत्र राजीव निवासी दुबरा जगदीशपुर कसारी थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सोरांव व एस0ओ0जी/सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-31.07.2026 को थाना नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत दुबरा जगदीशपुर के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त शिवम राय उपरोक्त के कब्जे/निशांदेही से घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल 01 हथौड़ा व 02 सिम कार्ड बरामद कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त शिवम राय उपरोक्त से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि मृतक सुमित उर्फ साहिल एक लडकी से प्यार करता था और अभियुक्त शिवम राय उपरोक्त भी उसी लड़की को चाहता था, लेकिन सुमित उर्फ साहिल (मृतक) उस लड़की को छोडना नहीं चाहता था, इसीलिये अभियुक्त सुमित उर्फ साहिल को रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया और दिनांक 23.07.2026 को सुमित उर्फ साहिल से मिला और मीठी मीठी बातें करके उसे गंगाजी के किनारे रेलवे लाइन के पास ले गया और उसकी मोबाइल में उसका फोटो दिखाने के लिये कहा जिस पर वह मोबाइल में फोटो दिखाने लगा तभी अभियुक्त शिवम राय के द्वारा अपने झोले में लिये हथौडा से सुमित के सिर पर मारा । जब शिवम को पूर्ण विश्वास हो गया कि सुमित मर गया तब उसने अपने पास लिये झोले मे रखे पेट्रोल को उसके शरीर पर छिड़क कर आग लगा दिया, जिससे कोई पहचान न हो सके और वहां से चला गया । उसी दिन सुमित उर्फ साहिल की हत्या कर दी थी । पुलिस व उसके घर वालों को भ्रमित करने के लिए अभियुक्त शिवम राय द्वारा मृतक सुमित के मोबाइल से उसके सिम का प्रयोग करते हुए सुमित के घरवालों से इन्टाग्राम मैसेज के जरिये सुमित की यू0पी0आई0 आई0डी0 को भेजकर पैसों की माँग करने के लिए सम्पर्क किया, जिससे यह लगे कि सुमित अभी जिन्दा है । अभियुक्त शिवम राय द्वारा सुमित के परिवार वालों से फिरौती में कुल 50 लाख रूपया मांगा था परन्तु उसके परिवार वालों ने दो किस्तों में एक बार 5000 रूपये व एक बार 2000 रूपये कुल 7000 रूपये ही दिया था । अगले दिन दिनांक-24.07.2026 को अभियुक्त शिवम राय द्वारा प्रयागराज शहर के सिविल लाइन्स स्थित पत्रिका चौराहा के पास में रोड के किनारे जो लोग स्टैण्ड लगाकर सिम बेंचते हैं उनसे अभियुक्त शिवम उपरोक्त द्वारा यू0पी0आई0 से 1000/- रूपेय पेमेन्ट करके 900/- रूपये नगद लिया और थाना एयरपोर्ट अन्तर्गत कटहुला गौसपुर चला गया जहां मृतक के मोबाइल से सिम निकाल कर मृतक सुमित के मोबाइल को तोड़कर झाडी में फेंक दिया और फिर वापस अपने घर आ गया, उसके बाद अभियुक्त शिवम उपरोक्त द्वारा अपनी चाची की मोबाइल मे वाई-फाई कनेक्ट कराकर नई इन्टाग्राम आई0डी0 बनाकर उक्त इन्सटाग्राम आई0डी0 से मृतक के भाई की इन्स्टाग्राम आई0डी0 पर मैसेज के द्वारा फिरौती की रकम मांगी गयी ।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की यूपी पुलिस को फटकार

थानों को व्यावसायिक अड्डा न बनाएं

प्रयागराज(एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा है कि राज्य के कुछ थाने अब कानून-व्यवस्था बनाए रखने के केंद्र की जगह व्यावसायिक गतिविधियों के स्थान बनते जा रहे हैं। अदालत ने इस मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने शुक्रवार को हरेंद्र यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने डीजीपी और अपर मुख्य सचिव (गृह) को पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। साथ ही डीजीपी को 10 दिनों के भीतर की गई कार्रवाई का विवरण हलफनामे के माध्यम से कोर्ट में दाखिल करने को कहा गया है। मामला बलिया जिले के रसड़ा थाने से जुड़ा है। याचिकाकर्ता हरेंद्र यादव ने आरोप लगाया था कि थाने में तैनात कांस्टेबल संतोष कुमार ने अपने जनरल प्रोविडेंट फंड (जीपीएफ) खाते से धनराशि निकालकर उनके नाम पर एक ट्रक खरीदा था और ट्रांसपोर्ट व्यवसाय संचालित कर रहा था। याचिकाकर्ता का यह भी आरोप था कि सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ), बलिया ने उसके ट्रक को मनमाने तरीके से ब्लैकलिस्ट कर दिया। मामले की सुनवाई के दौरान सामने आए तथ्यों पर हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस थाने जनता की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए बनाए गए हैं, लेकिन यदि वहां से व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने लगें तो यह गंभीर चिंता का विषय है। अदालत ने इसे पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता से जुड़ा मामला माना। कोर्ट ने निर्देश दिया कि रसड़ा थाने में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच की जाए और यदि किसी की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए। हाईकोर्ट ने डीजीपी और गृह विभाग को मामले में प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। अदालत अब इस मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को करेगी। इस दौरान पुलिस विभाग को कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। हाईकोर्ट की इस टिप्पणी के बाद पुलिस विभाग में थानों की कार्यप्रणाली और वहां तैनात कर्मचारियों की गतिविधियों को लेकर एक बार फिर सवाल उठे हैं। अदालत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखना जरूरी है।

किसान पथ पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

........पीड़ित पिता की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज, सीसीटीवी फुटेज से होगी वाहन की पहचान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, संवाददाता। किसान पथ पर हुए सड़क हादसे में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसका सगा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मॉल थाना क्षेत्र के आदर्श थावर गांव निवासी प्यारे लाल के अनुसार उनका पुत्र अरुण कुमार अपने भाई सतीश कुमार के साथ नौ जुलाई की रात गोण्डा से बाइक (यूपी-32-आरएस-6494) से घर लौट रहा था। देर रात मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरनपुर गांव के पास किसान पथ पुल पर पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए और बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान सतीश कुमार ने दम तोड़ दिया। वहीं अरुण कुमार का इलाज जारी है। पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात वाहन एवं उसके चालक की पहचान की जा रही है। पहचान होने के बाद नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मॉल थाना क्षेत्र के आदर्श थावर गांव निवासी प्यारे लाल के अनुसार उनका पुत्र अरुण कुमार अपने भाई सतीश कुमार के साथ नौ जुलाई की रात गोण्डा से बाइक (यूपी-32-आरएस-6494) से घर लौट रहा था। देर रात मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरनपुर गांव के पास किसान पथ पुल पर पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टकर मार दी। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए और बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।

अजय देवगन और रितेश देशमुख स्टारर 'रेड 2'अनमोल सिनेमा पर पहली बार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज । कुछ लोग सोचते हैं कि ताकतवर कभी हारते नहीं, भ्रष्टाचारियों को क़ानून कभी छू नहीं पाता; पर इन हालात को बदलने आते हैं अमय पटनायक - एक ऐसे अधिकारी जो कभी भ्रष्ट और शक्तिशाली लोगों के आगे सिर नहीं झुकाते । इस जुलाई, अनमोल सिनेमा आपको ताकत, धोखे और जबर्दस्त ड्रामा से भरपूर 'रेड 2' की दुनिया में ले जाने के लिए तैयार है। राज कुमार गुप्ता के निर्देशन में बनी यह फिल्म आपको सच और झूठ की जंग में ले जाती है। अजय देवगन अपनी खास स्टाइल, टाइमिंग और जबर्दस्त इंटेंसिटी के साथ अमय पटनायक बनकर लौटे हैं। अजय और रितेश का टकराव फिल्म की जान है - देवगन की शांत ताकत और रितेश के चालाक और दबंग किरदार का कॉम्बिनेशन दर्शकों को बांधे रखता है। कहानी में और भी जान डाल देते हैं सौरभ शुक्ला, रजत कपूर और अमित सियाल जैसे अनुभवी कलाकार। 'रेड 2' के निर्माता हैं भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार। फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ के द्वारा प्रस्तुत किया गया है और यह एक पैनोरमा स्टूडियोज़ प्रोडक्शन है। 'रेड 2' में एक बार फिर लौट रहे हैं ईमानदारी और निडरता के प्रतीक, आईआरएस अधिकारी अमय पटनायक (अजय देवगन), जो एक और ताकतवर दुश्मन - दादाभाई (रितेश देशमुख) का सामना करते हैं, जो संत के वेश में छिपा हुआ एक साँप है। क्या अमय पटनायक सच सामने ला पाएंगे, या सिस्टम उनका मिशन को कुचल देगा? जानने के लिए देखिए 'रेड 2' अनमोल सिनेमा पर पहली बार, ।

तीन माह बाद भी वापस नही हुए ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। गांव में आबादी के बीचो-बीच शराब की दुकान खोले जाने के विरोध के दौरान ग्रामीणों और प्रशासन के बीच तीखी नोक जोख हुई थी। इस मामले में तोड़फोड़ करने वाले ग्रामीणों पर जुर्माना लगाने के साथ ही कानूनी कार्रवाई की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सुभासपा जिलाध्यक्ष ने जिलाधिकारी से ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग की थी। बताया जाता है कि आंदोलन को लेकर दर्ज किए गए मुकदमे वापस करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन तीन माह बाद भी ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं हुए। इसको लेकर ग्रामीण एक बार फिर आंदोलन की तैयारी में जुट गए हैं।

थाना माधौटांडा क्षेत्र के ग्राम बूंदी भूड़ में शराब के ठेके के विरोध में हुए आंदोलन के दौरान ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमों को लेकर एक बार फिर असंतोष बढ़ गया है। शुक्रवार को ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि 7 मई 2026 को हुए धरना-प्रदर्शन के दौरान जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और क्षेत्रीय भाजपा विधायक बाबूराम पासवान ने गांव पहुंचकर आश्वासन दिया था कि दस दिन के भीतर ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमे समाप्त करा दिए जाएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि तीन माह बीत जा रहे हैं इसके बावजूद मुकदमे वापस नहीं हुए हैं।ग्रामीणों के अनुसार, इस संबंध में कई बार अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपे गए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि जिलाधिकारी कार्यालय से मामले को आबकारी विभाग के पास भेज दिया गया, जहां कथित तौर पर शराब भट्टी में तोड़फोड़ के मामले में तीन लाख रुपये का जुर्माना जमा कराने तथा गांव में दोबारा शराब का ठेका खुलने के बाद ही मुकदमा समाप्त करने की बात कही गई। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष हरेंद्र राजभर ने भी जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर ग्रामवासियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि गांव से शराब का ठेका हटाया जा चुका है, लेकिन आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे अब तक समाप्त नहीं किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों द्वारा जांच पूरी होने के बाद कार्रवाई का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द मुकदमे वापस नहीं लिए गए तो गांव में दोबारा धरना-प्रदर्शन और आंदोलन शुरू होने की संभावना है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार की भिड़ंत में क्षतिग्रस्त हुई कार, कोई हताहत नही

पूरनपुर (पीलीभीत)। ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार की भिड़ंत में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। फिलहाल इस हादसें में किसी के हताहत होने की जानकारी नही मिली है। स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त कार को सड़क किनारे करवा दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ट्रैक्टर ट्राली चालक की तलाश कर रही है। तहसील कलीनगर क्षेत्र के चित्तरपुर स्थित हरदोई ब्रांच नहर पुल के पास गुरुवार को ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार के बीच भीषण भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि कार सवार सभी लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही संधू फार्मर सोसाइटी के उपाध्यक्ष केपी संधू मौके पर पहुंच गए और घटना की जानकारी ली।

'गूजर गैंग' बताकर युवकों ने मोबाइल दुकान पर तीन को पीटा, मुकदमा दर्ज

.........मोहनलालगंज में मोबाइल बनवाने पहुंचे युवक पर हमला, दो साथियों से भी मारपीट; नामजद समेत अन्य अज्ञात पर केस, जांच शुरू ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, संवाददाता। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में खुद को 'गूजर गैंग' का सदस्य बताने वाले युवकों द्वारा एक युवक और उसके दो साथियों की बेरहमी से पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगराम थाना क्षेत्र के देवती मजरा साधुखेड़ा निवासी रीता ने पुलिस को बताया कि उनका पुत्र विकास गुरुवार शाम मजदूरी कर घर लौटते समय हुलासखेड़ा के पचौरी गांव स्थित एक मोबाइल दुकान पर मोबाइल बनवाने के लिए रुका था। आरोप है कि इसी दौरान पचौरी गांव निवासी राज, कुलदीप और उनके अन्य साथी वहां पहुंचे और खुद को 'गूजर गैंग' का सदस्य बताते हुए विकास से गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने विकास का सिर दीवार से भिड़ा दिया और लात-घूंसों से जमकर मारपीट की। जमीन पर गिरने के बाद भी उसकी पिटाई की गई तथा जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए। घटना में विकास के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके साथी शिवम और नीर कमल को भी आरोपियों ने पीट दिया। पीड़िता की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने राज, कुलदीप समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जैड ए की जमीन पर कब्ज़ाने के मामले में नामजद सात आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। जैड ए की जमीन पर कब्जा करने के मामले में सात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। वर्तमान में अपराध एवं अवैध कब्जे पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सभी नामजद सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। थाना हजारा पुलिस ने जैड ए की भूमि पर अवैध कब्जा करने के मामले में दर्ज मुकदमे में नामजद सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई जनपद में अपराध एवं अवैध कब्जों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। जिसमें थानाध्यक्ष शरद यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 30 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर ग्राम कमलापुरी कॉलोनी, थाना सम्पूर्णानगर, जनपद लखीमपुर खीरी में दबिश देकर आरोपियों को उनके घरों से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में वाकिर पुत्र रामाशंकर, धनेश पुत्र ऋषिदेव, मंगरु पुत्र नेमधर, प्रहलाद पुत्र ऋषिदेव, रमेश पुत्र ऋषिदेव, मुन्ना लाल पुत्र प्रहलाद तथा बदरी पुत्र रामदरेश शामिल हैं। सभी आरोपी कमलापुरी कॉलोनी के निवासी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों के विरुद्ध थाना हजारा में नामजद मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को पुलिस हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी की गई तथा न्यायालय में पेश किया गया। थानाध्यक्ष शरद यादव ने बताया कि जनपद में सरकारी एवं सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों तथा कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

प्रयागराज में 1 अगस्त को होगी अल्पसंख्यक विभाग की मंडलीय समीक्षा बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। आगामी 1 अगस्त 2026को सायं 7:00 बजे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सोहेल अख्तर अंसारी के प्रयागराज आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। अल्पसंख्यक कांग्रेस की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं यू ,पी , प्रभारी रूबी खान के निर्देश पर कार्यक्रम की तैयारियों के सिलसिले में आज अल्पसंख्यक विभाग के जिला प्रभारी मुन्ताज़ सिद्दीकी साहब प्रयागराज पहुंचे और पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर शहर अध्यछ अरशद अली ने कहा कि 1 अगस्त को आयोजित होने वाला कार्यक्रम अल्पसंख्यक विभाग के पुनर्गठन हेतु मंडलीय समीक्षा बैठक है।** उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने का आह्वान किया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यछ फूजैल हाशमी एवं) जिला प्रवक्ता हसीब अहमद ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि प्रदेश अध्यक्ष सोहेल अख्तर अंसारी का प्रयागराज आगमन संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि मंडलीय समीक्षा बैठक के माध्यम से संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण चर्चा होगी तथा सभी कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। बैठक में अल्पसंख्यक कांग्रेस के जमुना पार अध्यछ, शहजादुल् हक, मो हसीन,आबदी इलाहाबादी, ग़ज़ली खान,मो फिरोज,शकील अहमद, इस्तीयक अहमद, महफूज अहमद, तालिब अहमद, ज़ाहिद नेता, मो सरताज, शाहीन बेगम,अफरीन रिज़वी, दरक्शा कुरैशी रुबिन बेगम,मो शकूर, मो अल्तमस, सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।

गला दबाकर हत्या की कोशिश का आरोप, महिला से मारपीट

.....कहारन टोला की घटना, पांच नामजद आरोपियों पर मुकदमा; बेटी से अभद्रता का भी आरोप ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, संवाददाता। मोहनलालगंज कस्बे के कहारन टोला में एक महिला के साथ मारपीट कर गला दबाकर हत्या की कोशिश किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कहारन टोला निवासी रामा देवी पत्नी रमेश ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनके घर के पास रहने वाले कुलदीप, वैष्णवी, रंजीत, वैभव तथा उनकी मां ने गाली-गलौज करते हुए उन पर हमला कर दिया और मारपीट की। पीड़िता का आरोप है कि किसी तरह आरोपियों के चंगुल से छूटकर वह कोतवाली पहुंचीं और पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की। रामा देवी का कहना है कि यदि वह मौके से भागकर अपनी जान न बचातीं तो आरोपी उनका गला दबाकर हत्या कर देते। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उनकी बेटी के साथ भी अभद्रता की, गाली-गलौज की और मारपीट की। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले को लेकर क्या बोले एसीपी

एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जबरौली मोड़ पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर, ट्रॉमा सेंटर रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। रायबरेली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जबरौली मोड़ के पास शुक्रवार दोपहर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत देखते हुए पीजीआई ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस के मुताबिक करीब 25 वर्षीय अज्ञात युवक बाइक संख्या क्क71 क्वह 1987 से रायबरेली की ओर से लखनऊ जा रहा था। जब वह जबरौली मोड़ स्थित ज़ेब्रा क्रॉसिंग के सामने पहुंचा, तभी पीछे से आए किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक होने पर पीजीआई ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना करने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। घायल की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।